

Awadhi Easy-to-Read Version

Language: अवधी (Awadhi)

Provided by: Bible League International.

Copyright and Permission to Copy

Taken from the Awadhi Easy-to-Read Version © 2005 by Bible League International.

PDF generated on 2017-08-25 from source files dated 2017-08-25.

a1ae5774-2ca2-500b-8aeb-2c74229c4519

ISBN: 978-1-5313-1308-1

उत्पत्ति

संसार क उत्पत्ति

१ सुरु मँ परमेस्सर अकास अउ भुइँया क रचेस ।
२ भुइँया सुनसान रही : अउ भुइँयाँ प कछू भी
नाहीं रहा । समुदर प अँधियारा छावा रहा, अउ
परमेस्सर क आतिमा पानी प मँडरात रहा ।

पहिला दिन—उजियारा

३ तब परमेस्सर कहेस, “उजियारा होइ” अउ
उजियारा होइ गवा । ४ परमेस्सर उजियारा क
लखेस अउ उ जानि गवा कि इ नीक बाटइ ।
तबहि उ उजियारा का अँधियारा से अलग कई
दिहेस । ५ परमेस्सर उजियारा क नाउँ “दिन” अउ
अँधियारा क नाउँ “रात” दिहेस ।

साँझ भइ अउ भिन्सार भवा । इ पहिला दिन
रहा ।

दूसर दिन—अकास

६ तबइ परमेस्सर कहेस, “पानी क एक ढेर
क दूसर ढेर स अलगावइ बरे वायुमण्डल *होइ
जाइ ।” ७ एँह बरे परमेस्सर वायुमण्डल क बनएस
अउ पानी क अलग किहेस । कछू पानी वायुमण्डल
क ऊपर रहा अउ कछू वायुमण्डल क नीचे ।
८ परमेस्सर वायुमण्डल क “अकास” कहेस । तब
साँझ भइ अउ भिन्सार भवा । इ दूसर दिन रहा ।

तीसर दिन—झुरान भुइँया अउ पेड़-पौधा

९ अउर तब परमेस्सर कहेस, “भुइँया क पानी
एक ठउरे प बटुर जाइ जेहसे झुरान भुइँया
देखाइ देइ” अउ अइसा ही भवा । १० परमेस्सर
झुरान भुइँया क नाउँ “धरती” धरेस अउ जउन
पानी बटुरा रहा, ओका “समुदर” क नाउँ दिहेस ।
परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ ।

११ तब परमेस्सर कहेस, “भुइँया, घास अउ पौधा
जउन अन्न पइदा करत ही अउर फलन क बिरवा
उगावइ । फलन क बिरवा जेकरे फलन क भीतर
बिया होइ अइसा फल पइदा करइँ अउ हर एक
टु पौधा आपन जाति क बिया बनावइ । इ पौधन
क भुइँयाँ प निकरइ द्या ।” अउ अइसा ही भवा ।
१२ भुइँयाँ घास अउ पौधा पइदा किहस जउन
अनाज पइदा करत ही अउ अइसा बिरवा अउ

पौधा उगाएस जेनके फलन क भीतर बिया होत
हीं । हर एक टु पौधा आपन आपन जाति क
मुताबिक बिया पइदा किहस अउ परमेस्सर लखेस
कि इ नीक अहइ ।

१३ तब साँझ भइ अउ भिन्सार भवा । इ तीसर
दिन रहा ।

चउथा दिन—सूरज, चाँद अउ तारा

१४ तब परमेस्सर कहेस, “अकास मँ जोतियन
होइ द्या । इ जोतियन दिन क रात स अलगाइ देइ ।
इ जोतियन खास त्यौहार क दिनन क अवइ अउर
दिन अउ रात होइ एँकरे बरे मँ एक चीन्हा होब्या ।
१५ इ जोतियन भुइँयाँ प प्रकास देइ बरे अकासे मँ
ठहारि जाइँ ।” अउर अइसा ही भवा ।

१६ तब परमेस्सर दुइ बड़की जोतियन बनाएस ।
परमेस्सर ओहमाँ स बड़की जोति क दिन प राज
करइ बरे बनाएस अउ छोटकी जोति क राति प
राज करइ खातिर बनाएस । परमेस्सर तारा भी
बनाएस । १७ परमेस्सर इ जोतियन क अकासे मँ
एँह बरे धरेस कि पृथ्वी पइ चमकइ । १८ परमेस्सर इ
जोतियन क अकासे मँ एँह बरे धरेस कि उ दिन अउ
राति प राज करइ । इ सबइ जोतियन उजियारा
क अँधियारा स अलगाइ दिहन अउ परमेस्सर इ
लखेस कि इ नीक बा ।

१९ तब साँझ भइ अउ भिन्सार भवा । इ चउथा
दिन रहा ।

पँचवा दिन—मछरियन अउ पँछिन

२० तबही परमेस्सर कहेस, “पानी बहोत सारी
जीब जन्तूनन स भरि जाइ अउ पँछी भुइँयाँ क
उ ऊपर वायु मँ बिचरइँ ।” २१ एँह बरे परमेस्सर
समुदर मँ बडवार बड़वार जलजन्तु बनएस ।
परमेस्सर ओन सबहिँ परानियन क बनएस जउन
समुदर मँ बिचरत हीँ । सागर मँ किसिम किसिम
क जलजन्तु बाटेन । परमेस्सर इ सबन क रचना
किहेस । परमेस्सर हर तरह क पँछी भी बनएस
जउन अकासे मँ उड़त ही । परमेस्सर लखेस कि इ
नीक अहइ ।

२२ परमेस्सर इ जनावरन क आसीर्बाद दिहेस,
अउ कहेस, “जा अउ बहोत स बच्चन क पइदा
करा अउ सागरे क आपन सन्तानन स भरि द्या ।”
उ पँछी क भी कहेस कि आपन सन्तानन क कइ
गुना बढ़ावा ।

*१ :६ वायुमण्डल हिब्रू भाखा मँ एकर अरथ अहइ ‘फइलाव’ या ‘मण्डल’ ।

२३ तब साँझ भइ अउ भोर भवा। इ पँचवा दिन रहा।

छठवाँ दिन—भुइँया क जीउ जन्तु अउ मनई

२४ तब परमेस्सर कहेस, “भुइँया हर जाति क जीउ जन्तु पइदा करइ। बहोत स अलग अलग जाति क जनावर होई। हर जाति क बड़का जनावर अउ नान्ह नान्ह रेंगइवाला जनावर होई अउ इ जनावर आपन जाति क मुताबिक अउर जनावर बनावई” अउ इहइ सब भवा।

२५ तउ, परमेस्सर हर जाति क जनावर बनाएस। उ जंगली जनावर, पालतू जनावर, अउ सबहिँ नान्ह नान्ह रेंगइवाला जीउ बनाएस अउर परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ।

२६ तब परमेस्सर कहेस, “अब मनई क आपन सरुप अउर आपन जइसा बनाएँ मनई हमरी तरह होइ। उ सागर क सब मछुरियन प अकासे क पंछियन प राज करी। उ भुइँया क सब बड़वार जनावरन अउ सब नान्ह रेंगइवालन जीउ प राज करी।”

२७ एँह बरे परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनाएस। परमेस्सर मनई क आपन ही सरुप मँ सिरजेस। परमेस्सर ओनकइ नर अउ नारी बनाएस। २८ परमेस्सर ओनका असीसेस। परमेस्सर ओनसे कहेस, “बहोत सारे संतानन पइदा करा, नसलन क बढ़ावा अउर भुइँया क भरि द्या। भुइँया पइ कब्जा कर ल्या। अउ ओह प राज करा। सागर क मछुरियन प अउ अकासे क पंछिन प राज करा। भुइँया क हर जीउ-जन्तु प राज करा।”

२९ परमेस्सर कहेस, “लखा, मई तू पचन क सब किसिम क बिआदार बृच्छ पौधा अउ सारा फलदार बृच्छ दिहेउँ ह। इ सबइ अन्न अउ फल तोहार भोजन होइ। ३० मई हर एक ठु हरिअर पेड़ पौधा गोरु बरे देत अहउँ। इ सबइ हरिअर बृच्छ पौधा ओनकइ चारा होइ। भुइँया क हर एक ठु जनावर, अकासे क हर एक पंछी अउ भुइँया प रेंगइवाला सब जीउ जन्तु इ चारा क खइही।” इ सबइ बातन भइँन।

३१ परमेस्सर अपने जरिये हर एक ठु चीज लखेस जेका उ बनाएस रहा। अउ उ निहारेस कि हर चीज बहोतइ नीक बाटइ।

साँझ भइ अउ भोर भवा। इ छठवाँ दिन रहा।

सतवाँ दिन—आराम

१ इ तरह धरती, अकास अउ ओकर हर एक चीज क रचब पूर होइ गवा। २ परमेस्सर आपन कीन्ह जात काम क पूरा कइ लिहेस। एँह बरे सतएँ दिन परमेस्सर अपने काम मँ आराम किहेस। ३ परमेस्सर सतएँ दिन क असीसेस अउ ओका पवित्तर दिन बनइ दिहेस। परमेस्सर उ दिना क पवित्तर दिन एँह बरे बनाएस कि संसार क बनवत समइ जउन उ काम करत रहा उ सबहिँ कामे स उ दिन उ आराम किहेस।

मनई जाति क सुरुआत

४ इ धरती अउ अकास क इतिहास अहइ। इ कथा उ चिजियन क अहइ, जउन परमेस्सर क जरिये धरती अउ अकास बनवत टेम प भइन, ५ तब धरती प कउनो बृच्छ पौधा नाही रहा। अउ खेतन मँ कछु भी नाही उगत रहा। काहेकि यहोवा तब तलक धरती प बरखा नाही पटए रहा अउ बृच्छ पौधन क देखइ भालइ वाला कउनो मनई भी नाही रहा।

६ मुला कुहिरा भुइँया स उठत रहा अउ पानी समूचइ धरती क सींचत रहा। ७ तब यहोवा परमेस्सर भुइँया स धूरि उठाएस अउ मनई क बनाएस। यहोवा मनई क नाके मँ जिन्नगी क साँस फूँकेस अउ मनई एक ठु जिअत परानी बन गवा। ८ फुन यहोवा परमेस्सर पूरब मँ अदन नाउँ क ठउरे मँ एक बाग लगाएस। यहोवा परमेस्सर आपन बनावा भवा मनई क इहइ बगिया मँ राखेस। ९ यहोवा परमेस्सर हर एक सुन्नर बृच्छ अउ खइया बरे सबहिँ किसिम क नीक बृच्छ क उ बगिया मँ उगाएस। बगिया क बिचउ बीच यहोवा परमेस्सर जिन्नगी क बृच्छ क धरेस अउ उ बृच्छ क भी राखेस जउन अच्छाई अउ बुराई क जानकारी देत रहा।

१० अदन स होइके एक ठु नदी बहत रही अउ उ बाग क सींचत रही। उ हुवाँ स अगवा जाइके चार ठु नान्ह नान्ह धारा मँ बदल गइ रही। ११ पहिली नदी क नाउँ पीसोन रहा। इ नदी हवीला पहाटा क चारिहु कइँती बहत रही। १२ (उ पहाटा मँ सोना अहइ अउ उ सोना नीक बाटइ। मोती अउर गोमेदक रतन उ पहाटा मँ अहइ।) १३ दूसरी नदी क नाउँ गीहोन अहइ जउन इथोपिया देस क चारो तरफ बहत ह। १४ तीसरी नदी क नाउँ दजला बा। इ नदी अस्सूर क पूरब मँ बहत ह। चउथी नदी फरात अहइ।

१५ यहोवा परमेस्वर मनई क अदन क बाग मँ रखेस। मनई क काम पेड़-पौधा लगाउब अउ बगिया क रखवारी करब रहा। १६ यहोवा परमेस्वर मनई क हुकुम दिहेस। यहोवा परमेस्वर कहेस, “तू बगिया क कउनो भी वृच्छ स फल खाइ सकत ह। १७ मुला तू नीक अउ खोट क गियान देइवाला वृच्छ क फल नाही चख सकत ह। अगर तू उ वृच्छ क फल खाइ लेब्या तउ तू मरि जाब्या।”

पहिली मेहरारू

१६ तब यहोवा परमेस्वर कहेस, “मनई क अकेले रहब नीक नाही। मई ओकरे तरह एक मनई ओका मदद बरे बनउब।”

१७ यहोवा परमेस्वर धरती क हर एक जनावर अउ अकासे क हर पंछी क भुइया क माटी स बनएस। यहोवा परमेस्वर इ सबहि जीउवन क मनई क समन्वा लइ आवा अउ मनई हर एक क नाउ रखेस। २० मनई पालतू गोरु, अकासे क सब पंछिन अउ जंगल क सबहि जनावर क नाउ रखेस। मनई ढेर क जनावर अउ पंछिन क लखेस। मुला मनई कउनो अइसा मदद करइया नाही पाइ सका जउन ओकरे जोग होइ। २१ एह बरे यहोवा परमेस्वर मनई क गहरी नीदे मँ सुवाइ दिहेस अउ जब उ सोवत रहा; यहोवा परमेस्वर मनई क तन स एक पसुली निकारी लिहस। तब यहोवा मनई क चाम क बन्द कइ दिहस जहाँ स उ पसुली निकारे रहा। २२ यहोवा परमेस्वर मनई क पसुली स मेहरारू क बनाएस। तब यहोवा परमेस्वर मेहरारू क मनई क लगे लिआवा। २३ अउर मनई कहेस,

“आखिर मँ! हमरे तरह एक मनई।

एकर हाइ मोरे हाइ मँ स आवा

एकर तन मोरे तन स आवा।

कोहेकि इ मनई स निकारी गइ,

एह बरे मई एका मेहरारू कहब।”

२४ इहइ कारण स मनई आपन महतारी-बाप क तजिके आपन मेहरारू क संग रही अउ उ दुइनउँ एक तन होइ जइहीं।

२५ मनई अउ ओकर मेहरारू बगिया मँ नंगा रहेन: मुला उ पचे लजात नाही रहेन।

पाप क सुरु होब

३ यहोवा परमेस्वर जउन जंगली जनावरन क बनाएस ओहमाँ स सरप सबन सबन त जिआदा होसियार अउर धोखेबाज रहा। उ मेहरारू क धोखा देइ चाहत रहा। सरप मेहरारू स कहेस,

“हे मेहरारू! का फुरइ परमेस्वर तोहसे कहेस ह कि तू बगिया क कउनो फल जिन चख्या?”

२ मेहरारू सरप स कहेस, “नाही परमेस्वर इ नाही कहेस। हम बगिया क पेड़े स फल खाइ सकित ह। ३ मुला एक ठु वृच्छ बाटइ जेकर फल हम पचे नाही खाइ सकित। परमेस्वर हम पचन स कहेस ह, ‘तोहका उ वृच्छ क फल नाही खाइ चाही जउन बगिया क बीच मँ बाटइ। तोहका उ वृच्छ क छुअइ तलक नाही चाही नाही तउ मरि जाब्या।’”

४ मुला सरप मेहरारू स कहेस, “तू मरिब्या नाही। ५ परमेस्वर जानत ह कि तू पचे उ वृच्छ स फल खाब्या तउ नीक अउ बुरा क बारे मँ जानि लेब्या। अउर तब तू उहइ होब्या जइसे परमेस्वर अहइ।”

६ फुन मेहरारू निहारेस कि वृच्छ सुन्नर बाटइ। उ लखेस कि फल खाइ बरे नीक बाटइ अउ उ वृच्छ ओका बुद्धिमती बनाइ। तउ वृच्छ स कछू फल तोड़ेस अउ खाएस भी। तब उ अपने भतार क कछू फल खाइ बरे दिहस जउन ओकरे संग रहा।

७ तब ओनकइ अखियाँ खुलि गएन। दुइनउँ जानेन कि उ पचे नंगा बाटेन। उ दुइनउँ क लज्जा अनुभव भवा। तउ उ पचे अंजीरे क पत्ता लिहेन ओका सिएन अउ आपन नंगापन क ढाँपि लिहेन।

८ तब मनसेधू अउ मेहरारू साँझ क ठंडी बयार मँ यहोवा परमेस्वर क आवइ क अवाज बगिया मँ अनकेन। उ पचे बगिया मँ वृच्छन क बीच लुकाइ गएन, ९ यहोवा परमेस्वर गोहराइके मनई स पूछेस, “तू कहा बाटचा?”

१० मनई जवाब दिहस, “मई तोहरे टहरइ क अवाज बगिया मँ सुनेउँ अउ मई डेराइ गएउँ काहेकि मइ नंगा रहेउँ। एह बरे मई लुकाइ गएउँ।”

११ यहोवा परमेस्वर मनई स पूछेस, “तोहका कउन बताएस ह कि तू नंग धड़ंग अहा? तू कउने वजह स सरमाइ गया ह? का तू उ बिसेख वृच्छ क फल चख्या ह जेका मई तोहका न खाइ बरे हुकुम दिहेउँ ह?”

१२ तब मनई कहेस, “तू जउन मेहरारू मोरे बरे बनया ह उ उहइ वृच्छ स मोका फल दिहस ह, अउर मई ओका खाएउँ ह।”

१३ फुन यहोवा परमेस्वर मेहरारू स कहेस, “इ तू का किह्या ह?”

मेहरारू कहेस, “सरप मोका बगदाइ दिहस। उ मोका मूरख बनाएस अउर मई फल चखि लिहेउँ।”

१४ तब यहोवा परमेस्वर कीरा स कहेस,

“तू इ बहोतइ बुरा किहा।

एह बरे तोहार बुरा ही होइ।

दूसर जनावर क बनिस्वत तोहार बहोतइ बुरा होइ ।

तू आपन पेट क सहारा रेगंडि बरे बेबस होब्या ।

अउर तू धूरि फाँकइ क बेबस होब्या जिनगी क सब दिन में ।

१५ मई तोहका अउ मेहरारु क एक दूसरे क दुस्मन बनाउब ।

तोहार गदेलन अउ एँकर बच्चा आपस में दुस्मन होइहीं ।

तू एँनकइ गदेलन क गोड़े में डसब्या अउ उ तोहार मूँड कुचल देइहीं ।”

१६ तब यहोवा परमेस्सर मेहरारु स कहेस,

“मई तोहका गाभिन होइ क हालत में बहोतइ दुखी करब ।

अउर जब तू लरिका पइदा करिबिउ, तोहका बहोत जियादा पीरा होइ ।

तू आपन भतार क बहोतइ चहिबिउ, मुला उ तोह प पूरभूताई करी ।”

१७ तब यहोवा परमेस्सर मनई स कहेस,

“मई हुकुम दिहेउँ रहे कि तू विसेख बृच्छ क फल जिन खाया ।

मुला तू आपन मेहरारु क बात सुन्या अउर उ बृच्छ क फल खाया ह ।

एँह बरे मई तोहरे कारण इ भुइँया क सराप देत हउँ आपन जिनगी क पूरे टेमें तलक उ भोजन बरे जउन धरती देत ह

तोहका कठिन मेहनत करइ क पड़ी ।

१८ मुला धरती तोहरे बरे काँटन अउर खर-पतवार पइदा करी ।

अउर तू ओन पौधन क खाब्या जउन खेत में उगत ह ।

१९ तू आपन खइया बरे कठोर मेहनत करब्या ।

तू तब तलक मेहनत करब्या जब तलक माथा प पसिना न आवइ ।

तू तब तलक कठोर मेहनत करब्या जब तलक तोहार मउत न आइ जाइ ।

उ टेमें तू दूसरी दाईं माटी बन जाब्या ।

जब मई तोहका बनाए रह्योँ, तबहि तोहका माटी स बनाए रह्योँ

अउर जब तू मरिब्या तब तू उहइ माटी में फुन मिलि जाब्या ।”

२० आदम आपन मेहरारु क नाउँ हव्या राखेस, काहेकि सब मनइयन क उ आदि महतारी रही ।

२१ यहोवा परमेस्सर मनई अउ ओकरे मेहरारु बरे जनावर क चाम स पोसाक बनाएस । तब यहोवा इ सबइ पोसाक ओनका दिहस ।

२२ यहोवा परमेस्सर कहेस, “लखा, मनई हमरे जइसा होइ गवा अहइ । मनई अच्छाई अउ बुराई जानत ह अउर अब मनई जिनगी क बृच्छ स भी फल लइ सकत ह । अगर मनई उ फले क खाई तउ सदा ही जिअत रही ।”

२३ तब यहोवा परमेस्सर मनई क अदन क बगिया तजइ बरे बेबस किहस । जउने माटी स आदम बना रहा उ भुइँया प आदम क कठोर मेहनत करइ क पड़ी । २४ परमेस्सर आदम क बाग स बाहेर खदेर दिहस । तब परमेस्सर करूब सरगदूतन क बगिया क फाटक क रखवारी बरे राखेस । उ एक आगी क तरवार भी राखेस । इ तरवार जिनगी क बृच्छ क राह क रखवारी करत भइ चारिहुँ कइती चमकत रही ।

पहिला परिवार

१ आदम अउ ओकर मेहरारु हव्या क बीच में तने क रिस्ता भवा अउ हव्या एक ठु बच्चा जन्मेस । बच्चा क नाउँ काबील रखा गवा । हव्या कहेस, “यहोवा क मदद स मई एक मनई पाएउँ ह ।”

२ एँकरे पाछे हव्या एक ठु दूसर बच्चा क जन्मेस । इ लरिका काबील क भाई हाबिल रहा । हाबिल गड़रिया बना । काबिल किसान बना ।

पहिला कतल

३-४ फसिल क टेमें काबील एक ठु भेंट यहोवा क लगे लइ आवा । जउन अनाज काबील आपन जमीन में उपजावत रहा, ओहमाँ स तनिक अन्न उ लइ आवा । मुला हाबिल आपन जनावरन क झुण्ड में स कछु जनावर लावा । हाबिल आपन सबन त नीक भेड़ी क सबन त बढिया हीसा लइ आवा ।

यहोवा हाबिल अउ ओकरी भेंट क अंगीकार किहस । ५ मुला यहोवा काबील अउ ओकरे जरिये लाइ गइ भेंट क अंगीकार नाही किहस । ओकर चेहरा उदास होइ गवा । ६ यहोवा काबील स पूछेस, “तू काहे कोहान अहा ? तोहार चेहरा काहे बहोत उदास भवा देखात बाटइ ? ७ अगर तू नीक काम करिब्या तउ तू मोरी निगाह में ठीक रहब्या । तब मई तोहका अपनाउब । मुला अगर तू उ काम नाही करिब्या जउन कि नीक अहइ तउ पाप तोहार दरवाजे पइ घात में रहब्या । इ तोहका तबाह करइ चाहत ह । मुला तोहका एँका आपन बस में रखइ चाही ।”

८ काबील आपन भाई हाबिल स कहेस, “आवा हम मैदान में चली ।” एँह बरे काबील अउ हाबिल

मैदान में गएन। तब काबील आपन भाई प हमला कइ दिहस अउ ओका मारि डाएस।

१ पाछे, यहोवा काबील स पूछेस, “तोहार भाई हाबिल कहा बा?”

काबील जवाब दिहेस, “मोका नाही मालुम। का इ मोर काम अहइ कि मई आपन भाई क चउकसी अउ देखभाल करउँ?”

१०-११ तबइ यहोवा कहेस, “तू इ का किहा? तोहरे भाई क रकत जमीन स बोलत अहइ कि का होइ ग अहइ? तू आपन भाई क कतल किहा ह, भुइया तोहरे हाथे स ओकर रकत लेइ बरे खुल गइ अहइ। एह बरे तोहका अगिया नाही अहइ कि तू धरती स कउनो लाभ उठावा। १२ बीता जमाना में तू फसल लगाया अउ उ अच्छी जामी। मुला अब तू बढ़िया फसल बोउब्या अउ जमीन तोहार अच्छी फसल होइ मँ मदद न करी। तोहका भुइया प घर न मिली। तू जगह-जगह भटकत रहब्या।”

१३ तब काबील कहेस, “इ सजा एतनी जियादा अहइ कि मई सह नाही सकत हउँ। १४ लखा, तू आज मोका धरती स तजि दिहस मई न तउ तोका देख पाउब अउर न ही तोर निकट रह पाउब। मोर घर नाही बा। मोका जगह-जगह भटकइ प बेबस कीन्ह जाई। अउर जदि कउनो मनई मोका पाइ तउ उ मोका मारि डाइ।”

१५ तब यहोवा काबील स कहेस, “मई इ नाही होइ देव। जदि कउनो तोहका मारी तउ मई उ मनई क बहोत कठोर सजा देव।” तब यहोवा काबील प एक चीन्हा बनाएस। इ चीन्हा उ बतावत रहा कि काबील क कउनो न मारइ।

काबील क परिवार

१६ तब कबील यहोवा क तजि क चला गवा। काबील नोद देस मँ रहइ लाग।

१७ काबील आपन मेहरारु क संग तने क रिस्ता किहस। उ गाभिन होइ गइ। उ हनोक नाउँ क बच्चा जन्म दिहस। काबील एक सहर बसाएस, अउर ओकर नाउँ आपन पूत क नाउँ प हनोक ही राखेस।

१८ हनोक स ईराद पइदा भवा, ईराद स महुयाएल पइदा भवा, महुयाएल स मत्साएल पइदा भवा अउर मत्साएल स लेमेक पइदा भवा।

१९ लेमेक दुइ मेहरारु स बियाह किहस। एक मेहरारु क नाउँ आदा अउ दूसर क नाउँ सिल्ला रहा। २० आदा याबल क जन्मेस। याबल ओन

मनइयन क बाप रहा जउन तम्बू मँ रहत रहेन अउ गोरु क पाल पोस क आपन गुजर बसर करत रहेन। २१ आदा क दूसर पूत यूबाल भी रहा। यूबाल, याबल क भाई रहा। यूबाल ओन मनइयन क बाप रहा जउन बीणा अउ बाँसुरी बजावत रहेन। २२ सिल्ला तूबलकैन क जन्म दिहस। तूबलकैन ओन मनइयन क बाप रहा जउन काँसा अउ लोहा क पेसा करत रहेन। तूबलकैन क बहिन क नाउँ नामा रहा।

२३ लेमेक आपन मेहरारुअन स कहेस:

“ए आदा अउ सिल्ला मोरउ बात सुना, लेमेक क मेहरारुओ! जउन बतियन मई कहत हउँ, सुना।

एक मनई मोका चोट पहुँचाएस, मई ओका मारि डालेउँ।

एक जवान मोका चोट पहुँचाएस एह बरे मई ओका मारि डाएउँ।

२४ जदि काबील क कतल करइ क सजा सात गुना अहइ तउ लेमेक क कतल क सजा सतहत्तर गुना होब्या!”

आदम अउ हव्वा क नवा पूत पइदा भवा

२५ आदम अउ हव्वा क संग पुन तने क रिस्ता भवा अउ हव्वा एक ठु अउर बच्चा क जन्म दिहस। उ पचे इ लरिका क नाउँ सेत राखेन। हव्वा कहेस, “परमेस्सर मोका एक अउर पूत दिहेस ह। काबील हाबिल क मारि डाएस मुला सेत अब मोर लगे अहइ।” २६ सेत क भी एक पूत रहा। एकर नाउँ एनोस रहा। उ टेमँ लोगन यहोवा क आराधना करई लागेन। †

आदम क परिवारे क इतिहास

१ इ अध्याय मँ आदम क परिवार क बंसज क बारे मँ अहइ। परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनाएस। २ परमेस्सर ओनका नर अउर मादा बनाएस। जउन दिन ओनका बनाएस उहइ दिन उ ओनका असीसेस अउर ओनका नाउँ “आदम” राखेस।

३ जब आदम एक सौ तीस बरिस क होइ गवा तब उ एक अउर बच्चा क बाप भवा। इ पूत ठीक आदम क तरह देखाइ देत रहा। आदम आपन पूत क नाउँ सेत राखेस। ४ सेत क जन्म क पाछे आदम आठ सौ बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ आदम क

† ४ :२६ उ टेमँ ... लागेन इ सब्द क अरथ अहइ यहोवा क गोहरावइ लागेन।

दूसर बेटवन अउ बिटियन भइन।^५ इ तरह आदम पूरा नौ सौ तीस बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

^६ जब सेत एक सौ पाँच बरिस क होइ गवा तब ओका एनोस नाउँ क पूत पइदा भवा।^७ एनोस क जन्म क पाछे सेत आठ सौ सात बरिस जिअत रहा। इहइ सेत क दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^८ इ तरह सेत पूरा नौ सौ बारह बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

^९ एनोस जब नब्बे बरिस क भवा, ओका केनान नाउँ क पूत पइदा भवा।^{१०} केनान क जन्म क पाछे एनोस आठ सौ पन्द्रह बरिस जिअत रहा। इ दिनन एकर दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^{११} इ तरह एनोस पूरा नौ सौ पाँच बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

^{१२} जब केनान सत्तर बरिस क भवा, ओका महललेल नाउँ क पूत पइदा भवा।^{१३} महललेल क जन्म क पाछे केनान आठ सौ चालीस बरिस जिअत रहा। इ दिनन केनान क दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^{१४} इ तरह केनान पूरा नौ सौ दस बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

^{१५} जब महललेल पैसठ बरिस क भवा, ओका येरेद नाउँ क पूत पइदा भवा।^{१६} येरेद क जन्म क पाछे महललेल आठ सौ तीस बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओका दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^{१७} इ तरह महललेल पूरा आठ सौ पंचान्बे बरिस जिअत रहा। तब उ मरा।

^{१८} जब येरेद एक सौ बासठ बरिस क भवा तउ ओका हनोक नाउँ क पूत पइदा भवा।^{१९} हनोक क जनम क पाछे येरेद आठ सौ बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओका दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^{२०} इ तरह येरेद पूरा नौ सौ बासठ बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

^{२१} जब हनोक पैसठ बरिस क भवा, ओका मतूसेलह नाउँ क पूत पइदा भवा।^{२२} मतूसेलह क जन्म क पाछे हनोक परमेस्सर क संग तीन सौ बरिस रहा। इ दिनन ओकर दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^{२३} इ तरह हनोक पूरा तीन सौ पैसठ बरिस जिअत रहा।^{२४} एक दिना हनोक परमेस्सर क संग चलत रहा अउ अछन्न होइ गवा काहेकि परमेस्सर उठाइ लिहस।

^{२५} जब मतूसेलह एक सौ सत्तासी बरिस क भवा, ओका लेमेक नाउँ क पूत पइदा भवा।^{२६} लेमेक क जन्म क पाछे मतूसेलह सात सौ बयासी बरिस जिअत रहा। इ दिना ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^{२७} इ तरह मतूसेलह पूरा नौ सौ ओनहत्तर बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

^{२८} जब लेमेक एक सौ ब्यासी बरिस क भवा, उ एक ठु पूत क बाप बना।^{२९} लेमेक आपन पूत क नाउँ नूह धरेस। लेमेक कहेस, “हम किसान लोग कठोर मेहनत करित ह काहेकि परमेस्सर भुईया क सरापे अहइ। मुला नूह हम पचन क अराम देब।”^{३०} नूह क जन्म क पाछे, लेमेक पाँच सौ पंचान्बे बरिस जिअत रहा। इ दिनन ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन।^{३१} इ तरह लेमेक पूरा सात सौ सतहत्तर बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

^{३२} जब नूह पाँच सौ बरिस क भवा, ओकरे सेम, हाम अउर येपत नाउँ क पूत पइदा भएन।

लोग पापी होइ गएन

^{१-४} भुईया प मनइयन क गनती बाढ़इ लाग।
६ इ मनइयन क बिटियन पइदा भइन। अब परमेस्सर क पूतन लखेन कि मनई क बिटियन सुन्नर अहइ। एँह बरे परमेस्सर क पूतन आपन आपन इच्छा क मुताबिक जेसे चाहेन ओसे बियाह किहेन।

तब यहोवा कहेस, “लोग सिरिफ मानव अहइ। मई हमेसा आपन आतिमा क इ सबन स दुःखी न होइ देब। मई ओनका एक सौ बीस बरिस क जिन्नगी देब।”

ओन दिनन अउर ओकर पाछे भी हुआँ नेफिलिम लोग ^५ उ धरती मँ रहत रहेन। जब परमेस्सर क पूतन मनइयन क बिटियन सादी किहेन तउ ओन सबचचे पैदा भएन। उ पचे मसहूर लोग रहेन। उ पचे पुराने जमाने स बहादुर रहेन।

^५ यहोवा लखेस कि भुईया प मनई बहोत जिआदा पापी अहइ। यहोवा लखेस कि मनई लगातार बुरी बात ही सोचत ह। ^६ यहोवा क इ बात क दुःख भवा कि मई भुईया प मनई क काहे बनाएउँ ? यहोवा इ बात स बहोत दुःखी भवा।

^५ :२४ हनोक ... चलत सब्द क अरथ अहइ “हनोक परमेस्सर क संग-संग चलत रहा।”

^६ :१-४ नेफिलिम लोग नेफिलिम लोग उ दिना उहइ देस मँ रहत रहेन। इ सबइ एकरे पाछे भी हुआँ रहत रहेन जब परमेस्सर क पूत लोग मनई क बिटियन स बियाह किहेन अउ इ मेहररुअन लरिकन क जन्म दिहना। इ लरिकन मसहूर भएन। इ सबइ पुराना जमाना स बहादुर रहेन।

७ एँह बरे यहोवा कहेस, “मई आपन बनई भइ भुइया क सब मनइयन क खतम कइ देब। मई हर एक मनई, जनावर अउ भुइया प रेगंडवाला हर एक जिउ जन्तु क नास करब। मई अकासे क चिरइयन क भी खतम कइ देब। काहे ? काहेकि मई इ बात स दुःखी अहउँ कि मई इ सबहि चीजन क बनएउँ।”

८ मुला भुइया प यहोवा क खुस करइ वाला एक मनई रहा-नूह।

नूह अउ जल क प्रलय

९ इ नूह क जिन्नगी क कहानी बाटइ। उ आपन समइ मँ एक बहोत ही अच्छा मनइ रहा। अउर उ हमेसा परमेस्सर क अनुसरण किहेस। १० नूह क तीन पूत रहेन, सेम, हाम अउ येपेत।

११-१२ परमेस्सर धरती प निगाह दउड़ाएस अउ उ निहारेस कि भुइया क मनइयन बर्बाद कइ दिहे अहइ। हर एक ठउरे प मारकाट फइला रहा। मनई पपियाइ ग रहेन अउ कूरु होइ ग रहेन, अउर उ पचे धरती प आपन जिन्नगी बर्बाद कइ दिहे रहेन।

१३ एँह बरे परमेस्सर नूह स कहेस, “सब मनइयन धरती क किरोध अउ हिंसा स पाट दिहे अहइ। इ खातिर मई सबहि जिअत प्राणियन क नास कइ देब। मई ओनका भुइया स हटाइ देब। १४ गोपेर क काठ बइपरा अउ आपन खातिर एक ठु जहाज बनावा। जहाज मँ कमरन बनावा अउ जहाज क राल स भीतरे अउ बाहेर लीपि द्या।

१५ “जउन जहाज मई बनावइ चाहत हउँ ओकर नाप जोख तीन सौ हाथ लम्बा, पचास हाथ चौड़ा, तीस हाथ ऊँच अहइ। १६ जहाज बरे छत स करीब एक हाथ खाले खिरकी बनावा। जहाज क बगल मँ फातक बनावा। जहाजे मँ तीन मंजिल बनावा। ऊपर क मंजिल, बिचकउ मंजिल अउ तरखाले क मंजिल।

१७ “तू पचन क जउन बतावइ चाहत हउँ ओका धियान स सुना। मई धरती प बड़वार भारी पानी क बाढ़ लिआउब। अकासे क नीचे सबहि जीउन क नास करब। धरती क सब जीउ मरि जइहीं। १८ मुला मई तू सबन क बचाउब। तब मई तोहसे एक खास करार करब। तू, तोहार पूतन, तोहार मेहरारु अउ तोहार पतोहुअन सबहि जहाज मँ सवार होइहीं। १९ संग मँ तोहका जिअत प्राणी क जोड़ा भी लइ आवइ क होइ। हर एक प्राणी क नर अउ मादा जोड़ा जहाजे मँ लिआवा। आपन संग ओनका जिअत राखा। २० धरती क हर किसिम क चिरइयन क जोड़ा भी हेरा। धरती क हर किसिम

क जनावरन क जोड़ा हेरा। धरती प रेगंडवाला हर एक जीउ क जोड़ा क भी हेरा। धरती प हर किसिम क जनावरन क नर अउ मादा तोहरे संग होइहीं। जहाजे प ओनका जिअत राखा। २१ धरती प सब किसिम क भोजन भी लइ जहाजे प लइ आवा। इ भोजन तोहरे बरे अउ जनावरन बरे होइ।”

२२ नूह इ सब कछू किहस। नूह परमेस्सर क सब हुकुम क मान लिहस।

जल प्रलय सुरु होत ह

१ तब यहोवा नूह स कहेस, “मई लखेउँ ह कि इ समइ क बुरे मनइयन मँ तू ही एक नीक मनई अहा। एँह बरे तू आपन परिवार क बटोरा अउ तू पचे सबहि जहाजे मँ चला जा। २ हर एक सुद्ध जनावर क सात जोड़ा, (सात ठु नर अउ सात ठु मादा) संग मँ लइ ल्या अउ धरती क ऊपर दूसर असुद्ध जनावरन मँ स एक-एक जोड़ा नर अउ मादा लिआवा। इ सबहि जनावरन क आपन संग जहाजे मँ लइ आवा। ३ हवा मँ उड़इवाला सब पंछिन क सात ठु जोड़ा (सात ठु नर अउ सात ठु मादा) लिआवा। एहसे इ सबइ जनावरन भुइया प जिअत रइही, जब कि दूसर जनावरन मिटि जइही। ४ अब स सतएँ दिन मई भुइया प बहोतइ भारी बर्खा पठउब। इ बर्खा चालीस दिन अउ चालीस रात रही। पृथ्वी क सबहि जिअइवाले प्राणी मर बिलाइ जइही। मोर बनई सब चिजियन नस्ट होइ जइही।” ५ नूह ओन सबहि बतियन क मानेस जउन यहोवा हुकुम दिहे रहा।

६ बर्खा आवइ क टैम नूह छः सौ बरिस क रहा। ७ नूह अउ ओकर परिवार बाढ़ क पानी स बचइ बरे जहाजे मँ चला गवा। नूह क मेहरारु, ओकर पूतन अउ ओनकइ मेहररुअन ओकरे संग रहिन। ८ पृथ्वी क सब सुध्द जनावरन अउ असुध्द जनावरन, पंछियन अउ भुइया प रेगंडवाला सब जीउ। नूह क संग जहाजे मँ चढ़ेन। ९ इ सबइ जनावरन क नर अउ मादा जोड़ा परमेस्सर क हुकुम स जहाजे मँ चढ़ेन। १० सात दिना पाछे बाढ़ सुरु भइ। धरती प बर्खा होइ लाग।

११-१३ दूसर महीना क सतरहें दिन, जब नूह छः सौ बरिस क रहा, धरती क नीचे क सब सोता फूट पड़ेन अउ धरती स पानी बहब सुरु होइ गवा। उहइ दिन धरती प भारी बर्खा होइ लाग। अइसा लाग माना कि अकासे क खिड़की खुल गइ होइ। चालीस दिन अउ चालीस रात तलक बर्खा धरती प होत रही। ठीक उहइ दिन नूह, ओकर मेहरारु, ओकर पूत, सेम, हाम, अउ येपेत अउर ओकर

मेहररुअन जहाजे प चढ़ेन।^{१४} उ पचे अउ धरती प हर किसिम किसिम क जनावर जहाजे मँ रहेन। हर तरह क गोरु, धरती प रेगंडवाले हर किसिम क जीउ अउ हर तरह क पंछी जहाजे मँ रहेन।^{१५} इ सबइ जनावरन नूह क संग जहाजे मँ रहेन हर जाति क जिअत जनावरन क इ सबइ जोड़ा रहेन।^{१६} परमेस्सर क हुकुम क मुताबिक सबहिँ जनावरन जहाजे मँ चढ़ेन। ओकरे भीतर जाए क पाछे यहोवा दरवाजा बन्द कइ दिहस।

^{१७} चालीस दिना तलक भुईया प पानी क प्रलय होत रहा। पानी बाढ़ब सुरु भवा अउ उ जहाजे क धरती स ऊपर उठाइ दिहस।^{१८} पानी बाढ़त रहा अउ जहाज धरती स बहोतई ऊपर तैरत रहा।^{१९} पानी एतना ऊँच उठा कि ऊँचा त ऊँचा पहाड़ भी पानी मँ बूड़ गएन।^{२०} पानी पहाड़े क ऊपर बहत रहा। पानी सब स ऊँच पहाड़े स पन्द्रह हाथ ऊँच रहा।

^{२१-२२} धरती क सब जीउ मारा गएन। हर एक मेहरारु अउर मनई मरि गएन। सबहिँ पंछी अउ सबहिँ तरह क जनावर मर गएन। सबहिँ तरह क जनावरन अउर रेगंडवालन जनावरन मरि गएन। धरती क हर एक जीउ, सांस लेइवालन परानी मरि गएन।^{२३} इ तरह परमेस्सर धरती क सब जिअत हर एक मनई, हर एक जनावर, हर एक रेगंडवाला जीउ अउ हर एक पंछी क नास कइ दिहस। इ सबइ धरती स खतम होइ गएन। सिरिफ नूह, ओकरे संग जहाजे मँ चढ़े मनइयन अउ जनावरन क जिन्नगी बची रही।^{२४} अउर पानी एक सौ पचास दिना तलक भुईया क बोरे रहा।

पानी क प्रलय खतम होत ह

^१ मुला परमेस्सर नूह क नाही बिसरा।
८ परमेस्सर नूह अउ जहाजे मँ ओकरे संग रहइवालन सब पसुअन अउ जनावरन क सुमिरे रहा। परमेस्सर धरती प हावा चलाएस अउ सारा पानी घटइ होइ लाग।

^२ अकासे स बर्खा थमि गइ अउ धरती क नीचे स पानी बहब रुकि गवा।^३ धरती क बोरइवाला पानी लगातार घटत चला गवा। एक सौ पचास दिन पाछे पानी एतना उतरि गवा कि जहाज फुनि स धरती प उतरा।^४ जहाज अरारात क पहाड़न मँ स एक प आइके टिक गवा। इ सतएँ महीना क सत्रहवाँ दिन रहा।^५ पानी उतरत गवा अउ दसवें महीना क पहिला दिन पहाड़न क चोटी पानी क ऊपर देखीए देइ लाग।

^६ जहाजे मँ बनी खिड़की क नूह चालीस दिन पाछे खोलेस।^७ नूह एक कौआ क बाहेर उड़ाएस। कौआ उड़िके तब तलक फिरतइ रहा जब तलक धरती पूरी तरह झुराइ न गइ।^८ नूह एक टु फ्राक्ता भी बाहेर पठएस। उ इ जानइ चाहत रहा कि पानी धरती प घटि गवा या नाही।

^९ फ्राक्ता क कहँ बडइ क ठउर नाही मिला काहेकि अबहु तलक पानी धरती प फइला रहा। एँह बरे उ नूह क निअरे जहाजे प पुनि लौटि आवा। नूह आपन हाथ फइलाइके फ्राक्ता क जहाजे प वापस भितरे लइ लिहस।

^{१०} सात दिन पाछे नूह फुनि फ्राक्ता क पठएस।^{११} उ दिन दुपहर क पाछे फ्राक्ता नूह क लगे आवा। फ्राक्ता क मुँह मँ एक टु ताजी जइतून क पाती रही। इ चीन्हा नूह क इ बतावइ बरे रहा कि अब धरती प झुरान भुईया अहइ।^{१२} नूह सात दिन पाछे फुन फ्राक्ता क पठएस। मुला इ टेम फ्राक्ता लौटा ही नाही।

^{१३} ओकरे पाछे नूह जहाजे क दरवाजा खोलेस। नूह लखेस अउ पाएस कि भुईया झुरान बा। इ नूह क छः सौ एक बरिस क पहिले महीना क पहिला दिन रहा।^{१४} दूसर महीना क सत्ताइसवाँ दिन तलक भुईया पूरी तरह झुराइ गइ।

^{१५} तब परमेस्सर नूह स कहेस,^{१६} “जहाज क तजा। तू तोहार पत्नी तोहार पूत लोग अउ ओनकइ मेहररुअन सब अब बाहेर आवा।^{१७} हर एक जिअत प्राणी, सब पंछी जनावरन अउ भुईया प रेगंडवालन सबहिँ क जहाज स बाहेर लिआवा। इ सबइ जनावरन बहोत स जनावरन पइदा करिही अउ भुईया क भरि देइही।”

^{१८} एँह बरे नूह आपन पूतन, आपन मेहरारु, आपन पूतन क मेहररुअन क संग जहाज स बाहेर आवा।^{१९} सबहिँ जनावरन, सब रेगंडवाला जीउ अउ सब पंछी जहाज क तजि दिहेन। सब जनावर जहाज स नर अउ मादा क जोड़ा क संग बाहेर आएन।

^{२०} तब नूह यहोवा बरे एक वेदी बनाएस। उ कछू सुध्द पंछियन अउ कछू सुध्द जनावरन क लिहस अउ ओनका वेदी प परमेस्सर क भेंट क रूप मँ बारेस।

^{२१} यहोवा इ सब बलिदानन क सुगन्धि पाइके खुस भवा। यहोवा मन-ही-मन कहेस, “मई फिन कबहु मनई क कारण भुईया क न सरापब। मनई छोटी उमर स ही बुरी बात सोचइ लागत ह। एँह बरे जइसा मई अबहिँ किहेउँ ह। इ तरह अब मई कबहुँ सब प्राणियन क सजा न देब।^{२२} जब तलक

इ भुईया रही तब तलक यह पइ फसल पइदा करइ अउ फसल काटइ क समइ हमेसा रही। भुईया प गरमी अउ जाड़ा अउ दिन अउ रात हमेसा होत रहही।”

नई सुरुआत

१ परमेस्सर नूह अउ ओकर पूतन क असीसेस अउ ओनसे कहेस, “बहोत स बच्चा पइदा करा अउ आपन लोगन स भुईया भरि द्या। २ भुईया क सब जनावरन तोहरे डरे स थरथरइहीं अउ अकासे क हर एक पंछी तोहसे डरिहीं। भुईया परेंगइवाला हर एक जीउ अउ समुद्र क हर एक मछरी तू मनइयन क अदब करी अउ तू पचन स डेराइ। तू इ सबहि क ऊपर हुकुम चलउब्या।

३ बीते भए समइ मँ तू पचन क मई हर एक टु पेड़-पौधा खाइ बरे दिहेउं रहेउं। अब हर एक जनावर भी तोहार भोजन होइ। मँइ भुईया क हर चीज तू पचन क देत हउँ-अब इ सबइ तोहार अहइ। ४ किन्तु मँइ तू पचन क एक हुकुम देत अहउं कि तू कउनो जनावरन क तब तलक न खाया जब तलक ओहमा ओनका रकत बाटइ। ५ मँइ तोहरी जिन्नगी क बदले तोहार रकत माँगब कहइ क अरथ अहइ मँइ उ जानवरे क जिन्नगी माँगब जउन कउनो मनई क मारी। अउर मँइ उ मनई क जिन्ननी माँगब जउन दूसरे मनई क मारी।

६ “परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनाएस ह। एँह बरे जउन कउनो मनई क खून बहाइ, ओकर खून मनई क जरिये बहावा जाइ।

७ “नूह तोहका अउ तोहरे पूतन क ढेर लरिका होइ अउ धरती क मनइयन स भौंठि द्या।”

८ तब परमेस्सर नूह अउ ओकरे पूतन स कहेस, ९ “अब मँइ तोहका अउ तोहरे सन्ताने क बचन देत हउँ। १० मँइ इ बचन तोहरे संग जहाजे स बाहेर आवइवालन सबहि पंछिन, सब गोरुअन सब जनावरन क देत हउँ। मँइ धरती पइ रहइवालन सबहि वस्तुअन क बचन देत हउँ। ११ मँइ तोहका बचन देत हउँ, ‘पानी क बाढ़ स धरती क सब जिन्नगी बर्बाद होइ गइ मुला अब इ कबहु न होइ। अब बाढ़ फिन कबहुँ धरती क जिन्नगी क बर्बाद न करी।”

१२ अउर परमेस्सर कहेस, “इ सिद्ध करइ बरे मँइ तोहका इ बचन दिहेउं ह कि मँइ तोहका कछू देब। इ सबूत बताइ कि मँइ तोहसे अउ भुईया क सबहि जिअत प्राणियन स एक टु करार किहेउं ह। इ करार भविस्स मँ सदा बनी रही जेकर सबूत इ

अहइ। १३ कि मँइ बदरन मँ इन्द्र धनुख बनाएउं ह। इन्द्र धनुख मोरे अउ भुईया क बीच करार क सबूत अहइ। १४ जब मँइ भुईया क ऊपर बदरे क लिआउब तउ तू बादरन मँ इन्द्र धनुख देखब्या। १५ जब मँइ इ इन्द्र धनुख क निहारब तबहि मँइ तोहरे, भुईया क सबहि जिअत प्राणियन अउ आपन बीच भई करार क सुमिरब। इ करार इ बात क बाटइ कि बाढ़ फुन कबहु भुईया क प्राणियन क नासन करी। १६ जब मँइ धियान स बादरन मँ इन्द्र धनुख क निहारब तब मँइ सदा बनी रहइवाली करार क सुमिरब। मँइ आपन अउ भुईया क सब जिअत प्राणियन क बीच भइ करार क सुमिरब।”

१७ इ तरह यहोवा नूह स कहेस, “उ इन्द्र धनुख मोरे अउ भुईया क सब जिअत प्राणियन क बीच भइ करार क सबूत बाटइ।”

समस्या फुन सुरु होत ही

१८ नूह क पूत लोग ओकरे संग जहाज स बाहेर आएन। ओनकइ नाउं सेम, हाम अउ येपेत रहेन। (हाम तउ कनान क बाप रहा।) १९ इ तीनउ नूह क पूतन रहेन अउ संसारे क सबहि मनई इ तीनउ स पइदा रहेन।

२० नूह किसान बना। अंगूर क बगिया लगाएस। २१ नूह अंगूर क दाखरस बनाएस अउ पिएस। उ दाखरस पीके मस्त होइ गवा अउ तम्बू मँ लोटि गवा। उ कउनो ओढ़ना नाही पहिरे रहा। २२ कनान क बाप हाम अपने बाप क नंगा देखेस। उ तम्बू स बाहेर आपन भइयन क बताएस। २३ तबहि सेम अउ येपेत एक टु ओढ़ना लिहस। उ दुइनउं ओढ़ना क पीठ प डाइके उलटे मुई तम्बू मँ गएन। उ पचे आपन बाप उ नंगापन क ढाँक दिहस जबकि उ समइ ओकर मुहँ क रुख तम्बू क समन्वा रहा। इ तरह उ पचे आपन बाप क नंगापन नाही लखेन।

२४ पाछे नूह सोइके उठा। (उ दाखरस क नसा क कारण सोअत रहा।) तब ओका पता लाग कि ओकर सब त नान्ह पूत हाम ओकरे संग का किहे रहा। २५ एँह बरे नूह सराप दिहेस, “इ सराप कनान बरे होइ कि उ आपन भइयन क दास होइ।”

२६ नूह इ भी कहेस, “सेम क परमेस्सर यहोवा धन्न होइ! कनान सेम क दास होइ।

२७ परमेस्सर येपेत क जिआदा भुईया देइ। परमेस्सर सेम क तम्बू मँ रहइ अउर कनान ओकर दास बनइ।”

२५ बाढ़ क पाछे नूह साढ़े तीन सौ बरिस जिअत रहा। २९ नूह पूरा साढ़े नौ सौ बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

रास्टर बाढ़इ अउ फइल जाइ

१० नूह क पूत सेम। हाम अउ येपेत रहेन। बाढ़ क पाछे इ तीनउँ बहोत स पूतन क बाप भएन। हिआँ सेम, हाम अउ येपेत स पइदा होइवालन पूतन क सूची दीन्ह जात अहइ:

येपेत क संतानन

१ येपेत क पूत रहेन: गोमेर, मागोग, मादै, यावान, तूबल, मेसेक अउ तीरास।

२ गोमेर क पूत रहेन: असकनज, रीपत अउ तोगर्मा

३ यावान क पूत रहेन: एलीसा, तर्सीस, किती अउ दोदानी।

४ भूमध्य सागर क चारिहुँ कइँती तटे प जउन मनई रहइ लागेन उ पचे येपेत क संतान ही रहेन। हर एक पूत क आपन अलग प्रदेस रहा। सब परिवार बाढ़ेन अउ अलग अलग रास्टर बन गएन। हर एक रास्टर क आपन आपन भाखा रही।

हाम क संतानन

६ हाम क पूत रहेन: कूस, मिस्र, फूत अउ कनान,

७ कूस क पूत रहेन: सबा, हवीला, सबता, रामा, सबूतका।

रामा क पूत रहेन: सबा अउ ददान।

८ कूस क एक पूत निम्रोद नाउ क भी रहा। निम्रोद भुइँया प बहोत बरिआर मनई भवा रहा।

९ यहोवा क समन्वा निम्रोद, एक बड़का सिकरी रहा। एँह बरे लोग दूसर मनइयन क बराबरी निम्रोद स करत ही अउर कहत हीं, “इ मनई, यहोवा क समन्वा बड़का सिकारी निम्रोद क तरह अहइ।”

१० निम्रोद क राज्ज सिनार देस मँ बाबुल, एरेख, कलना अउ अक्कद प्रदेस स सुरु भवा।

११ निम्रोद अस्सूर मँ भी गवा। हुवाँ उ नीनवे, रहोबोतीर, कालह अउ १२ रेसेन नाउ क नगरन क बसाएस। (रेसेन, नीनवे अउ बड़का सहर कालह, क बीच क सहर बाटइ।)

१३ मिस्रप (मिस्र)-लूद, अनाम, लहाब, नप्तूह,

१४ पतूस, कसलूह अउ कप्तोर देसन क लोगन क बाप रहा। (पलिस्ती लोग कसलूह लोगन स आए रहेन।)

१५ कनान सीदोन क बाप रहा। सिदोन कनान क पहिला पूत रहा। कनान, हित क भी बाप रहा। हित, हिती लोगन क बाप रहा। १६ अउर कनान, यबूसी, एमोरी, गिर्गासी, १७ हिब्वी, अर्की, सीनी, १८ अवंदी, समारी, हमती लोगन क भी बाप रहा।

कनान क परिवार संसार क अलग अलग हीसा मँ फइला रहेन, १९ कनान लोगन क भुइँया उत्तर मँ सीदोन स दक्खिन मँ गरार तलक, पच्छिम मँ अज्जा स पूरब मँ सदोम अउ अमोरा तलक, अदमा अउ सबोयीम स लासा तलक रहा।

२० इ सबइ लोग हाम क संतानन रहेन। उ पचे परिवारन, भाखान, देसन अउर रास्टरन क अनुसार व्यवस्थित रहेन।

सेम क संतानन

२१ सेम येपेत क बड़का भाई रहा। सेम क एक संतानन एवेर हिब्रू लोगन क बाप रहा।

२२ सेम्ट पूत एलाम, अस्सूर, अर्पखद, लूद अउ अराम रहेन।

२३ अराम क पूत ऊस, हूल, गेतेर अउ मस रहेन।

२४ अर्पखद सेलह क बाप रहा।

सेलह एवेर क बाप रहा।

२५ एवेर क दुइ पूत रहेन। एक पूत क नाउँ पेलेग रहा। ओका इ नाउँ एँह बरे दीन्ह गवा काहेकि जिन्नगी क टेम मँ धरती क बटवारा भवा। दूसर भाई क नाउँ योक्तान रहा।

२६ योक्तान अल्मोदाद, सेलेप, हसर्मावेत, येरह,

२७ यदोरवाम, ऊजाल, दिला, २८ ओबाल, अबीमाएल, सबा, २९ ओपीर हवीला अउ योबाब क बाप रहा। इ सबहि लोग योक्तान क संतान भएन।

३० इ सबइ लोग मेसा अउ पुर्विहा पहाड़ी प्रदेस क बीच क भुइँया मँ रहत रहेन। मेसा सपारा प्रदेस कइँती रहा।

३१ उ लोग सेम क परिवारे स रहेन। उ सबइ परिवार, परिवार क आधार पइ, भाखा क आधार पइ, देस क आधार पइ अउर रास्टर क आधार पइ बँटा भवा रहा।

३२ नूह क पूतन स चलइ वाला परिवारन क इ सूची अहइ। उ पचे आपन आपन रास्टर मँ बँटा भवा रहत रहेन। बाढ़ क पाछे सारी भुइँया प फइलइवाला लोग भी एनही परिवारे स निकरि आएन।

संसार बँटि गया

११ बाढ़ क पाछे संसार एक ही भाखा बोलत रहा। सब लोग एक ही सब्-भण्डार बड़परेत रहेन। २लोग पूरब कईती स बढेन। ओनका सिनार देस में एक मइदान मिला। लोग हुवाँ बसइ गएन। ३लोग कहेन, “हम पचन क ईटा बनउब अउ ओका पजावा में तपावइ चाही, ताकि उ सबइ पककी होइ जाई।” एह बरे मनइयन आपन घर बनावइ बरे पाथरन क जगह ईटा क बड़परेन। अउ मनइयन चूना क गारा क जगह राल क प्रयोग किहेन।

४लोग कहेन, “हम पचे आपन खातिर एक ठु सहर बनाई अउ हम सबइ एक बहोत ऊँच इमारत बनाउब जउन अकासे क छुइ। हम पचे नामी होइ जाब। अगर हम पचे अइसा करब तउ पूरी धरती प बिखरेब नाही। हम पचे एक ही ठउर प एक संग रहब।”

५यहोवा सहर अउ बहोत ऊँच इमारत क लखइ बरे तरखाले आवा। यहोवा मनइयन क इ सब बनावत लखेस। ६यहोवा कहेस, “इ सबइ लोग एक भाखा बोलत हीं अउर मई निहारत हुँ कि उ पचे इ काम खतम करइ बरे एकउटा अहइ, इ तउ, इ सबइ जउन कछू कइ सकत हीं ओकर, सिरिफ सुरुआत अहइ। हाली ही उ पचे सब कछू करइ जोगग होइ जइही जउन इ पचे करइ चइही। ७एह बरे आवा हम तरखाले चली अउ एनकइ भाखा क गड्डमड्ड कइ देइ। तब उ पचे एक दूसर क बात न बूझि पइही।”

८यहोवा मनइयन क समूचइ धरती प फइलाइ दिहस। एहसे मनइयन सहर क बनाउब पूरा नाही किहन। ९इहइ उ ठउर रहा जहाँ यहोवा समूचइ संसार क भाखा क गड्डमड्ड कइ दिहस। एह बरे इ ठउर क नाउँ बाबुल धरा गया। इ तरह यहोवा उ जगहिया स मनइयन क पृथ्वी क सब देसन में फइलाएस।

सेम क परिवार क कहानी

१०इ सेम क परिवारे क कहानी बाटइ। बाढ़ क दुइ बरिस पाछे जब सेम सौ बरिस क रहा ओकर पूत अर्पखद क जनम भवा। ११ओकरे पाछे सेम पाँच सौ बरिस जिअत रहा। ओकरे दूसर पूत अउ बिटियन रही।

१२जब अर्पखद पैतीस बरिस क रहा ओकर पूत सेलह क जनम भवा। १३सेलह क पइदा होइ क

पाछे अर्पखद चार सौ तीन बरिस जिअत रहा। इ दिन ओकर दूसर पूतन अउ बिटियन पइदा भइन।

१४सेलह क तीस बरिस होइ क पाछे ओकर पूत एबरे क जन्म भवा। १५एबरे क जन्म क पाछे सेलह चार सौ तीन बरिस जिअत रहा। इ दिनन में ओकरे पूतन अउ बिटियन पइदा भएन।

१६एबरे क चौतीस बरिस क होइ क पाछे ओकरे पूत पेलेग क जन्म भवा। १७पेलेग क जन्म क पाछे एबरे चार सौ तीस बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन में ओकरे दूसर पूतन अउ बिटियन पइदा भइन।

१८जब पेलेग तीस बरिस क भवा, ओकर पूत “रू” क जन्म भवा। १९“रू” क जन्म क पाछे पेलेग दुइ सौ नौ बरिस अउर जिअत रहा। उ दिनन में ओकरे दूसर बिटियन अउ बेटवन क जन्म भवा।

२०जब रुबतीस बरिस क भवा, ओकरे पूत सरुग क जन्म भवा। २१सरुग क जन्मे क पाछे रु दुइ सौ सात बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भएन।

२२जब सरुग तीस बरिस क भवा, ओकरे पूत नाहोर क जन्म भवा। २३नाहोर क जन्म क पाछे सरुग दुइ सौ बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन में ओकरे दूसर पूतन अउ बिटियन क जन्म भवा।

२४जब नाहोर उनतीस बरिस क भवा, ओकर पूत तेरह क जन्म भवा। २५तेरह क जन्म क पाछे नाहोर एक सौ उन्नीस बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन में ओकरे दूसर बिटियन अउ बेटवन क जन्म भवा।

२६तेरह जब सत्तर बरिस क भवा, ओकरे पूत अब्राम, नाहोर अउ हारान क जन्म भवा।

तेरह क परिवार क कहानी

२७इ तेरह क परिवार क कहानी अहइ। तेरह अब्राम, नाहोर अउ हारान क बाप रहा। हारान लूत क बाप रहा। २८हारान आपन जन्मभूमि कसदियन क उर सहर में मरा। जब हारान मरा तब ओकर पिता तेरह जिअत रहा। २९अब्राम अउ नाहोर दुइनउँ आपन आपन बियाह किहन। अब्राम क मेहरारु सारै रही। नाहोर क मेहरारु मिल्का रही। मिल्का हारान क बिटिया रही। हारान मिल्का अउ यिस्का क बाप रहा। ३०सारै क कउनो बच्चा नाही रहा काहेकि उ कउनो बच्चा क जन्म देइ जोगग नाही रही।

३१तेरह आपन परिवार क संग लिहेस अउ कसदियन क उर सहर क तजि दिहस। उ पचे कनान क जात्रा करइ क मन में ठान लिहन। तेरह आपन

पूत अब्राम, आपन पोता लूत (हारान क पूत), आपन पतोहू (अब्राम क मेहरारु) सारै क संग लिहस। उ पचे हारान तलक जात्रा किहन अउ हुआँ ठहराउब तय किहन। ३२ तेरह दुइ सौ पाँच बरिस जिअत रहा। तब उ हारान मँ मरि गवा।

परमेस्सर अब्राम क बोलावत ह

१२ १ यहोवा अब्राम स कहेस, “आपन देस अउ आपन लोगन क तजि द्या। आपन बाप क परिवारे क तजि द्या अउर उस देस जा जेका मई तोहका देखाउब।

२ मई तोहका आसीबाद देब।

मई तू पचन स एक महान रास्ट्र बनाउब।

मई तू सबन क नाउँ मसहूर करब।

लोग तोहरे नाउँ क प्रयोग

दूसर लोगन क आसीबाद देइ बरे करइही।

३ मई उ पचन क असीसब, जउन तोहका असीसिही।

मुला मई ओनका सराप देब जउन तोहका सराप दिहस।

मई धरती प सब मनइयन क असीसइ क बरे तोहका बइपरब।”

अब्राम कनान जात ह

४ तउ अब्राम यहोवा क हुकुम मानेस। उ हारान क तजि दिहस अउ लूत ओकरे संग गवा। इ समइ अब्राम पचहत्तर बरिस क रहा। ५ अब्राम जब हारान तजेस तउ उ अकेल्ला नाही रहा। अब्राम आपन मेहरारु सारै, भतीजा लूत अउ हारान मँ ओनकइ संग जउन कछू रहा, सबक संग लइ आवा। अब्राम क जउन सब दास लोग मिला रहेन, उ सबइ भी ओकरे संग गएन। अब्राम अउ ओकर दल छारान क तजि दिहस अउ कनान देस तलक जात्रा किहस। ६ अब्राम कनान देस मँ सकेम क सहर अउ मोरे क बड़का बृच्छ तलक जात्रा किहस। उ समइ कनानी लोग हुआँ रहत रहेन।

७ यहोवा अब्राम क समन्वा परगट भवा। यहोवा कहेस, “मई इ देस तोहरे संतानन क देब।”

यहोवा अब्राम क समन्वा जउने जगह प परगट भवा उ जगह प अब्राम एक वेदी यहोवा क आराधना बरे बनाएस। ८ तब अब्राम उ जगह क तजि दिहस अउ बेतेल क पूरब पहाड़े प जात्रा किहस। अब्राम हुआँ आपन तम्बू गाड़ेस। बेतेल सहर पच्छिम मँ रहा। आइ सहर पूरब मँ रहा। उ

जगह अब्राम यहोवा बरे दूसर वेदी बनाएस अउ अब्राम हुआँ यहोवा क उपासना किहस। ९ एकरे पाछे अब्राम फुन जात्रा किहस। उ नेगव कईती जात्रा किहस।

मिस्र मँ अब्राम

१० इ दिनन भुइया बहोतइ झुरान रही अउ कउनो खाइ क चीज नाही जमत रही। एँह बरे अब्राम जिअत रहइ बरे मिस्र चला गवा।

११ अब्राम लखेस कि ओकर मेहरारु सारै बहोत सुन्नर रही। एँह बरे मिस्र मँ आवइ क पहिले अब्राम सारै स कहेस, “मई जानत हउँ कि तू बहोतइ सुन्नर अहा। १२ जब मिस्र क लोग तोहका निहरिहीं तउ उ पचे कहिहीं, ‘इ मेहरारु एकर पत्नी अहइ।’ तब उ सबइ मोका मारि डइहीं काहेकि तोहका बइटाइ लेइही। १३ खातिर तू मनइयन स कह्या कि तू मोर बहिन अहा। तब उ पचे मोका नाही मरिहीं। उ पचे मोहे प दया करिहीं काहेकि उ पचे बूझि लेइहीं कि मई तोहार भाई अहउँ। इ तरह तू मोर जिन्नीगी बचउबिउ।”

१४ इ तरह अब्राम मिस्र मँ पहुँचा। मिस्र क लोग लखेन, सारै बहोत सुन्नर मेहरारु अहइ। १५ कछू मिस्र क अफसर लोग ओका लखेन। उ पचे फिरौन स कहेन कि उ बहोतइ सुन्नर मेहरारु अहइ। उ सबइ अफसर सारै क फिरौन क घर लइ गएन। १६ फिरौन अब्राम क ऊपर दया किहस काहेकि उ पचे बूझ गएन कि उ सारै क भइया बाटइ। फिरौन अब्राम क भेड़ी, गोरु अउ गदहन क दिहस। अब्राम ऊँटन क संग मनसेधु अउ मेहरारु नउकरन पाएस।

१७ फिरौन अब्राम क मेहरारु क रखि लिहस। एहसे यहोवा फिरौन अउ ओकरे घरे क मनइयन मँ खराब बेरामी सँचराइ दिहस। १८ तउ फिरौन अब्राम क बोलाएस। फिरौन कहेस, “तू मोरे संग बड़ा खोट किहा ह। तू इ नाही बताया कि सारै तोहार पत्नी अहइ। काहे? १९ तू कहा, ‘इ मोर बहिन अहइ’ तू अइसा काहे कहया? मई एँका एँह बरे राखा कि इ मोर मेहरारु होइ। मुला अब मई तोहार मेहरारु क तोहका लउटावत अहउँ। एँका ल्या अउ जा।” २० तब फिरौन आपन मनइयन क हुकुम दिहस कि उ पचे अब्राम क मिस्र क बाहेर पहुँचाइ देंइ। इ तरह अब्राम अउ ओकर मेहरारु उ जगह तजेन अउर उ पचे सब चिजियन क संग लइ गएन जउन ओनकइ रही।

अब्राम कनान लउटा

१३ १ अब्राम मिस्र तजि दिहस। अब्राम आपन मेहरारु अउ आपन सबहि सामान क संग नेगव स होइ के जात्रा किहस। लूत भी ओकरे संग रहा। २ इ टेम अब्राम बहोतइ धनी रहा। ओकरे संग ढेरिके जनावर, बहोत सी चाँदी अउ ढेर क सोना रहा।

३ अब्राम चारिहु कइँती जात्रा करत रहा। उ नेगेव क तजेस अउ बेतेल वापस गवा। उ बेतेल अउर आइ क बीच क जगह मँ पहाँचेस। इ उहइ ठउर रहा जहाँ अब्राम अउ ओकर परिवार पहिले तम्बू लगाइके ठहरा रहा। ४ इ उहइ ठउर रहा जहाँ अब्राम एक वेदी बनाए रहा। एँह बरे अब्राम इहा यहोवा क आराधना किहस।

अब्राम अउ लूत अलग भएन

५ इ टेम लूत भी अब्राम क संग जात्रा करत रहा। लूत क लगे ढेरिके जनावर अउ तम्बू रहेन। ६ अब्राम अउ लूत क लगे एँतना जिआदा जनावर रहेन कि भुइँया एक लगे ओनका चारा नाही दइ सकत रही। ७ अब्राम अउ लूत क गडेरिया या आपुस मँ तखड़ावइ-बखड़ावइ लागेन। (उ दिनन मँ कनानी लोग अउ परिज्जी लोग भी इहइ पहटा मँ रहत रहेन।)

८ अब्राम लूत स कहेस, “हमरे अउ तोहरे बीच कउनो तखड़ा बखड़ा न होइ चाही। हमार अउर तोहार गडेरियन क बीच मँ झगड़ा नही होइ चाही। हम पचे सबहि भाई अही। ९ हम पचन क अलग होइ जाइ चाही, तू जउन चाहा ठउर चुन ल्या। अगर तू बाई कइँती जाब्या तउ मई दाहिन कइँती जाब। अगर तू दाहिन कइँती जाब्या तउ मई बाई कइँती जाब।”

१० लूत दिरस्टी दउड़ाएस अउ यरदन क घाटी क निहारेस। लूत निहारेस कि हुवाँ बहोत पानी अहइ। (इ बात उ टेम क बाटइ जब यहोवा सदोम अउ अमोरा क नास नाही किहे रहा। उ टेम यरदन क घाटी सोअर तलक यहोवा क बगिया क नाई पुरे राह क संग संग फइली रही। इ भुइँया मिस्र देस क भुइँया क नाई नीक रही।) ११ एँह बरे लूत यरदन क घाटी मँ रहब अंगीकार किहस। इ तरह दुइनउँ मनई अलग अलग होइ गएन अउ लूत पूरब कइँती जात्रा सुरु किहेस। १२ अब्राम कनान परदेस मँ रहा अउ लूत घाटी क सहरन मँ रहा। लूत सदोम क दक्खिन मँ बढ़ा अउ रुकि गवा।

१३ सदोम क मनई बहोत पापी रहेन। उ पचे सदा यहोवा बरे खिलाफ पाप करत रहेन।

१४ जब लूत चला गवा तब यहोवा अब्राम स कहेस, “आपन चारिहु कइँती निहारा, उत्तर, दक्खिन, पूरब अउ पच्छिम कइँती लखा। १५ इ सारी भुइँया, जेका तू लखत अहा, मई तोहका अउ तोहरे पाछे जउन तोहार लोग रइहीं ओनका देत अहउँ। इ परदेस सदा तोहार अहइ। १६ मई तोहरे लोगन क धरती क धूल क कण क नाई अनगिनत बनउब। अगर कउनो धरती क कण क गन सकइ तउ उ तोहरे मनइयन क भी गन सकी। १७ एँह बरे आवा। आपन धरती प चला। मई एका अब तोहका देत अहउँ,”

१८ इ तरह अब्राम आपन तम्बू हटाएस। उ ममुरे क बडका वृच्छ क लगे रहइ लाग। इ हबरोन सहर क निचके रहा। उ ठउरे प अब्राम एक वेदी यहोवा क आराधना बरे बनाएस।

लूत धरा गवा

१४ १ अमुरापेल सिनार क राजा रहा। अर्योक एल्लासार क राजा रहा। कदोर्लाओमेर एलाम क राजा रहा। तिदाल गोथीम क राजा रहा, २ इ सबहि राजा लोगन मँ सदोम क राजा बैरा, अमोरा क राजा बिसा, अदमा क राजा सिनाब, सबोथीम क राजा सेमेबेर अउ बेला। (बेला सोअर भी कहा जात रहा।) क राजा क संग एक जुद्ध भवा।

३ सिदीम क घाटी मँ इ सबहि राजा आपन आपन फउज स मिलेन। (सिदीम क घाटी आजुकल नून क समुदर अहइ।) ४ इ सबइ राजा लोग कदोर्लाओमेर क सेवा बारह बरिस तलक किहन। मुला तेरहुवाँ बरिस उ सबइ ओकरे खिलाफ होइ गएन। ५ एँह बरे चौदहवँ बरिस मँ राजा कदोर्लाओमेर दूसर राजा लोगन क संग ओनसे लइइ आवा। कदोर्लाओमेर अउ ओकरे संग क राजा लोग रपाई लोगन क असतरोत्कनम मँ हराएन। उ पचे हाम मँ जूजि लोगन क भी हराएन। उ पचे एमि लोगन क उ सबइ एमि लोगन क साबेकियातैम मँ हराएन। ६ अउर उ पचे होरीत लोगन क सेईर क पहाड़ी पहटा स हराइके एल्पारान कइँती खदेरेन। (एल्पारान मरुभूमि क निचके बाटइ।) ७ तब राजा कदोर्लाओमेर पाछे कइँती घूमा अउ एन्मिसपात क गवा। (इ कादेस कहा जात ह।) अउर सबहि अमालेकी लोगन क हराएस। उ एमोरी लोगन क भी हराएस। इ पचे हससोन्तामार मँ रहत हीं।

५ उ समइ सदोम क राजा, अमोरा क राजा, अदमा क राजा, सबोयीम क राजा, अउ बेला क राजा, (बेला सोअर ही अहइ।) सबहि एक संग मिलिके आपन दुस्मनन स लड़इ बरे गएन। १ उ पचे एलाम क राजा कदोर्लाओमेर, गोयीम क राजा तिदाल, सिनार क राजा अम्रापेल, अउर एल्लासार क राजा अर्योक स लडेन। इ तरह चार राजा पाँच राजा लोगन स लड़त रहेन।

१० सिद्दीम क घाटी मँ राल स भरा भवा ढेरिके गड़डा रहेन। सदोम अउ अमोरा क राजा अउ ओकर फउजियन पराइ गएन। ओकरे बहुत सारे फउजियन ओन गड़डन मँ गिर गएन। मुला दूसर लोग पहाड़ी मँ पराइ गएन।

११ सदोम अउ अमोरा क लगे जउन कछू रहा ओका ओनकइ दुस्मनन लइ लिहिन। उ पचे ओनकइ सब भोजन-ओढ़ना क लइ लिहिन अउ उ पचे चला गएन। १२ अब्राम क भाई क पूत लूत सदोम मँ रहत रहा, ओका दुस्मन कैद कइ लिहिन। उ पचे ओका अउर ओकरे लगे जउन कछू भी रहा लइ लिहिन। १३ एक ठु मनई जउन धरा नाही जाइ सका उ हिब्रू मनई अब्राम क इ सबइ सारी बातन क बताएस। एमोरी ममरे क वृच्छन क लगे अब्राम आपन डेरा डाएस। ममरे एस्कोल अउ आनेर एक समझौता एक दूसरे क मदद करइ बरे किहे रहेन अउर उ पचे अब्राम क मदद खातिर एक समझौता किहे रहेन।

अब्राम लूत क छोड़ावत ह

१४ तब अब्राम क पता लाग कि लूत धरा ग अहइ। तउ उ आपन पूरा परिवार क बटोरेस अउ ओनमाँ स तीन सौ अठारह प्रसिच्छित फउजियन क अब्राम दान नगर तलक दुस्मनन क पाछा किहस। १५ उहइ रात उ अउर ओकर मनइयन ओनका खिलाफ धावा बोलि दिहिन। उ पचे दुस्मनन क हराएन अउ दमिस्क क उत्तर मँ होवा तलक ओनकइ पाछा किहिन। १६ तब अब्राम दुस्मनन क जरिये चौराई गइ सब चिजियन लइ आएन। अब्राम लूत, ओकर मेहरारुअन अउर ओकरे नउकरन अउर ओकरे सबहिँ चिजियन क लइ आवा।

१७ कदोर्लाओमेर अउ ओकरे संग क सब राजा लोगन क हराए क पाछे अब्राम आपन घरे लौटि आवा। जब उ घर आवा तउ सदोम क राजा ओसे भेटइ सावे क घाटी मँ पहाँचा। (एँका अब राजा क घाटी कहत हीं।)

मेल्लीसेदेक

१५ सालेम क राजा मेल्लीसेदेक भी अब्राम स भेटइ गवा। मेल्लीसेदेक, सर्वोच्च परमेस्सर क याजक रहा। मेल्लीसेदेक रोटी अउ अंगूरे क दाखरस लइ आवा। ११ मेल्लीसेदेक अब्राम क आसीर्बाद दिहस अउ कहेस:

“अब्राम, सर्वोच्च परमेस्सर तोहका आसीर्बाद देइ।

परमेस्सर भुइँया अउ अकास बनाएस।

२० अउर हम सर्वोच्च परमेस्सर क उपासना करित ह।

परमेस्सर दुस्मनन क हरावइ मँ तोहार मदद किहेस।”

तबहि अब्राम लड़ाई मँ मिली हर चीज क दसवाँ हीस्सा मेल्लीसेदेक क दिहस। २१ तब सदोम क राजा कहेस, “तू इ सब चीजन क अपने लगे रखि सकत ह, मोका सिरिफ ओन मनइयन क दइ द्या जेनका दुस्मन धइ ल गए रहेन।”

२२ मुला अब्राम सदोम क राजा स कहेस, “मई सर्वोच्च परमेस्सर यहोवा जउन भुइँया अउ आकास क बनाएस ह: ओकरे समन्वा इ किरिया खावा ह २३ कि जउन आप क चीज बाटइ ओहमाँ स कछू भी न लेब। हियाँ तलक कि एक ठु धागा अउर पनही क फीता भी न लेब। मई इ नाही चाहित कि आप कहइँ, ‘मई अब्राम क धनी बनाएँ।’” २४ मई सिरिफ उ भोजन क अपनाउब्या जेका हमार जवान लोग खाएस ह। मुला तू दूसर मनइयन क भी ओकर हीँसा देई। हमरी लड़ाई मँ जीती भइ चीजन्क आप लइ लेई अउ एहमाँ स कछू आनेर, एस्कोल अउ ममरे क दइ देई। इ मनइयन लड़ाई मँ हमार मदद किहेन रहेन।”

अब्राम क संग परमेस्सर क करार

१५ इ बातन क होइ जाए क पाछे, यहोवा क हुकुम अब्राम क एक ठु दरसन मँ आवा। परमेस्सर कहेस, “अब्राम डेराअ, नाही। मई तोहार रच्छा करब अउ मई तोहका बड़का पुरस्कार देब।”

२ मुला अब्राम कहेस, “हे यहोवा अइसा कछू भी नाही अहइ जेका तू मोका देब्या अउर उ मोका खुस करी। काहेकि मोरे पूत नाही अहइँ। एँह बरे मोर दास दमिस्क क बसइया एलीएजेर मोरे मरइ क पाछे मोर सब कछू पाइ।” ३ अब्राम कहेस, “तू ही लखा, तू मोका कउनो पूत नाही दिहा ह। एँह

बरे मोरे घरे मँ पइदा भवा एक ठु दास मोर सबहि चिजियन क पाइ।”

४ तब यहोवा अब्राम स बात किहस। परमेस्सर कहेस, “तोहरी चीजन क तोहार इ दास न पाइ। तोहरे एक ठु बेटवा होइ अउर तोहार पूत ही तोहार चिजियन क पाइ।”

५ तब परमेस्सर अब्राम क बाहेर लइ गवा। परमेस्सर कहेस, “आकास क लखा। अनगिनत तारन क निहारा। इ सबइ एतना अहई कि तू गन नाही सकत्या। भविस्स मँ तोहार परिवार अइसा ही होइ।”

६ अब्राम यहोवा पइ बिस्सास किहस अउर उ ओका नीक समझेस। ७ परमेस्सर अब्राम स कहेस, “मई ही उ यहोवा अहउँ जउन तोहका कसदियन क ऊर स बाहेर लइ आएउँ। इ मई एँह बरे किहउँ कि इ पहटा मई तोहका दइ सकउँ, तू इ पहटा क आपन कब्जा मँ कइ सका।”

८ मुला अब्राम कहेस, “हे यहोवा, मोर सुआमी, मई कहेसे पतियाउँ कि इ पहटा मोका मिली?”

९ परमेस्सर अब्राम स कहेस, “हम पचे एक करार करब। तू मोका तीन बरिस क एक ठु बछिया, तीन बरिस क एक बोकरी, अउ तीन बरिस क एक भेड़ा लिआवा। एक ठु फ़ाक्ता अउ एक कबूतर क बच्चा भी लिआवा।”

१० अब्राम इ सबहिँ चिजियन क परमेस्सर क लगे लइ आवा। अब्राम इ जनावरन क मारि डाएस अउ हर एक क दुइ दुकड़ा कइ डाएस। अब्राम एक आधा टूक एक कईती अउ दूसर आधा टूक दूसर कईती ओकरे ठीक आमने-सामने धरेस, अब्राम पंछिन क दुइ टूका नाही किहस। ११ तनिक देर पाछे मांसाहारी पंछी मरे भए जनावरन क खाइ क बरे खाले आइ गएन मुला अब्राम ओनका खदेरेस।

१२ पाछे सूरज बूड़इ लाग। अब्राम क गहरी नींद आइ गइ। खौफनाक अँधियारा ओका चारिहु कईती स घेरि लिहस। १३ तब यहोवा अब्राम स कहेस, “तोहका इ सबइ बातन क जानइ चाही। तोहार संतानन बिदेसी बनिही अउर उ पचे देस मँ जइही जउन ओनका न होइ। उ पचे हुआँ दास होइही। चार सौ बरिस तलक ओनके संग बुरा बिउहार होइ। १४ मई उ रास्टर क निआव करब अउ ओका सजा देब जउन ओन लोगन क गुलाम बनाएस अउर जब तोहरे सन्तानन उ देसे क तजि देइही तउ आपन संग ढेर नीक चीज लइ जइही।

१५ “तू बहोत लम्बी उमर तलक जिअत रहब्या। तू सान्ति स मरब्या अउ तू आपन पुरखन क लगे दफनावा जाब्या। १६ चार पीढ़ीयन क पाछे तोहार लोग इहइ पहटा मँ फुन अइही। इ टेम तोहार लोग एमेरियो क हरइही। हिआँ क बसइयन एमेरियन क, सजा देइ बरे मई तोहरे लोगन क बइ परब। इ बात भविस्स मँ होइ काहेकि एमेरियन सजा पावइ लायक बुरा अबहि नाही भवा अहई।”

१७ जब सूरज बूड़ि गवा, तउ बहोत अँधियारा छाइ गवा। मरा भवा जनावर अबहि तलक जमीन प ओलरा भए रहेन। हर एक जनावर दुइ हीसा मँ कटा भवा बहावा रहेन। उहइ समइ धुआँ अउ आगी क एख खम्भा जनावरन क टूक क बीच स गवा।

१८ इहइ तरह उ दिन यहोवा अब्राम क बचन दिहस अउ ओनके संग करार किहस। यहोवा कहेस, “मई इ पहटा तोहरे संतानन क देब। मई मिस्र क नदी अउ बड़की नदी परात क बीच क पहटा ओनका देब। १९ इ देस केनी, कनिज्जी, कदमोनी, २० हित्ती, परीज्जी, रपाई, २१ एमोरी, कनानी, गिर्गासी अउ यबूसी लोगन क अहइ।”

दासी हाजिरा

१ सारै अब्राम क मेहरारु रही। अब्राम अउ ओकरे कउनो लरिका नाही रहा। सारै क लगे एक ठु मिस्र क दासी रही। ओकर नाउँ हाजिरा रहा। २ सारै अब्राम स कहेस, “लखा, यहोवा मोका कउनो बच्चा नाही दिहे अहइ। एँह बरे मोरी दासी क संग सारीरिक संबन्ध करा होइ सकत ह कि ओकर बच्चा मोर अपना बच्चा होइ जाब।” अब्राम आपन मेहरारु क कहब मान लिहस।

३ कनान मँ अब्राम क दास बरिस रहइ क पाछे इ बात भइ अउ सारै आपन भतार अब्राम बरे हाजिरा क दइ दिहस। हाजिरा मिस्र क दासी रही। ४ हाजिरा, अब्राम स गाभिन भइ। जब हाजिरा इ देखेस तउ ओका बहोत गरब भवा अउ इ महसूस करइ लाग कि मई आपन मालकिन सारै स बढ़िया अहउँ। ५ मुला सारै अब्राम स कहेस, “मोर दासी अब मोसे घिना करत ह अउ एकरे बर मई तोहका दोखी मानन हउँ। मई ओका तोहरे बरे दिहेउँ। उ गाभिन भइ अउर तब उ महसूस करइ लाग कि उ मोसे बढ़िया बा। मई चाहत हउँ कि यहोवा सही निआव करी।”

६ मुला अब्राम सारै स कहेस, “तू हाजिरा क मालकिन अहा। तू ओकरे संग जउन चाहा कइ

सकत ह ।” एँह बरे सारै आपन दासी पइ अत्याचार किहस अउर ओकर दासी पराइ गइन ।

हाजिरा क पूत इस्माएल

७ यहोवा क सरगदूत रेगिस्तान मँ पानी क सोता क लगे हाजिरा क पाएस । इ सोता सूर जाइवाला राहे प रहा । ५ सरगदूत कहेस, “हाजिरा, तू सारै क दासी अहा । तू हिआँ काहे अहा ? तू कहाँ जात अहा ?”

हाजिरा कहेस, “मई आपन मालकिन सारै क हिआँ स पराइ जात अहउँ ।”

१ यहोवा क सरगदूत ओसे कहेस, “तू आपन मालकिन क घर जा अउर ओका सोंप द्या ।” १० यहोवा क सरगदूत ओसे फुन कहेस, “तोहसे बहोत स लोग पइदा होइहीं । इ सबइ लोग एँतना होइ जइहीं कि गना नाही जाइ सकिही ।”

११ यहोवा क सरगदूत अउर भी कहेस, “अबहि तू गर्भ धरे अहा अउर तोहका एक पूत होइ । तू ओकर नाउँ इस्माएल राख्या ।

काहेकि यहोवा तोहका देइ भए कस्ट क सुनेस ह ।

१२ इस्माएल एक ठु जंगली गदहा क तरह

जंगली अउ अजाद होइ

उ सब क खिलाफ होइ

अउर सबहीं ओकर खिलाफ होइ जाइ ।

उ आपन भाइयन क लगे आपन डेरा डाइ

मुला उ ओनके खिलाफ होइ ।”

१३ तब हाजिरा परमेस्सर क जउन ओसे बात करत रहा, एक नवा नाउँ स यहोवा क पुकारेस । उ कहेस, “तू परमेस्सर ह जउन मोका लखत ह ।” उ ओसे उ नाउँ एँह बरे दिहस काहेकि उ आपन आप स कहेस, “मई महसूस करत हउँ कि उ मोरे ऊपर निगाह राखत ह ।” १४ एँह बरे उ कुआँ क नाउँ लहैरोइ पड़ा । उ कुआँ कादेस अउ बरेद क बीच मँ बाटइ ।

१५ हाजिरा अब्राम क पूत क जन्म दिहस । अब्राम पूत क नाउँ इस्माएल धरेस । १६ अब्राम उ टेम छियासी बरिस क रहा जब हाजिरा इस्माएल क जन्म दिहस ।

खतना करार क सबूत

१७ जब अब्राम निन्यानवे बरिस क भवा, यहोवा ओह पइ परगट भवा । यहोवा कहेस, “मई सर्वोच्च परमेस्सर अहउँ । मोरे आगे चला अउर इमानदार रहा । २ जदि तू इ करा, तउ मई आपन अउ तोहरे बीच एक करार करब । मई

तोहका बचन देत हउँ कि मई तोहका बहोत सारा संतान देबउ ।”

३ अब्राम परमेस्सर क समन्वा आपन मुँह जमीन कइती निहराएस । तब परमेस्सर ओहसे बात किहस अउ कहेस, ४ “हमरे करार क इ हीसा मोर अहइ । मई तोहका कइउ रास्ट्र क बाप बनाउब । ५ मई तोहरे नाउँ क बदल देब । तोहार नाउँ अब्राम नाही होइ । तोहार नाउँ इब्राहीम होइ । मई तोहका इ नाउँ एँह बरे देत अहउँ कि तू बहोत स रास्ट्रन क बाप बनब्या । ६ मई तोहका बहोत संतानन देब । तोहसे नवा रास्ट्र अउर राजा लोग पइदा होइहीं । ७ अउर मई आपन अउ तोहरे बीच एक करार करब । इ करार तोहरे सबहि संतानन बरे होइ । मई तोहार अउ तोहरे सबहि संतानन क परमेस्सर रहब । इ करार सदा बनी रही । ८ अउर मई इ पूरदेस तोहका अउ तोहरे सबहि संतानन क देब । मई उ पूरदेस तोहका देब जेहसे होइके तू जात्रा करत रहब्या । मई तोहका कनान पूरदेस देब । मई तोहका इ पूरदेस सदा बरे देब अउर मई तोहार परमेस्सर रहब ।”

९ परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, “अब करार क इ हीसा तोहार हीसा अहइ । मोर इ करार क मानब तू अउ तोहार संतानन करिही । १० इ उ करार अहइ कि जेका तू मनब्या । इ करार मोरे अउ तोहरे बीच अहइ । इ तोहरे सबहि संतानन बरे अहइ । हर एक लरिका जउन पइदा होइ ओकर खतना जरूर होइ । ११ तू बाहरी चाम क एक निसान बरे कटब्या कि तू आपन अउ मोरे बीच क करार क मानत रहब्या । १२ जब लरिका आठ दिन क होइ जाइ तब तू ओकर खतना कर्या । हर एक लरिका जउन तोहरे मनइबन क बीच पइदा होइ या कउनो लरिका जउन विदेसी स खरीदइ भवा तोहार दास स पइदा होइ, ओकर खतना जरूर होइ । १३ इ तरह तोहरे रास्ट्र क हर एक लरिका क खतना होइ । जउन लरिका तोहरे परिवारे मँ पइदा होइ या दास क रूप मँ बसेहा जाइ ओकर खतना होइ । १४ इहइ मोर नेम अहइ अउर मोरे अउ तोहरे बीच करार अहइ । जउन कउनो मनई क खतना नाही होइ उ आपन मनइयन स अलगाइ दीन्ह जाइ । काहेकि उ मनई मोरे करार क तोइ दिहस ।”

इसहाक पूरण क पूत

१५ परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, “मई सारै क जउन तोहार मेहरारु अहइ, नवा नाम देब । ओकर नाउँ सारा होइ । १६ मई ओका असीस देब । मई ओका पूत देब अउ तू बाप होइ । उ बहोत स नए

रास्टरन क महतारी होब्या। ओहसे रास्टरन क राजा लोग पइदा होइहीं।”

१७ इब्राहीम आपन मूँड़ी परमेस्सर क भगति देखावइ बरे जमीन कइँती निहुराएस। मुला उहसा अउ आपन स बोला, “मई सौ बरिस क होइ ग अहउँ। मई पूत नाही पइदा कइ सकत हउँ अउ सारा नब्बे बरिस क बुढ़िया बाटइ। उ लरिकन क जन्म नाही दइ सकत।”

१८ तउ इब्राहीम परमेस्सर स कहेस, “मोका उमीद अहइ कि इस्माएल जिइही अउ तोहार सेवा करइहीं?”

१९ परमेस्सर कहेस, “नाही, मई कहेउँ कि तोहार मेहरारु सारा पूत क जन्म देइ। तू ओकर नाउँ इसहाक रखब्या। मई ओकरे संग करार करब। इ करार अइसा होइ जउन ओकरे सबहि संतानन क संग सदा बनी रही।

२० “तू इस्माएल क नाउँ लिहस अउर मई तोहार बात सुनेउँ। मई ओका असीसब। ओकरे बहोत स सन्तानन होइहीं। उ बारह बड़का राजा क बाप होइ। ओकर परिवार एक बहोत बड़ा रास्टर बनी।

२१ मुला मई आपन करार इसहाक क संग करब। इसहाक ही उ पूत होइ जेका सारा पइदा करी। इ पूत अगला बरिस मई इहइ टेम मँ, पइदा होइ।”

२२ परमेस्सर जब इब्राहीम स बात करब बन्द किहस, इब्राहीम अकेल्ला रहि गवा। परमेस्सर इब्राहीम क लगे स आकास कइँती उठि गवा। २३ परमेस्सर कहे रहा कि तू अपने परिवार क सबहि लरिकन अउ मनइयन क खतना कराया। एँह बरे इब्राहीम इस्माएल अउ आपन घरे मँ पइदा भए सबइ नउकर लोगन क एक संग बोलाएस। इब्राहीम ओन नउकर लोगन क एक संग बोलाएस जउन धने स बेसहा ग रहेन। इब्राहीम क घर क सबहि मनसेधू अउ लरिकन बटुरेन अउ ओन सबहि क खतना उहइ दिन ओनकइ बाहरी चाम काटिके कइ दीन्ह गवा। इब्राहीम ओन लोगन क खतना ठीक उहइ तरह स किहस जे तरह परमेस्सर कहे रहेन।

२४ जब इब्राहीम क खतना भवा उ निन्यानबे बरिस क रहा। २५ अउर ओकर पूत इस्माएल आपन खतना होइके टेम तेरह बरिस क रहा। २६ इब्राहीम अउ ओकरे पूत क खतना उहइ दिन भवा। २७ उहइ दिन इब्राहीम क सबहि मनइयन क खतना भवा। इब्राहीम क घरे मँ पइदा भए सबहि मनइयन क अउ बेसहा गाए सबहि दासन क खतना उहइ दिन भवा।

तीन ठु मेहमान

१ पाछे यहोवा फुन इब्राहीम क समन्वा परगट भवा। इब्राहीम ममूरे क बलूत क बृच्छन क लगे रहत रहा। एक दिन, इब्राहीम दिन क सब स गर्म पहर मँ तम्बू क दुआरे बइठा रहा। २ इब्राहीम आँखि उठाइके लखेस अउ आपन समन्वा तीन मनइयन क खड़ा निहारेस। जबहि इब्राहीम मनइयन क लखेस, उ ओनके लगे गवा अउ ओनका पैलगी किहस। ३ इब्राहीम कहेस, “साहेब लोगो! आप आपन इ सेवक क संग तनिक देर रुकि जाइँ। ४ मई आप लोगन बरे गोड़वा पखारइ खातिर पानी लइ आवत अहउँ। आप बृच्छन क खाले सुहताइ लेइँ। ५ मई आप पचन क कछू खइया के लिआवत अहउँ अउ आप लोग जेतना चाहइँ खाइ लेइँ। एकरे पाछे आप सबइ आपन जात्रा प जाव सुरु कइ सकत ही।”

तीनउँ कहेन, “इ बहोतइ बढिया बा। तू जइसा कहत बाटचा, करा।”

६ इब्राहीम हाली स तम्बू मँ घुसा। इब्राहीम सारा स कहेस, “हाली हाली तीन ठु रोटी बरे आटा साना।” ७ तब इब्राहीम आपन गोरुअन कइँती भागा। इब्राहीम सबन त नीक एक ठु जवान बछ्वा लिहस। इब्राहीम बछ्वा नउकर क दिहस। इब्राहीम नउकर स कहेस कि तू हाली हाली करा, इ बछ्वा क मारा अउ खइया खातिर तइयार करा। ८ इब्राहीम तीनहूँ क खाइ बरे गोस दिहस। उ दूध अउ माखन भी दिहस। जब तलक तीनहुँ मनई खात रहेन तब तलक इब्राहीम बृच्छ क खाले टाइ रहा।

९ उ मनइन इब्राहीम स कहेस, “तोहार मेहरारु सारा कहा बा?”

इब्राहीम कहेस, “उ तम्बू मँ बा।”

१० तब यहोवा कहेस, “मई बसन्त मँ फुन आउब। उ टेम तोहार मेहरिया सारा एक ठु पूत क जन्मी।”

सारा तम्बू मँ अनकत रही अउर उ इ बातन क सुनेस। ११ इब्राहीम अउ सारा बहोत बुढ़ाइ ग रहेन। सारा लइकोर होइ क उमिर क पार कइ चुकी रही। १२ सारा आपन आप प हँसी। उ आपन स कहेस, “मई अउ मोर भतार दुइनउँ बुढ़ान बाटेन। मई लरिका जन्मइ बरे ढेर बुढ़ाइ गइ अहउँ।”

१३ तब यहोवा इब्राहीम स कहेस, “इ सोचत भवा सारा काहे हँसेन कि, ‘मई एँतना बूढ़ी हउँ कि लरिका नाही पइदा कइ सकत हउँ?’ १४ का यहोवा बरे कछू भी असंभव बाटइ? नाही, मई फुन बसन्त

मैं आपन बताए भए टेम प आउब अउ तोहार मेहारु सारा पूत क जन्म देइ।”

१५ मुला सारा कहेस, “मई हमेउं नाही।” (उ अइसा कहेस, काहेकि उ डेरान रही।)

मुला यहोवा कहेस, “नाही, मई जानत हउं कि तोहार कहेब सही नाही अहइ। तू जरूर हसिउ ह।”

१६ तब उ मनईयन जाइ बरे उठेन। उ पचे सदोम कइती लखेन अउ उहइ कइती चल पडेन। इब्राहीम ओनका बिदा करइ बरे कछू दूर तलक ओनके संग गवा।

परमेस्सर क संग इब्राहीम क सौदा

१७ यहोवा मन मैं कहेस, “का मई इब्राहीम स कहि देउं जउन मई अबहु करब ? १९ इब्राहीम एक बड़का सकतीवाला रास्टर बन जाइ। इ कारण स धरती क सारे मनइयन आसीबाद पइही। १९ मई इब्राहीम क संग खास करार किहेउं ह। मई इ एह बरे किहेउं ह कि उ आपन लरिकन अउ आपन संतानन क तरह जिन्नगी बितावइ बरे हुकुम देइ जउने तरह जिन्नगी बिताउब यहोवा चाहत ह। मई इ एह बरे किहेउं ह कि उ पचे सच्चाई स रइही अउर इन्साफ पसन्द बनिही। तब मई यहोवा प्रण कीन्ह गइ चीजन क देब।”

२० तब यहोवा कहेस, “सदोम अउर गमोरा का चीख-पुकार बहोत जबरदस्त अहइ। ओनका पाप बहोत गम्भीर अहइ। २१ एह बरे मई हुवा जाब अउर देखब कि जउन कूछ मई सुन्या ह, यदि उ सही बा तब मई जानब कि उ सही बाटइ या गलत।”

२२ तब उ मनइयन घूमेन अउ सदोम कइती चल पडेन। मुला इब्राहीम यहोवा क समन्वा खड़ा रहा। २३ तब इब्राहीम यहोवा स कहेस, “हे यहोवा, का तू खोट मनइयन क नास करइ क संग भले मनइयन क नास करइ क बात सोचत अहा ? २४ यदि उ सहर मैं पचास भला मनई होइ तउ का होइ ? का तब भी तू सहर क नास कइ देब्या ? फुरइ ही तू हुआ क बसइया पचास भले मनइयन बरे उ सहर क बचाइ लेब्या। २५ फुरइ ही तू उ सहर क नास न करब्या। खोट मनइयन क मारइ बरे तू पचास भले मनइयन क नास न करब्या। अगर अइसा भवा तउ भला अउ खोटा लोग एक ही होइ जइहीं। दुइनउं क ही सजा मिली। तू समूचइ भुइया क निआव देइवाला अहा। मई जानत अहउं कि तू निआव करब्या।”

२६ फुन यहोवा कहेस, “जदि मोका सदोम सहर मैं पचास भला लोग मिलइ तउ मई समूचइ सहर क बचाइ लेब।”

२७ तब इब्राहीम कहेस, “हे यहोवा, तोहरे अगवा, मई सिरिफ धूर अउ राख अहउं। मुला तू मोका फुन तनिक कस्ट देइ क मौका द्या अउ मोका इ प्रस्न पूछइ द्या कि: २८ जदि पाँच नीक लोग कमती होइ तउ का होइ ? जदि सहर मैं पैतालीस ही नीक लोग होइ तउ का होइ ? का तू सिरिफ पाँच लोगन बरे समूचइ सहर क नास करिब्या ?”

तब यहोवा कहेस, “जदि मोका हुआ पैतालीस नीक लोग मिलइ तउ मई सहर क नास न करब।”

२९ इब्राहीम फुन यहोवा स कहेस, “जदि तोहका हुआ सिरिफ चालीस नीक लोग मिलइ तउ का तू सहर क नास कइ देब्या ?”

यहोवा कहेस, “अगर मोका चालीस बढ़िया लोग हुआ मिलइ तउ मई सहर क बर्बाद न करब।”

३० तब इब्राहीम कहेस, “हे यहोवा कृपा कइके मोहे प किरोध जिन करा। मोका इ पूछइ द्या कि अगर सहर मैं सिरिफ तीस नीक लोग होइ तउ का तू सहर क नास कइ देब्या ?”

यहोवा कहेस, “जदि मोका तीस नीक लोग मिलइ तउ मई सहर क बर्बाद न करब।”

३१ तब इब्राहीम कहेस, “हे यहोवा, का मई तोहका फुन कष्ट देउं अउ पूछ लेउं कि जदि बीस ही सहर मैं नीक लोग हुआ होइ तउ ?”

यहोवा जवाब दिहस, “अगर मोका बीस बढ़िया लोग मिलइ तउ भी मई सहर क नास न करब।”

३२ तब इब्राहीम कहेस, “हे यहोवा तू मोहे प गुस्सा जिन करा। मोका आखिरी दाई कस्ट देइ क मौका द्या। जदि तोहका हुआ दस बढ़िया लोग मिलइ तउ तू का करिब्या ?”

यहोवा कहेस, “जदि मोका सहर मैं दस नीक लोग मिलइ तउ भी मई सहर क नास न करब।”

३३ यहोवा इब्राहीम स बोलब बंद कइ दिहस, एह बरे यहोवा चला गवा अउ इब्राहीम आपन घर लउटि आवा।

लूत क अतिथि

१९-२ ओनमाँ स दुइ सरगदूत संझा क सदोम सहर मैं आएन। लूत सहर क दुआर प बइटा रहा अउ उ सरगदूतन क लखेस। लूत विचारेस कि उ पचे सहर क बीचउ बीच स जात्रा करत अहइ। लूत उठा अउ सरगदूतन क लगे गवा अउ भुइया तलक निहुरा। लूत कहेस, “महोदय, कृपा कइके मोरे घर चलइ अउर मई आप लोगन

क सेवा करब। हुआँ आप लोग आपन गोड़ धोइ सकत ही अउर रात मँ रुक सकत ही। तब भियान आप लोग आपन जात्रा सुरु कइ सकत ही।”

सरगदूतन जवाब दिहन, “नाहीं, हम पचे सहर क चौराहे मँ रुकब।”

३ मुला लूत आपन घर चलइ बरे बार बार कहत रहा। इ तरह सरगदूत लूत क घर जाइ बरे तइयार होइ गएन। जब उ पचे घरे पहुँचेन तउ लूत ओनका कछू पिअइ बरे लइ आवा। लूत ओनके बरे रोटी बनाएस। लूत क बनावा भवा भोजन सरगदूत खाएन।

४ उ संझा क सोवइ क टेम स पहिले ही उ सबइ मँ स सदोम क जवान अउर बूढ़े दुइनउँ मनइयन लूत क घरे आएन। सदोम क मनइयन लूत क घर घेरि लिहन अउ पूछेन। ५ उ पचे कहेन, “आज राति क जउन लोग तोहरे लगे आएन, उ सब दुइनउँ मनई कहा बाटेन? उ मनइयन क बाहेर हमका दइ द्या। हम ओनके संग संभोग करइ चाहत ह।”

६ लूत बाहेर निकरा अउ आपन पाछे स दरवाजा बंद कइ दिहस। ७ लूत मनइयन स कहेस, “नाही मोर भाई लोगो, मई बिनती करत हूँ कि आप इ बुरा कर्म न करइ। ८ लखा, मोरे दुइ बिटिया अहइँ, उ सबइ एँकरे पहिले कउनो मनई क संग नाही सोई अहइँ। मई आपन बिटियन क तू मनइयन क दइ देत अहउँ। तू लोग ओनके संग जउन चाहा कइ सकत ह। मुला इ मनइयन क संग कछू न करा। इ सब लोग हमरे घरे आवा अहइँ अउर मई एँकइ रच्छा जरूर करब।”

९ घरे क चारिहु कइँती क मनइयन जवाब दिहन, “राहे स हटि जा।” तब मनइयन आपन मने मँ बिचार किहन, “इ मनई लूत हमरे सहर मँ मेहमान क रूप मँ आवा अहइ। अब इ सिखावइ चाहत ह कि हम पचे कैसे जिन्नगी गुजारइ चाही।” तब उ पचे लूत स कहेन, “हम पचे ओनसे भी जियादा बुरा तारे संग करब।” एँह बरे उ मनइयन लूत क घेरि क ओकरे निअरे आउब सुरु किहन। उ सबइ दरवाजा क तोड़िके खोलइ चाहत रहेन।

१० मुला लूत क संग क ठहरे भए मनइयन दरवाजा खोलन अउ लूत क घरे क भीतर हीच लिहेन। तब उ पचे दरवाजा बंद कइ दिहन। ११ दुइनउँ मनइयन दरवाजे क बाहेर क मनइयन क आँधर कइ दिहन। इ तरह घरे मँ घुसरइ क जतन करइ वालन जवान अउ बुढ़वा सबइ आँधर होइ गएन अउर दरवाजा न पाइ सकेन।

सदोम स बच निकरब

१२ दुइनउँ मनइयन लूत स कहेन, “का इ सहर मँ अइसा कउनो मनई अहइ जउन तोहरे परिवारे क बाटइ? का तोहार दामाद, तोहार बिटिया या दूसर कउनो तोहरे परिवारे क मनई अहइ? जदि कउनो दूसर इ सहर मँ तोहरे परिवार क बाटइ तउ तू अबहि सहर तजि देइ बरे कहि द्या। १३ हम पचे इ सहर क बर्बाद करब। यहोवा ओन सबहि बुराइयन क सुनि लिहे अहइ जउन इ सहर मँ अहइ। एँह बरे यहोवा हम मनइयन क एँका नास करइ बरे पठए अहइ।”

१४ एँह बरे लूत बाहेर गवा अउ आपन दूसर बिटियन स बियाह करइ वालन दामादन स बात किहेस। लूत कहेस, “हाली करा अउ इ सहर क तजि द्या। यहोवा एँका फउरन बर्बाद कइ देइ।” मुला उ मनइयन समझेन कि लूत मजाक करत बाटइ।

१५ दूसर दिन भिन्सारे मोर क टेम ही सरगदूत लूत स हाली करइ क कोसिस किहस। उ पचे कहेन, “लखा इ सहर क सजा मिली। एँह बरे तू आपन मेहरारु अउ तोहरे संग जउन दुइ बिटियन जउन अबहि तलक अहइँ, ओनका लइके इ जगह तजि द्या। तबहि तू सहर क संग बर्बाद न होब्या।”

१६ मुला लूत देर करइ लगा अउ सहर तजि देइ क उ हाली नाही किहेस। एँह बरे सरगदूतन लूत, ओकर मेहरारु अउ ओकर दुइनउँ बिटियन क हाथ धइ लिहन, काहेकि ओन पइ यहोवा क द्या रहा। उ दुइनउँ लूत अउ ओकरे परिवार क सहर क बाहेर पहुँचाएन। लूत अउ ओकरे परिवार प यहोवा क कृपा रही। १७ एँह बरे दुइनउँ लूत अउ ओकरे परिवार क सहर क बाहेर पहुँचाएइ दिहन। जब उ पचे बाहेर होइ गएन तउ ओनमाँ स एक कहेस, “आपन जिन्नगी बचावइ बरे पराइ जा। सहर कइँती धूमिके जिन लखा। इ घाटी मँ कउनो जगह जिन रूका। तब तलक परात रहा जब तलक पहाड़े मँ न जाइके पहुँचा। अगर तू अइसा नाही करत्या, तउ तू सहर क संग नस्त होइ जाब्या।”

१८ तब लूत दुइनउँ स कहेस, “शरीमान लोगो, कृपा कइके एँतना दूर दौड़ि बरे बेबस जिन करा। १९ आप लोग मो सेवक प एँतनी कृपा किहा ह। आप लोग मोका बचावइ क कृपा किहा ह। मुला मई पहाड़ी ताई नाही दौड़ि सकत हूँ। अगर मई जरूरत स जियादा धीमे धीमे दौड़ि तउ कछू बुरा होइ अउ मई मारा जाब। २० मुला लखई हिआँ निअरे एक बहोत छोटा सहर बाटइ। हम पचन क

उ सहर तलक दौड़इ द्या। तब हमार जिन्नगी बचि जाइ।”

२१ सरगदत लूत स कहेस, “ठीक बाटइ, मई तोहका अइसा ही करइ देब। मई उ सहर क नास नाही करब जेहमाँ तू जात अहा। २२ मुला हुआँ तलक तेज दउड़ा। मई तब तलक सदोम क बर्बाद नाही करब जब तलक तू उ सहर मँ सुरच्छित नाही पहाँच जाल्या।” (इ सहर क नाउँ सोअर अहइ काहेकी इ छोट अहइ।)

सदोम अउ अमोरा बर्बाद कीन्ह गएन

२३ जब लूत सोअर मँ घुसत रहा, भिन्सारे क सूरज चमकइ लाग २४ अउर यहोवा सदोम अउ अमोरा क बर्बाद करब सुरु कइ दिहस। यहोवा आगी अउ बरत भवा गन्धक क अकासे स खाले बरसाएस। २५ इ तरह यहोवा उ सहरन क अउर समूची घाटी क बर्बाद कइ दिहस अउ सबहि जिअत मनइयन अउ सबहि पेड़-पौधन क बर्बाद कइ दिहस।

२६ जब उ पचे परात रहेन, तउ लूत क मेहरारू घूमिके सहर क निहारेस। जब उ घूमिके लखेस तब उ एक नोन क भीटा होइ गइ।

२७ उहइ दिना बहोत तइके इब्राहीम उठा अउ उ ठउरे प गवा जहा उ यहोवा क समन्वा ठाड़ होत रहा। २८ इब्राहीम सदोम अउ अमोर सहरन कइती निगाह दौड़ाएस। इब्राहीम उ घाटी क समूची भुइँया कइती लखेस। इब्राहीम उ पहाटा स उठत भए घना धुआँ क लखेस। बड़ी खौफनाक आगी स उठत धुआँ क तरह उ देखाइ पड़ा।

२९ परमेस्सर घाटी क सहरन क नास कइ दिहस। परमेस्सर इब्राहीम क याद किहस अउर लूत क नास नाही किहस। जब उ ओन सहरन क नास किहस जेहमा लूत रहत रहेन।

लूत अउ ओकर बिटियन

३० लूत सोअर मँ लगातार रहइ स डोरान। एँह बरे उ अउ ओकर दुइनँ बिटियन पहाड़न मँ गएन अउर उ हुँवँ रहइ लगेन। उ पचे हुवाँ एक गुफा मँ रहत रहेन। ३१ एक दिना बड़की बिटिया छोटकी बिटिया स कहेस, “भुइँया प चारिहु कइती मनसेधू अउ मेहरारू बियाह करत हीं। मुला हिआँ आसपास कउनो मनसेधू नाही जेहसे हम बियाह करी। हम पचन क पिता बुढ़ाइ ग बाटेन। ३२ एँह बरे हम पचे आपन पिता का प्रयोग लरिकन क जन्म देइ बरे करी जेसे हम लोगन क बंस चलि सकइ। हम लोग आपन पिता क लगे चलब अउ

अंगूरे क दाखरस पिआउब अउ ओका नसा मँ बुत्त कइ देब। तब हम ओकरे संग सोइ सकित ह।”

३३ उहइ राति दुइनँ बिटियन आपन पिता क लगे गइन अउ ओका उ पचे दाखरस पिआइके नसा मँ बुत्त कइ दिहन। तब बड़की बिटिया पिता क बिछुउना मँ गइ अउ ओकरे संग सोइ गइ। लूत जियादा नसा मँ बुत्त रहा। एँह बरे इ न जानि सका कि ओकरे संग कउन सोएस।

३४ दूसर दिन बड़की बिटिया छोटकी बिटिया स कहेस, “पिछली राति मई आपन पिता क संग सोएँ। आवा इ रात फुन हम ओका दाखरस पिआइके नसा मँ बुत्त कइ देइ। तब तू ओकरे बिछुउना मँ जाइ सकत ह अउर ओकरे संग सोइ सकत ह। इ तरह हम पचन क आपन पिता क प्रयोग लरिकन क जन्म दइके आपन बंस चलावइ बरे करइ चाही” ३५ एँह बरे उ दुइनँ बिटियन आपन पिता क दाखरस पिआइके नसा मँ बुत्त कइ दिहन। तब छोटकी बिटिया ओकरे बिछुउना मँ ओलरी अउ ओकरे संग सोएस। लूत इ दाई भी न जानि सका कि ओकर बिटिया ओकरे संग सोएस।

३६ इ तरह लूत क दुइनँ बिटिया गर्भ धारण किहेन। ओनका पिता ही ओनके लरिकन क पिता रहा। ३७ बड़की बिटिया एक पूत क जन्म दिहस। इ बेटवा क नाउँ मोआब धरेस। मोआब ओन सबहि मोआबी लोगन क पिता रहा, जउन अब तलक रहत अहइँ। ३८ छोटकी बिटिया भी एक पूत जन्मेस। इ आपन पूत क नाउँ बेनम्मी धरेस। बेनम्मी ओन सबहि अम्मोनी लोगन क पिता अहइ जउन अब तलक रहत बाटेन।

इब्राहीम गरार जात ह

२० १ इब्राहीम उ ठउरे क तजि दिहस और नेगेव क जात्रा किहस। इब्राहीम कादेस अउ सूर क बीच गरार मँ बस गवा। २ गरार मँ इब्राहीम मनइयन स कहेस कि सारा मोर बहिन अहइ। गरार क राजा अबीमेलक इ बात सुनेस। अबीमेलक क सारा चाहत रहा एँह बरे उ कछू नउकर ओका लावइ बरे पठएस। ३ मुला एक रात परमेस्सर अबीमेलक स सपन मँ बात किहस। परमेस्सर कहेस, “देखा, तू मरि जाब्या जउने मेहरारू क तू लिहा ह उ सोहागिन अहइ।”

४ मुला अबीमेलक अबहि सारा क संग नाही सोवा रहा। एँह बरे अबीमेलक कहेस, “हे यहोवा, मई दोखी नाही अहउँ। का तू बेदोखी मनई क मरब्या? ५ इब्राहीम मोसे खुद कहेस, ‘इ मेहरारू

मोर बहिन अहइ' अउ मेहरारु भी कहेस, 'इ मनई मोर भाई अहइ' मई वेदोखी अहउं। मई नाही जानत रहेउं कि मई का करत हउं?"

६ तब परमेस्सर अबीमेलेक स सपन मँ कहेस, "हा, मई जानत हउं कि तू निर्दोख अहा अउर मई इ भी जानत हउं कि तू इ नाही जानत रह्या कि तू का करत रह्या? मई तोहका बचाएँउ। मई तोहका आपन खिलाफ पाप नाही करइ दिहेउं। इ मई ही रहेउं जउन तोहका ओकरे संग सोवइ नाही दिहेउं। ७ एँह बरे इब्राहीम क ओकर मेहरारु लौटाइ द्या। इब्राहीम एक ठु नबी बाटइ। उ तोहरे बरे पराथना करी अउर तू जिअत रहब्या मुला जदि तू सारा क नाही लौटउब्या तउ मई सरापत हउं कि तू मरि जाब्या। तोहार सारा परिवार तोहरे संग मरि जाइ।"

८ एँह बरे दूसर दिन बहोत भिंसारे अबीमेलेक आपन सबइ नउकरन क बोलाएस। अबीमेलेक सपने मँ भइ सारी बातन क ओनका बताएस। नउकर बहोतइ डेराइ गवा। ९ तब अबीमेलेक इब्राहीम क बोलाएस अउ ओसे कहेस, "तू हम पचन क संग अइसा काहे किहा? मई तोहार का बिगाड़ेउं ह? तू इ झूठ काहे बोल्या कि उ तोहार बहिन अहइ। तू हमरे राज्ज प बहोत बड़ी बिपत्ति लइ आवा ह। इ बात तोहका मोरे संग नाही करइ चाही। १० तू कउने बात स डेरात अहा? तू इ सबइ वातन मोरे संग काहे किहा ह?"

११ तब इब्राहीम कहेस, "मई ससान रहेउं। काहेकि मई सोचेउं कि हिआँ कउनो भी परमेस्सर क आदर नाही करत। मई बिचारेउं कि सारा क पावइ बरे कउनो मोका मारि डाइ। १२ उ मोर मेहरारु अहइ, मुला उ मोर बहिन भी अहइ। उ मोरे पिता क बिटिया तउ अहइ मुला मोरी महतारी क बिटिया नाही अहइ, १३ परमेस्सर मोका मोरे पिता क घरे स दूर पहाँचाए अहइ। परमेस्सर कइयऊ अलग-अलग पहटा मँ मोका भटकाएस। जब अइसा भवा तउ मई सारा स कहेउं, 'मोरे बरे कछू करा। जहा कहू भी हम जाइ तू मनइयन स कहा कि तू मोर बहिन अहा।"

१४ अब अबीमेलेक जान लिहेस कि का होइ चुका बाटइ। एँह बरे अबीमेलेक इब्राहीम क सारा लौटाइ दिहस। अबीमेलेक इब्राहीम क कछू भेड़िन, जनावर अउ दास भी दिहस। १५ अबीमेलेक कहेस, "तू चारिहु कइती लिख ल्या। इ मोर देस अहइ। तू जउने ठउर चाहा, रहि सकत ह।"

१६ अबीमेलेक सारा स कहेस, "लखा, मई तोहरे भाई क एख हजार चाँदी क टूक दिहेउं ह। मई इ एँह बरे किहेउं ह कि जउन कछू भवा ओहमे मई दुःखी अहउं। मई चाहत हउं कि हर एक मनई इ लखइ कि मई नीक काम किहेउं ह।"

१७-१८ परमेस्सर अबीमेलेक क ओकर पत्नी क अउर ओकर मेहरारु नउकरन क लरिका जन्मइ क अयोग्य बनाएस। परमेस्सर उ एँह बरे किहस कि उ इब्राहीम क मेहरारु सारा क बइटाइ लिहे रहा। मुला इब्राहीम परमेस्सर स पराथना किहस अउ परमेस्सर अबीमेलेक, ओकर मेहरारुअन अउ दास-कन्या क चंगा कइ दिहस।

आखिर मँ सारा क एक लरिका

२१ अब यहोवा सारा लगे आएन काहेकि उ कहेस रहा, अउर उ सारा बरे उहइ किहस जउन उ करइ क वादा किहे रहा। २ सारा गरभ धरेस अउर इब्राहीम बरे ओकर बुढ़ापे मँ एक लरिका क जन्मेस। सही टेम प जइसा परमेस्सर वचन दिहे रहा वइसा ही भवा। ३ सारा पूत जन्मेस अउ इब्राहीम ओकर नाउँ इसहाक राखेस। ४ परमेस्सर क हुकुम क मुताबिक इब्राहीम आठ दिन होए प इसहाक क खतना किहस।

५ इब्राहीम सौ वरिस क रहा जब ओकर पूत इसहाक पइदा भवा ६ अउ सारा कहेस, "परमेस्सर मोका सुखी बनाइ दिहस ह। हर एक मनई जउन इ बारे मँ सुनी उ मोहसे खुस होइ। ७ कउनो भी इ नाही सोचत कि मई सारा इब्राहीम बरे पूत देवउं। मुला मई इब्राहीम क ओकरे बुढ़ापे क उमर मँ एक ठु पूत दिहेउं ह।"

घरे मँ परेसानी

८ अब बचवा एँतना बाढ़ गवा कि महतारी क दूध तजिके ठोस भोजन सुरु करइ। जउने दिन ओकर दूध छोड़वावा गवा उ दिन इब्राहीम एक बहोत बड़का भोज दिहस। ९ बीते भए टेम मँ मिसर क दासी एक ठु पूत क जन्मेस। इब्राहीम उ पूत क बाप रहा। सारा लखेस कि हाजिरा क पूत इसहाक क तंग करत ह। १० एँह बरे सारा इब्राहीम स कहेस, "उ दासी मेहरारु अउ ओकरे पूत क हिआँ पठइ द्या। जब हम पचे मरब हम पचन क सबहि चिजियन इसहाक क मिलिही। मई नाही चाहत कि ओकर पूत इसहाक क संग ओन चिजियन मँ हीसा लेइ।"

११ इस्माएल क बरे इ कीन्ह जाना एका सोच इब्राहीम क बहोत ज्यादा दुःखी कइ दिहन।

१२ मुला परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, “उ लड़का क बारे मैं दुःखी जिन ह्वा। उ दासी क बारे मैं दुःखी जिन ह्वा। जउन सारा चाहत ह तू उहइ करा। तोहार बंस इसहाक क बंस स चली। १३ मुला मई तोहरे दासन क पूतन क असीसब। उ तोहार पूत अहइ एँह बरे मई ओकरे परिवार क भी एक बड़ा रास्टर बनाउब।”

१४ दूसर दिन बहोत भिन्सारे इब्राहीम कछू भोजन अउ पानी लिहस। इब्राहीम इ चीजन हाजिरा क दइ दिहस। हाजिरा उ सबहि चीजन क लिहस अउ बच्चा क संग दूर चली गइ। हाजिरा उ ठउर तजि दिहस अउर उ बेसेबा क रेगिस्तान मँ भटकइ लाग।

१५ कछू टेम पाछे हाजिरा क सारा पानी खतम होइ गवा। पिअइ बरे कछू पानी भी नाही बचा। एँह बरे हाजिरा आपन लरिका क एक झाड़ी तरे राखेस। १६ हाजिरा हुआँ स कछू दूर गइ। तब उ रुकी अउ बइठि गइ। हाजिरा सोचेस कि ओकर पूत मरि जाइ काहेकि हुआँ पानी नाही रहा। उ ओका मरता भवा नाही देखइ चाहत रही। उ हुआँ बइठि गइ अउ रोवइ लाग।

१७ यहोवा लरिका क रोउब सुनेस। सरग स एक दूत हाजिरा क लगे आवा। उ पूछेस, “हाजिरा, तोहका का तकलीफ अहइ। डेराउ नाही काहेकि परमेस्सर हुवाँ लरिका क रोउब सुन लिहस। १८ जा, अउर आपन पूत क सँभारा। ओकर हाथ धइ ल्या अउ ओका संग लइ चला। मई ओका बहोत बड़का रास्टर क पिता बनाउब।”

१९ परमेस्सर हाजिरा क आँखी इ तरह खोलेस कि उ एक पानी क कुआँ निहारि सकी। एँह बरे हाजिरा कुआँ प गइ अउ उ थैला क पानी स भरि लिहस, तब उ बच्चा क पानी पिअइ बरे दिहस।

२० बच्चा जब तक बाढ़ा नाही तब तलक परमेस्सर ओकरे संग रहा। इस्माएल रेगिस्तान मँ रहा अउ एक सिकारी बन गवा। उ बहोत बढ़िया तीर चलाउब सीख लिहस। २१ ओकर महतारी मिसर स ओकरे बरे दुल्हन लइ आइ। उ पचे सबइ पारान रेगिस्तान मँ रहइ लागेन।

इब्राहीम अबीमेलक स सौदा करत ह

२२ तब अबीमेलक अउ पीकोल इब्राहीम स बात किहन। पीकोल अबीमेलक क फउज क

सेनापति रहा। उ पचे इब्राहीम स कहेन, “तू जउन कछू करत अहा, परमेस्सर तोहार साथ देत ह। २३ एँह बरे तू परमेस्सर क समन्वा इ बचन द्या कि तू मोरे अउ मोरे बच्चन बरे भला रहब्या। तू इ बचन द्या कि तू मोरे बरे अउ जहा तू रह्या ह उ देस बरे दयालु रहब्या। तू इ भी बचन द्या कि मई तोहरे बरे जेतना दयालु रहा ओतना तू मोहे प दयालु रहब्या।”

२४ इब्राहीम कहेस, “मई बचन देत हउँ कि तोहसे मई बइसा ही बिउहार करब जइसा तू मोरे संग बिउहार किया ह।” २५ तब इब्राहीम अबीमेलक क ओराहना दिहस। इब्राहीम एँह बरे ओराहना दिहस कि अबीमेलक क नउकरन पानी क कुआँ प कब्जा कइ लिहन।

२६ अबीमेलक कहेस, “एँकरे बारे मैं मई इ बहिली बार सुनेउँ ह। मोका पता नाही बाटइ, कि इ के किहस ह अउर तू भी एँकर चर्चा मोहसे एँहसे पहिले कबहु नाही किह्या।”

२७ एँह बरे इब्राहीम अउ अबीमेलक एक समझौता किहन। इब्राहीम समझौता क सबूत क रुप मैं अबीमेलक क कछू भेड़िन अउ गोरु दिहस। २८ इब्राहीम सात ठु मादा भेड़ी क बच्चा भी अबीमेलक क समन्वा लावा।

२९ अबीमेलक इब्राहीम स पूछेस, “तू इ सबइ सात ठु भेड़ी क मादा बच्चन क काहे अलगाइ कइ दिह्या?”

३० इब्राहीम कहेस, “जब तू इ सातहु भेड़ी क बच्चन स मोहसे लेब्या तउ इ सबूत रही कि इ नारा मइ खनेउँ ह।”

३१ एँह बरे एँकरे पाछे उ नारा बेसेबा कहवावा गवा। उ पचे नारा क इ नाउँ दिहन काहेकि इ उ ठउर रहा जहाँ उ पचे एक दूसर क बचन दिहे रहेन।

३२ इ तरह इब्राहीम अउ अबीमेलक बेसेबा मैं एक समझौता किहन। तब अबीमेलक अउ सेनापति दुइनउँ पलिस्तिथन क पहुँटा मैं लौटि गएन।

३३ इब्राहीम बेसेबा मैं झाऊ क एक वृच्छ लगाएस। उ ठउरे प इब्राहीम परमेस्सर, जउन हमेसा रहत ह स पराथना किहस। ३४ अउर इब्राहीम पलिस्तिथन क देस मैं बहोत समइ तलक रहा।

इसहाक क बलि क रूप मँ देन

२२ इ बातन क पाछे परमेस्सर इब्राहीम क पतियाइ क परीच्छा लेब तय किहस। परमेस्सर ओसे कहेस, “इब्राहीम!”

अउ इब्राहीम कहेस, “हाँ!”

२ परमेस्सर कहेस, “आपन पूत ल्या, आप इकलौता पूत, इसहाक जेका तू पिरेम करत हू मोरिय्याह प जा। तू उ पहाड़े प जा जेका मई तोहका देखौअब। तू हुआँ आपन पूत क बलिदान देव्या अउ ओका होम बलि क सरूप मँ मोका अर्पण करिव्या।”

३ भिनसारे इब्राहीम उठा अउ उ गदहा क तइयार किहस। इब्राहीम इसहाक अउ दुइ नउकरन क संग लिहस। इब्राहीम बलि बरे काठ काटिके तइयार किहस। तब उ पचे उ ठउरे प गएन जहा जाइ बरे परमेस्सर कहेस। ४ उ पचे तीन दिना तलक जात्रा किहेन। ओकरे पाछे इब्राहीम ऊपर लखेस अउ दूरी प उ ठउरे क निहारेस जहा उ पचे जात रहेन। ५ तब इब्राहीम आपन नउकरन स कहेस, “हिआँ गदहा क संग ठहरि जा। मई आपन पूत क उ ठउरे लइ जाब अउ आराधना करब। तब हम पाछे लौटि आउब।”

६ इब्राहीम बलि बरे लकड़ी क आपन पूत क काँधे प धरेस। इब्राहीम एक खास छुरी अउ आगी लिहस। तब इब्राहीम अउ ओकर पूत दुइनउँ आराधना बरे उ ठउरे प एक संग गएन।

७ इसहाक आपन बाप इब्राहीम स कहेस, “पिताजी!”

इब्राहीम जवाब दिहस, “हाँ, बेटवा।”

इसहाक कहेस, “मई ईधन अउ आगी तउ लखत हूँ, मुला उ भेड़ा कहा बाटइ जेका हम बलि क रूप मँ बारब?”

८ इब्राहीम जवाब दिहस, “बेटवा, परमेस्सर बलि बरे भेड़ा आपने आप जुटावत बाटइ।” इसहाक बचावा गवा

इ तरह इब्राहीम अउ ओकर पूत उ ठउर संग संग गएन। ९ उ पचे उ ठउरे प पहुँचैन जहाँ परमेस्सर पहुँचइ क कहे रहा। हुआँ इब्राहीम बलि क एक वेदी बनाएस। इब्राहीम वेदी प काठ धरेस। तब इब्राहीम आपन पूत क बाँधेस। इब्राहीम इसहाक क वेदी क काटे प धरेस। १० तब इब्राहीम आपन छुरी निकारेस अउ आपन पूत क मारइ क तइयारी किहस।

११ तब यहोवा क सरगदूत इब्राहीम क रोक दिहस। दूत सरग स गोहराएस अउ कहेस, “इब्राहीम, इब्राहीम।”

इब्राहीम जवाब दिहस, “हाँ।”

१२ सरगदूत कहेस, “तू आपन पूत क जिन मारा या ओका कउनो तरह क चोट जिन पहुँचावा। मई अब लखि लिहउँ कि तू परमेस्सर क सम्मान करत ह अउ ओकर हुकुम मानत ह। मई लखत हउँ कि तू आपन इकलौता पूत क मोरे यहोवा क बरे मारइ क तइयार बाटचा।”

१३ इब्राहीम ऊपर निगाह किहेस अउ एक भेड़ा क लखेस। भेड़ा क सींगन झाड़ी मँ उरझ गइ रहिन। एँह बरे इब्राहीम हुआँ गवा अउर भेड़ा क धइ लिहस अउ ओका मारि डाएस। इब्राहीम भेड़ा क आपन पूत क जगह प बलि दिहस। १४ एँह बरे इब्राहीम उ जगह क नाउँ “यहोवा यिरे” राखेस। आज भी लोग कहत हीं, “इ पहाड़े क चोटी प यहोवा क लखा जाइ सकत ह।”

१५ यहोवा क सरगदूत सरग स इब्राहीम क दूसरी दाई गोहराएस। १६ सरगदूत कहेस, “तू मोरे बरे आपन पूत क मारइ बरे तइयार रह्या। इ तोहार इकलौता पूत रहा। तू मोरे बरे अइसा किहा ह एँह बरे मई, यहोवा तोहका वचन देत अहउँ कि १७ मई तोहका सचमुच ही असीसब। मई तोहका ओतना ही संतानन देब जेतना अकासे मँ तारा बाटइ। इ सबइ एँतना जियादा लोग होइहीं जेतना समुदर क किनारे बालू क कण अउ तोहार लोग आपन सबहि दुस्मनन क हरइहीं। १८ संसार क सबहि रास्टर तोहरे परिवार क जरिये आसीर्बाद पइही। मई इ एँह बरे करब काहेकि तू मोर हुकुम क मान्या ह।”

१९ तब इब्राहीम आपन नउकरन क लगे लउटा। उ पचे बेसँबा तलक वापसी जात्रा किहन अउ इब्राहीम हुआँइ रहइ लाग।

२० एकरे पाछे, इब्राहीम क इ समाचार मिला। समाचार इ रहा, “तोहार भाई नाहोर अउ ओकर मेहरारु मिल्का क अब गदेलन अहइ। २१ पहिला पूत ऊस अहइ। दूसर पूत क नाउँ बूज अहइ। तीसर पूत अराम क बाप कमूएल अहइ। २२ एकरे अलावा, केसेद, हजो, पिल्दास, यिदलाप अउ बतूएल बाटइ।” २३ बतूएल रिबका क बाप रहा। मिल्का इ सबइ आठहू पूतन क महतारी रही अउ नाहोर पिता रहा। नाहोर इब्राहीम क भाई रहा। २४ नाहोर क दूसर चारि लरिकन ओकरी मेहरारु नउकर स रहेन। इ सबइ पूत तैबह, गहम, तहस अउर माका रहन।

सारा मरत ह

२३ ^१सारा एक सौ सत्ताईस बरिस जित्त रही। ^२कनान पहटा क किर्यंतर्बा (हेब्रोन) सहर में मरी। इब्राहीम बहोत दुःखी भवा अउ ओकरे बरे हुआँ रोएस। ^३तब इब्राहीम मरी भइ मेहरारु क तजेस अउ हिती लोगन स बात करइ गवा। उ कहेस, ^४“मई इ पहटा मैं नाही रहत। मई हियाँ सिरिफ एक राही अहउँ। एह बरे मोरे लगे आपन मेहरारु क गाड़इ क कउनो जगह नाही बाटइ। मई कच्छू भुइया चाहत हउँ जेहमाँ आपन मेहरारु क दफनाइ सकूँ।”

^५हिती लोगन इब्राहीम क जवाब दिहेन, ^६“साहेब, आप हम पचन क बीच परमेस्सर क सकतीसाली राजकुमार अहइँ। आप आपन मरे भए क दफनावइ बरे सबन त नीक ठउरे प, जउन हम पचन क पास अहइ, लइ सकत हीं। आप हम पचन क कबिरसतानन मैं स कउनो भी जगह, जउन आप चाहत हीं, लइ सकत हीं। हम लोगन मैं स कउनो भी आपक आपन मेहरारु दफनावइ स नाही रोकी।”

^७इब्राहीम उठा अउ मनइयन कइँती मूँड़ि निहुराएस। ^८इब्राहीम ओनसे कहेस, “जदि आप लोग सचमुच मोर मरी भइ मेहरारु क दफनावइ मैं मोर मदद करइ चाहत हीं तउ सोहर क पूत एप्रोन स मोरे बरे बात करइ। ^९मई मकपेला क गुफा क बसेहब पसन्द करब। एप्रोन एकर मालिक अहइ। इ ओकरे खेत क सिरहने प बाटइ। मई एकरे दाम क मुताबिक ओका पूरी कीमत देब। मई चाहत अहउँ कि आप लोग इ बात क साच्छी रहइँ कि मई इ भुइया क कबिरस्तान क रूप मैं खरीदत अहउँ।”

^{१०}एप्रोन हुआँइ मनइयन बीच बइटा रहा। एप्रोन इब्राहीम क जवाब दिहस, ^{११}“नाही, साहेब। मई आपन सबइ लोगन क समन्वा इ भुइया तोहका देब। मई आपक उ गुफा देब। मई इ आप क एह बरे देब कि आप एहमाँ आपन मेहरारु क दफनाइ सकइँ।”

^{१२}तब इब्राहीम हिती मनइयन क समन्वा आपन मूँड़ि निहुराएस। ^{१३}इब्राहीम सबहिँ लोगन क समन्वा एप्रोन स कहेस, “मुला मई तो खेते क पूरा दाम देइ चाहत अहउँ। मोर धन स्वीकार करइँ। मई आपन मरे भए क एहमाँ गाड़ब।”

^{१४}एप्रोन इब्राहीम क जवाब दिहेस, ^{१५}“साहेब, मोरहु सुनइँ। चार सौ चाँदी क सेकेल। हमरे अउ आप क बीच मैं इ धन कच्छू भी नाही।

भुइया ल्या अउ आपन मरी भइ मेहरारु क गाड़ द्या।”

^{१६}इब्राहीम समझेस कि एप्रोन ओका भुइया क दाम बतावत अहइ। एह बरे हिती लोगन क गवाह मानिके, इब्राहीम चाँदी क चार सौ सेकेल एप्रोन बरे तौलेस। इब्राहीम पइसा उ बइपारी क दइ दिहेस जउन इ भुइया क बेचइ क धन्धा करत रहा।

^{१७-१८}इ तरह एप्रोन क खेत क मालिक बदल गएन। इ खेत ममरे क पूरब मकपेला मैं रहा। इब्राहीम उ खेत क, गुफा क अउर उ खेत क वृच्छन क मालिक होइ गवा। सहर क सबहि लोग एप्रोन अउ इब्राहीम क बीच भए समझौता क लखेन। ^{१९}एकरे पाछे उ आपन मेहरारु सारा क कनान देस क ममरे क निअरे जउन कि हेब्रोन मैं अहइ मकपेला क निअरे उ खेते क गुफा मैं गाड़ेस। ^{२०}इब्राहीम खेत अउ ओकरे गुफा क हिती लोगन स खरीदेस। इ ओकर संपत्ति होइ गइ, अउ उ एकर बइपरब कबिरस्तान क रूप मैं किहस।

इसहाक बरे मेहरारु

२४ ^१इब्राहीम बहोत बूढ़ा होइके भी जित्त रहा। यहोवा इब्राहीम क आसीबाँद दिहेस अउ ओकरे हर एक काम क सफल होइ दिहेस। ^२इब्राहीम क एक सबन त पुरान नउकर रहा जउन इब्राहीम क जउन कच्छू रहा ओकर प्रबंधक रहा। इब्राहीम उ नउकर क बोलाएस अउ कहेस, “आपन हाथ मोरे जाँधि क नीचे धरा। ^३अब मई चाहत हउँ कि तू मोका एक बचन द्या। धरती अउ आकास क परमेस्सर यहोवा क समन्वा तू बचन द्या कि तू कनान क कउनो बिटिया स मोरे पूत क बियाह नाही होइ देब्या। हम पचे उ कनानियन क मध्य मैं रहित ह, मुला कनानी लइकी स ओकर बियाह न करइ द्या। ^४तू मोरे देस अउ मोरे आपन मनइयन मैं लउटिके जा। हुआँ मोर पूत इसहाक बरे एक दुलहिन हेरा।”

^५नउकर ओसे कहेस, “इ तउ होइ सकत ह कि उ दुलहिन मोरे संग इ देस मैं लौटब न चाहइ। तब, का मई तोहरे पूत क तोहरी जन्म भूमि मैं लइ जाऊँ?”

^६इब्राहीम ओसे कहेस, “नाही! तू हमरे पूत क उ देस मैं न लइ जा। ^७यहोवा, सरग क परमेस्सर मोका मोरी जन्म भूमि स हियाँ लिआवा। उ देस मोर बाप अउ परिवार क घर रहा। मुला यहोवा इ बचन दिहेस कि इ नवा प्रदेश मोरे परिवार वालन

क होइ। यहोवा आपन एक सरगदूत तोहरे समन्वा पठाएस जेहसे तू मोरे पूत बरे दुलहिन चुनि सका।^८ मुला अगर बिटिया तोहरे संग आउब मना करइ तउ तू आपन बचन स छुटकारा पाइ जाब्या। मुला तू मोरे पूत क उ देस मैं वापिस जिन लइ जा।”

^९ इ तरह नउकर आपन मालिक क जाँघे तरे आपन हाथ धइके बचन दिहेस।

खोज सुरु होत ह

^{१०} नउकर इब्राहीम क दस ठु ऊँट लिहेस अउ उ जगह स उ चला गवा। नउकर कइउ तरह क सुन्नर भेंट आपन संग लइ गवा। उ नाहोर क सहर मेसोपोटामिया गवा।^{११} उ सहर क बाहर क कुआँ प गवा। इ बात साँझ क भइ जब मेहररुअन पानी भरइ बाहेर आवति ही। नउकर हुवँइ ऊँटन क गोडे क घुटना क बल बइटाएस।

^{१२} नउकर कहेस, “हे यहोवा, तू मोर सुआमी इब्राहीम क परमेस्सर अहा। आज तू ओकरे पूत बरे मोका एक दुलहिन दिआवा। कृपा कइके मोर मालिक इब्राहीम प दायी करा।^{१३} मइँ हिआँ इ पानी क कुआँ क लगे टाइ अहउँ अउर पानी भरइ बरे सहर स बिटियन आवति अहइँ।^{१४} मइँ एक ठु खास चीन्हा क बाट जोहत अहउँ जेहसे मइँ जान सकउँ कि इसहाक बरे कउन सी बिटिया नीक होइ। इ विसेख चीन्हा अहइ। मइँ बिटिया स कहब कि ‘मेहरबानी कइके आपन गगरी क खाले धरइँ जेहसे मइँ पानी पी सकउँ।’ मइँ तब समझब कि इ नीक लइकी अहइ जब उ कही, ‘पिआ, अउर मइँ तोहरे ऊँटन बरे भी पानी देब।’ जदि अइसा होइ तउ तू साबित कइ देब्या कि इसहाक बरे इ बिटियन नीक बाटइ। मइँ बूझब कि तू मोरे सुआमी प कृपा किह्या ह।”

एक दुलहिन मिली

^{१५} तब नउकर क पराथना पूरी होइ स पहिले ही रिबका नाउँ क एक लइकी इ नारा प आइ। रिबका बतूएल क बिटिया रही। (बतूएल इब्राहीम क भाई नाहोर अउ मिल्ला क पूत रहा।) रिबका आपन काँधे प पानी क गगरी लइके नारा प आइ रही।^{१६} लइकी बहोत सुन्नर रही। उ कुआँरी रही। उ कउनो मनई क संग कबहु नाहीं सोइ रही। उ आपन कून्डा भरइ बरे नारा प आइ।^{१७} तब नउकर ओकरे नगिचे तलक दौड़िके आवा अउ बोला, “मेहरबानी कइके आपन कून्डा स पिअइ बरे तनिक पानी द्या।”

^{१८} रिबका हाली हाली काँधे स कून्डा क खाले उतारेस अउ ओका पानी पिआएस। रिबका कहेस, “महासय, इ पिअइँ।”^{१९} जइसेन ही उ पिअइ बरे कछु पानी देब खतम किहेस। रिबका कहेस, “मइँ आप क ऊँटयन क भी पानी पिअइ बरे दइ सकत हउँ।”^{२०} एँह बरे रिबका फउरन कून्डा क सब पानी ऊँटयन बरे बना भवा हउदा मैं उडैरेस। तब उ अउर पानी लइ आवइ बरे इनारा क दौड़ गइ अउ उ सब ऊँटियन क पानी पिआएस।

^{२१} नउकर ओका चुपचाप धियान स लखेस। उ इ तय करइ चाहत रहा कि यहोवा साइद इ बात क मान लिहेस ह अउ ओकरी जात्रा क सुफल बनाइ दिहेस ह।^{२२} जब ऊँटियन पानी पी लिहन तब उ रिबका क आधा सेकेल जोखिके एक ठु सोना क मुनरी दिहेस। उ ओका दुइ बाजूबंद भी दिहेस जउन जोखे मैं हर एक दस सेकेल रहन।^{२३} नउकर पूछेस, “तोहार बाप कउन अहइ? का तोहरे बाप क घरे मैं एँतनी जगह बाटइ कि हम पचन क रहइ अउ सोवइ क सरंजाम होइ सकइ?”

^{२४} रिबका जवाब दिहेस, “मोर बाप बतूएल अहइँ जउन मिल्ला अउ नाहोर क पूत अहइँ।”^{२५} तब उ कहेस, “अउर हा हम पचन क लगे तोहरे ऊँट बरे चारा बाटइ अउ तोहरे सोवइ बरे जगह अहइ।”

^{२६} नउकर मूँड़ि निहुराएस अउ यहोवा क आराधना किहेस।^{२७} नउकर कहेस, “मोर सुआमी इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा क धन्न हो। यहोवा हमरे सुआमी प दयालु अहइ। यहोवा मोका आपन सुआमी क पूत बरे सही लइकी दिहे अहइ।”

^{२८} तब रिबका दौड़ी अउ जउन कछु भवा रहा आपन परिवार क बताएस।^{२९-३०} रिबका क एक भाई रहा। ओकर नाउँ लाबान रहा। रिबका ओका उ बातन क बताएस जउन ओसे उ मनई किहे रहा। लाबान ओकर बातन अनकत रहा। जब लाबान मुनरी अउ बहिनी क बाँहे प बाजूबन्द निहारेस तउ उ धाइके नारा प पहाँचा अउर हुआँ उ मनई नारा क लगे, ऊँटियन क बगल मैं टाइ रहा।^{३१} लाबान कहेस, “साहेब, आप पधारइँ आप क सुआगत अहइ। आप क हिआँ बाहेर खड़ा नाही रहब बाटइ। मइँ आपक ऊँटियन बरे एक जगह बनइ दीन्ह ह अउ आप सोवइ बरे एक ठु कमरा ठीक कइ दीन्ह ह।”

^{३२} एँह बरे इब्राहीम क नउकर लाबान क घर गवा। लाबान ऊँटन पइ स बोझ उतारइ मैं ओकर मदद किहेस अउ ऊँटन क खाइ बरे चारा दिहेस। तब लाबान पानी दिहेस जेहसे उ मनई अउ ओकरे

संग आए भएन दूसर नउकरन आपन गोड़ पखारि सकइ।^{३३} तब लावान ओका खाइ बरे दिहस। मुला नउकर खइया क खइ स मना कइ दिहस। उ कहेस, “मई तब तलक भोजन न करब जब तलक मई इ नाही बताइ देउं कि मई हिआँ काहे बरे आवा अहउं।”

एह बरे लावान कहेस, “तब हम पचन क बतावा।”

रिबका इसहाक क मेहरारु बनी

^{३४} नउकर कहेस, “मई इब्राहीम क नउकर अहउं।^{३५} यहोवा हमरे सुआमी प हर एक जगह कृपा किहेस ह। मोर मालिक महान मनई होइ ग अहइ। यहोवा इब्राहीम क कइउ भेड़िन क झुण्ड अउ गोरुअन क झुण्ड दिहे अहइ। इब्राहीम क लगे ढेरि क सोना, चाँदी अउ नउकर अहइ। इब्राहीम क लगे बहोत स ऊँट अउ गददा अहइ।^{३६} सारा, मोर सुआमी क पत्नी अहइ। जब उ बहोतइ बुढ़ाइ गइ उ एक पूत क जन्म दिहेस अउ हमार सुआमी आपन सब कछू उ पूत क दइ दिहस ह।^{३७} मोर सुआमी मोका एक बचन देइ बरे बेबस किहस। मोर सुआमी मोसे कहेस, ‘तू मोरे पूत क कनान क लरिकी स कउनो भी तरह बियाह नाही करइ देब्या। हम पचे ओनके बीच रहित ह मुला मई नाही चाहित कि उ कउनो कनानी लरिकी स बियाह करइ।^{३८} एह बरे तोहका बचन देइ क होइ कि तू मोरे बाप क देस जाब्या। मोरे परिवार मँ जा अउ मोरे पूत बरे एक ठु दुलहिन चुना।’^{३९} मई आपन सुआमी स कहेउं, ‘इ होइ सकत ह कि उ दुलहिन मोरे संग इ देस मँ आवइ स इन्कार करेस।’^{४०} मुला मोर मालिक कहेस, ‘मई यहोवा क सेवा करत हउं अउ यहोवा तोहरे संग आपन सरगदूत पठई अउ तोहर मदद करी। तोहका हूआँ मोरे आपन लोगन मँ स मोरे पूत बरे एक दुलहिन मिली।’^{४१} मुला जदि तू मोरे पिता क देस जात ह अउर उ पचे मोरे पूत बरे एक ठु दुलहिन देब मना करत हीं तउ तोहका इ बचन स छुटकारा मिलि जाइ।’

^{४२} “आजु मई इ नारा प आवा हउं अउर मई कहेउं ह, हे यहोवा मोर सुआमी क परमेस्सर कृपा कइके मोर जात्रा सुफल बनावा।^{४३} मई हिआँ नारा क लगे रुकब अउ पानी भरइ बरे आवइ वाली नवखिल मेहरारु क जोहब। तब मई कहब, “कृपा कइके आप आपन कूँडा स पिअइ बरे पानी द्या।”^{४४} नीक बिटिया ही खास तरह स जवाब देइ। उ कही, “इ पानी पिआ अउ मई तोहरे ऊँटियन बरे

पानी लावत अहउं।” इ तरह मई जानब कि इ उहइ मेहरारु अहइ जेका यहोवा मोर सुआमी क पूत बरे चुने अहइ।

^{४५} “मोर पराथना पूरी होइ क पहिले ही रिबका नारा प पानी भरइ आइ। पानी क कूँडा उ आपन काँधे प लइके धरे रही। उ नारा तलक गइ अउ उ पानी भरेस। मई एहसे कहेउं, ‘कृपा कइके मोका तनिक पानी द्या।’^{४६} उ फउरन काँधे स कूँडा क निहुराएस अउ मोरे बरे पानी उडैरेस अउ कहेस, ‘इ पिअइ अउ मई आप क ऊँटियन बरे पानी लिआउब।’ एह बरे मई पानी पिएउं अउ आपन ऊँटन क भी पानी पियाएउं।^{४७} तब मई एहसे पूछेउं, ‘तोहार पिता कउन अहइ?’ इ जवाब दिहस, ‘मोर पिता बतूएल अहइ। मोरे पिता क महतारी-बाप मिल्का अउ नाहोर अहइ।’ तबइ मई एका मुनरी अउ बाँहे बरे बाजूबन्द दिहेउं ह।^{४८} उ टेम मई आपन मूँड़ी निहुराएउं अउ यहोवा क धन्न कहेउं। मई आपन सुआमी इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा क प्रसंसा किहा। मई ओका धन्न कहेउं काहेकि उ सोझेइ मोरे सुआमी क भाई क नतिनी तलक मोका पहोंचाएस।^{४९} अब बतावा कि तू का करब्या ? का तू मोरे सुआमी प दयालु अउ स्वामिभक्त होब्या अउ आपन बिटिया ओका देब्या ? या तू आपन बिटिया देब मना करब्या ? मोका बतावा, जेहसे, मई इ समुझ सकउं कि मोका का करइ क वाटइ।”

^{५०} तब लावान अउ बतूएल जवाब दिहन, “हम पचे इ लखत अही कि इ यहोवा कइती स वाटइ। एका हम सबइ टारि नाही सकित।^{५१} रिबका तोहार अहइ। ओका ल्या अउ जा। आपन सुआमी क पूत स एका बियाह करइ द्या। इहइ अहइ जेका यहोवा चाहत ह।”

^{५२} इब्राहीम क नउकर सुनेस अउ उ यहोवा क समन्वा भुइया प निहुरा।^{५३} तब उ रिबका क उ सबइ भेंट दिहस जउन उ संग लिआवा रहा। उ रिबका क सोना अउ चाँदी क गहना अउ बहोत स सुन्नर ओढ़ना दिहस। उ, ओकरे भाई अउ महतारी क कीमती भेंट दिहस।^{५४} नउकर अउ ओकरे संग क मनई हूआँ ठहरेन अउ खाएन अउर पिएन। उ पचे हूआँ राति भइ ठहरेन। उ पचे दूसर दिन भिन्सारे उठेन अउ बोलेन “अब हम आपन मालिक क लगे जाब।”

^{५५} रिबका क महतारी अउ भाई कहेन, “रिबका क हम लोगन क लगे कछू दिन अउ ठहरइ द्या। ओका दस दिन तलक हमरे संग ठहरइ द्या। एकरे पाछे उ जाइ सकत ह।”

५६ मुला नउकर ओनसे कहेस, “यहोवा मोर जात्रा सफल किहेस ह। अब मोसे जिन जोहावा। मोका आपन मालिक क लगे लौटि जाइ या।”

५७ रिबका क भाई अउ महतारी कहेन, “हम पचे रिबका क बोलाउब अ ओसे पूछब कि उ का चाहत ह ?” ५८ उ पचे रिबका क बोलाएन अउ ओसे कहेन, “का तू इ मनई क संग अबहि जाइ चाहत अहा ?” रिबका कहेस, “हा, मई जाब !”

५९ एँह बरे उ पचे रिबका क इब्राहीम क नउकर अउ ओकरे संगी लोगन क साथे जाइ दिहन। रिबका क धाई भी ओनके संग गइ। ६० जब उ जाइ लाग अउ उ पचे रिबका स बोलेन, “हमार बहिनी, तू लाखन मनइयन क महतारी बना अउ तोहार संतान आपन दुस्मनन क हरावई अउ ओनके सहरन क हड़प लेई।”

६१ तब रिबका अउ धाई ऊँट प सवार भइन अउ नउकर अउ ओकरे संगी लोगन क पाछे चलइ लागिन। इ तरह नउकर रिबका क संग लिहस अउ घरे लउटइ बरे जात्रा सुरु किहस।

६२ इ टेम इसहाक बेर लहैरोई क तजि दिहे रहा अउ नेगेव मँ रहइ लगा। ६३ एक संझा क इसहाक मइदान मँ टहरत रहा। इसहाक नजर दउड़ाएस अउ बहोत दूर स ऊँटन क आवत लखेस।

६४ रिबका लखेस अउ इसहाक क निहारेस। तब उ ऊँट स कूदि पड़ी। ६५ उ नउकर स पूछेस, “हम मनइयन स मिलइ बरे खेतन मँ टहरत उ मनई कौन अहइ ?”

नउकर कहेस, “इ मोरे सुआमी क पूत अहइ।” एँह बरे रिबका आपन मुँह क पर्दा मँ छिपाइ लिहस।

६६ नउकर इसहाक क उ सबइ बातन क बताएस जउन घटि गइ रहिन। ६७ तब इसहाक बिटिया क आपन महतारी क तम्बू मँ लिआवा। उहइ दिन रिबका इसहाक क मेहरारु होइ गइ। इसहाक ओसे बहोत पिआर करत रहा। एँह बरे इसहाक क आपन महतारी क मउन क पाछे भी धीरज अउ दिलासा मिली।

इब्राहीम क परिवार

२५ १ इब्राहीम फुन बियाह किहस। ओकर नई मेहरारु क नाउँ कतूरा रहा। २ कतूरा जिमरान, योच्छान, मिधान, मिदान यिसबाक अउ सूह क जन्म दिहेस। ३ योच्छान, सबा अउ ददान क बाप रहा। ददान क संतानन अस्सूर, लुम्मी अउ लतूसी लोग रहेन। ४ मिदान क पूत

एपा, एपेर, हनोक, अबीदा अउ एल्दा रहेन। इ सबहि पूत इब्राहीम अउ कतूरा स पइदा भएन। ५-६ इब्राहीम मरइ स पहिले आपन मेहरारु नउकरन क पूतन क कछू भेंट दिहस। इब्राहीम पूतन क पूरब पठएस। उ एँनका इसहाक स दूर पठएस। एँकरे पाछे इब्राहीम आपन सबहि चीजन इसहाक क दइ दिहस।

७ इब्राहीम एक सौ पचहत्तर बरिस क उमर तलक जिअत रहा। ८ इब्राहीम धीमे धीमे दुबराइ गवा अउ संतुट्ट जीवन बिताइ क पाछे चल बसा। उ लम्बी भरपूर जिन्नगी बिताएस अउर ओका दफना दीन्ह गवा रहा। ९ ओकर पूत इसहाक अउ इस्माएल ओका मकपेला क गुफा मँ दफनाएन। इ गुफा सोहर क पूतन एप्रोन क खेते मँ अहइ। इ ममरे क पूरब मँ रही। १० इ उहइ गुफा अहइ जेका इब्राहीम हिती लोगन स बेसहे रहा। इब्राहीम क ओकर मेहरारु सारा क लाग गाड़ा गवा। ११ इब्राहीम क मरइ क पाछे परमेस्सर इसहाक प कृपा किहेस अउ इसहाक बेर लहैरोई मँ रहत रहा।

१२ इस्माएल क परिवार क इ सूची अहइ। इस्माएल इब्राहीम अउ हाजिरा क पूत रहा। (हाजिरा सारा क मिस्र देस क दासी रही।) १३ इस्माएल क पूतन क इ सबइ नाउँ अहइ पहिला पूत नबायोत रहा, तब केदार पइदा भवा, तब अदबेल, मिबसाम। १४ मिस्मा, दूमा, मस्सा, १५ हदद, तेमा, यतूर, नापीस अउ केदमा भएन। १६ इ सबइ इस्माएल क पूतन क नाउँ रहेन। हर एक पूत क आपन गाँव या सिबिर रहेन। आपन कबील क उपचे बारह राजकुमार रहेन। १७ इस्माएल एक सौ सैंतीस बरिस जिअत रहा। तबहीं उ मर गवा अउ दफना दीन्ह गवा रहा। १८ इस्माएल क सन्तानन हवीला स लइके सूर क लगे मिस्र क चौहद्दी अउ ओसे भी आगे अस्सूर क किनारे तलक, बसे रहेन अउ आपन रस्तेदारन पइ हमला करत रहेन।

इसहाक क परिवार

१९ इ इसहाक क कहानी बाटइ। इब्राहीम क एक पूत इसहाक रहा। २० जब इसहाक चालीस बरिस क रहा तब उ रिबका स बियाइ किहस। रिबका पद्दनराम क रहइवाली रही। उ अरामी बतूएल क बिटिया रही अउ लाबान क बहिन रही। २१ इसहाक क बसही बच्चा नाही पइदा कइ सकी। एँह बरे इसहाक यहोवा स आपन मेहरारु बरे

पराथना किहस। यहोवा इसहाक क बिनती सुनेस अउ यहोवा रिबका क गरभ धारण करइ दिहस।

२२ जब रिबका गरभ धारण किहे रही तब ओकरे गर्भ मँ बच्चे एक दूसर क संग धक्का धक्की करत रहेन। रिबका यहोवा स पराथना किहेस, अउ बोली, “मोरे संग अइसा काहे होत अहइ।”

२३ यहोवा कहेस,

“तोहरे गर्भ मँ दुइ रास्टर अहइँ।

दुइ परिवारन क राजा तोहसे पइदा होइहीं अउ उ पचे अलगाइ जइहीं।

एक पूत दूसर स बलवान होइ।

बड़का पूत छोटके पूत क सेवा करी।”

२४ अउर जब टेम पूरा भवा तउ रिबका जुड़ौधा लरिकन क जन्मेस। २५ पहिला लरिका लाल भवा। ओकर खाल रोवाँदार ओढना क नाई रही। एँह बरे ओकर नाउँ एसाव पड़ा। २६ जब दूसर लरिका पइदा भवा, उ एसाव क एँड़ी क मजबूती स धरे रहा। एँह बरे उ लरिका क नाउँ याकूब पड़ा। इसहाक क उमिर उ टेम साठ बरिस क रही। जब याकूब अउ एसाव पइदा भएन।

२७ लरिकन बड़ा भएन। एसाव एक होसियार सिकारी भवा। उ मइदानन मँ रहब पसन्द करइ लाग। मुला याकूब सान्त रहा। उ आपन तम्बू मँ रहत रहा। २८ इसहाक एसाव क पिआर करत रहा। उ ओन जनावरन क खाब पसन्द करत रहा जेका एसाव मारि क लइ आवत रहा। मुला रिबका याकूब क पिआर करत रही।

२९ एक दाई एसाव सिकार स लउटा। उ भूख स थका अउ कमजोर होइ गवा रहा। याकूब कछ्छू दाल पकावत रहा। ३० इ कारण एसाव याकूब स कहेस, “मइँ भूख स कमजोर होत अहउँ। तू उ लाल दाल मँ स कछ्छू मोका द्या।” (इहइ कारण अहइ कि लोग ओका एदोम कहत हीं।)

३१ मुला याकूब कहेस, “तोहका पहिलौटी होइ क अधिकार मोका आज बेचइ करइ क होइ।”

३२ एसाव कहेस, “मइँ भूख स मरा जात अहउँ। अगर मइँ मरि जात अहउँ तउ मोरे बाप क सब धन मोर मदद नाही कर पाइ। एँह बरे तोहका मइँ आपन हीसा देब।”

३३ मुला याकूब कहेस, “पहिले बचन द्या कि तू इ मोका देब्या।” एँह बरे एसाव याकूब क बचन दिहस। एसाव आपन पिता क धन क आपन हीसां याकूब क बेच दिहस। ३४ तब याकूब एसाव क रोटी अउ भोजन दिहस। एसाव खाएस, पिएस अउ तब चला गवा। इ तरह एसाव इ देखीएस कि

उ पहिलौटा होइ क आपन अधिकार क परवाह नाही किहेस।

इसहाक अबीमेलेक स झूठ बोलत ह

१ एक दाई अकाल पड़ा। इ अकाल वइसा २६ ही रहा जइसा इब्राहीम क टेम मँ पड़ा। एँह बरे इसहाक गरार सहर मँ पलिस्तियन क राजा अबीमेलेक क लगे गवा। २ यहोवा इसहाक स बात किहस। यहोवा इसहाक स इ कहेस, “मिस्र क जिन जा। उहइ देस मँ रहा जेहमाँ रहइ क हुकुम मइँ तोहका दिहेउँ ह। ३ उहइ देस मँ रहा अउर मइँ तोहरे संग रहब। मइँ तोहका आसीबाद देब। मइँ तोहका अउ तोहरे परिवार क उ सब पहटा देब। मइँ उहइ करब जउन मइँ तोहरे बाप इब्राहीम क बचन दिहेउँ ह। ४ मइँ तोहरे परिवार क आकास क तारा समूह क तरह बहोत स बनाउब अउर मइँ सारा पहटा तोहरे परिवारे क देब। धरती क सब रास्टर तोहरे सन्तानन क कारण मोर आसीबाद पाइ जइहीं। ५ मइँ इ एँह बरे करब कि तोहार बाप मोर हुकुम क मानेस अउ मइँ जउन कछ्छू कहेउँ, उ किहस। इब्राहीम मोरे हुकुमन, मोर कानूनन अउ मोरे नेमन क पालन किहस।”

६ इसहाक रुका अउ गरार मँ रहा। ७ इसहाक क मेहरारु रिबका बहोत सुन्नर रही। उ जगह क मनइयन इसहाक स रिबका क बारे मँ पूछेन। इसहाक कहेस, “इ मोर बहिन अहइ।” इसहाक इ कहइ स डेरान कि रिबका मोर मेहरारु अहइ। इसहाक डेरात रहा कि मनई ओकर मेहरारु क पावइ क ओका मारि डइहीं।

८ जब इसहाक हुआँ बहोत टेम तलक रहि चुका, तउ एक दिन अबीमेलेक आपन खिड़की स बाहेर झाँकिस अउ लखेस कि इसहाक, रिबका क संग हँसी अउर खेल करत अहइ। ९ अबीमेलेक इसहाक क बोलाएस अउ कहेस, “इ मेहरारु तोहार पत्नी अहइ। तू हम पचन स इ काहे कहया कि इ मोर बहिन अहइ।”

इसहाक ओसे कहेस, “मइँ डेरात रहेउँ कि तू ओका पावइ बरे मोका मारि डउब्या।”

१० अबीमेलेक कहेस, “तू हम पचन क बुरा किह्या ह। हम पचन क कउनो भी मनई तोहरे पत्नी क संग सोइ सकत रहा। तब उ बड़के पाप क दोखी होत।”

११ एँह बरे अबीमेलेक सबहि मनइयन क चिताउनी दिहस। उ कहेस, “इ मनसेधू अउ इ मेहरारु क कउनो चोट नाही पहाँचाई। अगर

कउनो एँनका चोटपहोँचाइ तउ उ मनई जान स मारि दिन्ह जाइ ।”

इसहाक धनी बना

१२ इसहाक उ भुइँया प खेती किहस अउ उ बरिस ओकरे बहोतइ फसिल भइ । यहोवा ओह प बहोतइ कृपा किहस । १३ इसहाक धनी होइ गवा । उ जियादा स जियादा धन तब तलक बटोरत रहा जब तलक बहोत धनी नाही होइ गवा । १४ ओकरे लगे बहोत स झुण्ड अउ गोरुअन क झुण्ड रहेन । ओकरे लगे ढेर दास भी रहेन । सबहि पलिस्ती ओसे डाह राखत रहेन । १५ एँह बरे पलिस्तियन ओन सबहि नारन क बर्बाद कइ दिहन जेनका इसहाक क बाप इब्राहीम अउ ओकर साथी लोगन कइउ साल पहिले खने रहेन । पलिस्तियन ओनका माटी स पाट दिहन १६ अउर अबीमेलक इसहाक स कहेस, “हमार देस तजि द्या । तू हम पचन स बहोत जियादा सकतीवाला होइ गवा अहा ।”

१७ एँह बरे इसहाक उ जगह तजि दिहस अउ गरार क छोटी नदी क लगे पड़ाव डालेस । इसहाक हुवइ ठहरा अउ हुवँइ रहा । १८ एकरे बहोत पहिले इब्राहीम कइउ नारा खने रहा । जब इब्राहीम मरा तउ पलिस्तियन माटी से इनारा पाटि दिहन । एँह बरे हुवइ इसहाक लौटा अउ ओन इनारान क फुन खनेस । उ नारा क उहइ नाउँ दिहस जउन नाउँ ओकर पिता दिहे रहा । १९ इसहाक क नउकरन छोटी नदी क लगे एक नारा खनेन । उ कुआँ स पानी क एक सोता फूट पड़ा । २० तब गरार क गड़रिया लोग उ नारा क कारण इसहाक क नउकरन स झगड़इ लागेन । उ पचे कहेन, “इ पानी हमार अहइ ।” एँह बरे इसहाक ओकर नाउँ एसेक राखेस । उ इ नाउँ एँह बरे दिहस कि उहइ जगह प उ मनइयन ओसे झगड़ा किहे रहेन ।

२१ तब इसहाक क नउकरन दूसर नारा खनेन । हुआँ क मनइयन उ नारा बरे भी झगड़ेन । एँह बरे इसहाक उ नारा क नाउँ सित्ना राखेस ।

२२ इसहाक हुआँ स हटा अउ दूसर नारा खनेस । उ इनारा बरे झगड़ा करइ कउनो नाही आवा । एँह बरे इसहाक उ इनारा क नाउँ रहोबोत राखेस । इसहाक कहेस, “यहोवा हिआँ हमरे बरे जगह दियाएस ह । हम पचे प्रगति करव अउर बढ़व अउ इहइ भुइँया पइ पूरी तरह सफल होइ जाव ।”

२३ उ जगह स इसहाक बेसेबा क गवा । २४ यहोवा उ रात इसहाक स बोला, “मई तोहरे पिता इब्राहीम क परमेस्सर अहउँ । जिन डेराअ । मई तोहरे संग अहउँ अउ मई तोहका आसीबाँद

देव । मई तोहरे परिवार क महान बनाउव । मई आपन सेवक इब्राहीम क कारण इ करव ।” २५ एँह बरे इसहाक उ जगह यहोवा क आराधना बरे एक वेदी बनाएस । इसहाक हुआँ पड़ाव डालेस अउ ओकर नउकर लोग एक इनारा खनेन ।

२६ अबीमेलक गरार स इसहाक क लखइ आवा । अबीमेलक आपन संग सलाहकार अहुज्जत अउ सेनापति पीकोल क लइ आवा ।

२७ इसहाक पूछेस, “तू मोका लखइ काहे आया ह ? तू एकरे पहिले मोरे संग दोस्ती नाही राखत रह्या । तू मोका आपन देस तजि देइ क बेबस किहा ।”

२८ उ पचे जवाब दिहन, “अब हम पचे जानित ह कि यहोवा तोहार संग अहइ । इ बरे हम चाहित ह कि हम पचे तोहरे संग एक समझौता करी । हम चाहित ह कि तू हमका एक बचन द्या । २९ हम पचे तोहका चोट नाही पहोँचावा, अब तू पचन क इ बचन देइ चाही कि तू हम लोगन क चोट नाही पहोँचउव्या । हम पचे तोहका पठवा ह । मुला हम पचे तोहका सान्ति स पठवा ह । अब इ बात साफ अहइ कि यहोवा तोहका आसीबाँद दिहेस ह ।”

३० एँह बरे इसहाक ओनका दावत दिहस । सबहि खाएन अउ पिएन । ३१ दूसर दिन भिन्सारे हर एक मनई बचन दिहस अउ किरिया खाएस । तब इसहाक ओनका सान्ति स बिदा किहस अउ उ पचे कुसल स ओकरे निचके स चला आएन ।

३२ उ दिना इसहाक क नउकर आएन अउ उ पचे आपन खना इनारा क बारे में बताएन । नउकरन कहेन, “हम पचे उ इनारा स पानी पिआह ।” ३३ एँह बरे इसहाक ओकर नाउँ सिबा राखेस अउ उ सहर अबहि भी बेसेबा क हवावत ह ।

एसाव क मेहररुअन

३४ जब एसाव चालीस बरिस क भवा उ हित्ती मेहररुअन स बियाह किहस । एक बेरी क बिटिया यहूदीत रही । दूसर एलोन क बिटिया बासमत रही । ३५ इ सबइ बियाहे स इसहाक अउ रिबका क मन दुःखी भवा ।

उत्तराधिकार क झगड़ा

२७ १ जब इसहाक बुढ़ाइ वा तउ ओकर अँखियन नीक नाही रहिन । इसहाक साफ-साफ नाही लिख सकत रहा । एक दिन उ आपन बड़का पूत एसाव क बोलाएस । इसहाक कहेस, “बेटवा !”

एसाव जवाब दिहस, “हाँ, पिताजी !”

२ इसहाक कहेस, “लखा, मई बुढाइ गवा अहउँ। होइ सकत ह कि मई हाली ही मरि जाउँ। ३ अब तू आपन तीरन अउ धनुख लइके, मोरे खातिर सिकार प जा। मोरे खाइ बरे एक ठु जनावर मारि लिआवा। ४ मोर मनचाहा खइया क बनावा। ओका मोरे लगे लिआवा, अउर मई एका खाब। तब मई मरइ स पहिले असीसब।” ५ एँह बरे एसाव सिकार करइ गवा। याकूब इसहाक स छल-कपट किहस

रिबका उ सबइ बात सुनि लिहे रही, जउन इसहाक आपन पूत एसाव स कहेस। ६ रिबका आपन पूत याकूब स कहेस, “सुना, मई तोहरे बाप क, तोहरे भाई स बतियात सुनेउँ ह। ७ तोहार पिता कहेस, ‘मोरे खाइ बरे एक जनावर मारा। मोरे बरे भोजन बनावा, अउ मई ओका खाब। तब मई मरइ क पहिले तोहका आसीबाद देबा’ ८ एँह बरे पूत सुना। मई जउन कहति अहउँ, करा। ९ आपन बोकरियान क बीच जा अउ दुइ नई बोकरी लिआवा। मई ओनका वइसा बनाउब जइसा तोहरे पिता क सोहाइ। १० तबइ तू उ भोजन आपन पिता क लगे लइ जाब्या अउ उ मरइ क पहिले तोहका ही आसीबाद देइ।”

११ मुला याकूब आपन महतारी रिबका स कहेस, “मुला मोर भाई रोवादार अहइ अउ मई ओकरी जगह रोवादार नाही अहउँ। १२ जदि मोर बाप मोका छुअत ही, तउ जान लेइही कि मई एसाव नाही अहउँ। तब उ पचे मोका आसीबाद नाही देइही। उ पचे मोका सरापिही काहेकि मई ओनके संग छल-कपट करइ क जतन किहेउँ ह।”

१३ यह पइ रिबका ओसे कहेस, “जदि कउनो परेसानी होइ तउ मई आपन दोख मान लेब। जउन मई कहति हउँ करा। जा, मोरे बरे बोकरियन लिआवा।”

१४ याहूब एँह बरे बाहेर गवा अउ उ दुइ बोकरियन क धरेस अउ आपन महतारी क लगे लइ आवा। ओकर महतारी इसहाक क पसंद क अनुसार विसेख तरीका स पकाएस। १५ तब रिबका उ पोसाक क उठाएस जउन ओकर बड़का पूत एसाव पहिरब पसंद करत रहा। रिबका आपन छोटका पूत याकूब क ओढ़ना पहिराइ दिहस। १६ रिबका बोकरियन क चाम क लिहस अउ याकूब क हाथे अउर गला प बाँध दिहस। १७ तब रिबका आपन पकावा भोजन उठाएस अउ ओका याकूब क दिहस।

१८ याकूब पिता क लगे गवा अउ बोला, “पिता जी।”

अउर ओकर पिता पूछेस, “हा पूत, तू कउन अहा?”

१९ याकूब आपन पिता स कहेस, “मई आप क बड़का बेटवा एसाव अहउँ। आप जउन कहने ह, मई कर दिहेउँ ह। अब आप बइठई अउ ओन जनावरन क खाई जेनकइ सिकार मई आप क बरे किहेउँ ह। तब आप मोका आसीबाद दइ सकत ही।”

२० मुला इसहाक आपन पूत स कहेस, “तू एँतनी हाली सिकार कइके जनावरन क कइसे मार्या ह?”

याकूब जवाब दिहस, “काहेकि आप क परमेस्सर यहोवा मोका हाली ही जनावरन क दियाइ दिहस।”

२१ तब इसहाक याकूब स कहेस, “मोर पूत मोरे लगे आवा जेहसे मई तोहका छुइ सकउँ। जदि मई तोहका छुइ सकउँ तउ मई इ जान जाब कि तू असलियत मँ मोर पूत एसाव अहा।”

२२ याकूब आपन बाप इसहाक क लगे गवा। इसहाक ओका छुएस अउ कहेस, “तोहार आवाज याकूब जइसी अहइ। मुला तोहार बाहन एसाव क रोवादार बाहन क नाई अहइ।” २३ इसहाक इ नाही जान पावा कि इ याकूब अहइ काहेकि ओकर बाँह एसाव क बाँह क नाई रोवादार रहिन। एँह बरे इसहाक याकूब क असीसेस।

२४ इसहाक कहेस, “का सचमुच तू मोर पूत एसाव अहा?”

याकूब जवाब दिहस, “हाँ, मई अहउँ।”

याकूब बरे आसीबाद

२५ तब इसहाक कहेस, “भोजन लिआवा। मई एका खाब अउ तोहका असीबाद देब।” एँह बरे याकूब ओका भोजन दिहस अउ उ खाएस। याकूब ओका दाखरस दिहस, अउर उ ओका पिएस।

२६ तब इसहाक ओसे कहेस, “पूत मोरे निचके आवा अउ मोका चूमा।” २७ एँह बरे याकूब आपन बाप क लगे गवा अउ ओका चूमेस। इसहाक एसाव क ओढ़ना क गन्ध पाएस अउ ओका असीसेस। इसहाक कहेस,

“अहा, मोर पूत क सुगन्ध यहोवा स बरदान पाइ गए

खेतन क सुगन्धि क नाई बाटइ।

२८ यहोवा तोहका बहोत बर्ख देइ।

जेसे तोहका बहोत फसिल अउ दाखरस मिलइ।

२९ सब लोग तोहार सेवा करइं।

रास्टर तोहरे समन्वा निहुरइ।

तू आपन भाई लोगन क ऊपर राज्ज करब्या।

तोहरी महतारी क पूत तोहरे समन्वा निहुरिही अउ तोहार हुकुम मनिही ।

हर एक मनई जउन तोहका सरापी, सराप पाइ अउ हर एक मनई जउन तोहका आसीबांद देइ, आसीबांद पाइ ।”

एसाव क “आसीबांद”

३० इसहाक याकूब क आसीबांद देब पूरा किहेस । तब जइसेन ही याकूब आपन बाप इसहाक क निचके स गवा, बइसेन ही एसाव सिकार कइके भीतर आवा । ३१ एसाव आपन पिता क मनचाहा भोजन बनाएस । एसाव एका आपन पिता क निचके लिआवा । उ आपन पिता स कहेस, “पिता जी, उठई अउ उ भोजने क खाई जउन आपका पूत आप क बरे मारेस ह । तब आप मोका आसीबांद दइ सकत ही ।”

३२ मुला इसहाक ओसे कहेस, “तू कउन अहा ?”

उ जवाब दिहस, “मई आप क पहिलौठी पूत एसाव अहउँ ।”

३३ तब इसहाक बहोतइ परेसान होइ गवा अउ बोला, “तब तोहरे आवइ स पहिले उ कउन रहा ? जउन भोजन बनाएस अउ मोरे संग लावा । मई उ सब खाएउँ अउ ओका आसीबांद दिहेउँ । अब आपन आसीबांद क लउटावइ क टेम निकरि गवा अहइ ।”

३४ एसाव आपन पिता क बात सुनेस । उ बहोतइ गुस्साइ गवा अउ करुआइ गवा । उ चिचियान । उ आपन बाप स कहेस, “पिताजी, तब मोका भी आसीबांद देई ।”

३५ इसहाक कहेस, “तोहार भाई मोका धोखा दिहेस । उ आवा अउ तोहार आसिबांद लइके गवा ।”

३६ एसाव कहेस, “ओकर नाउँ ही याकूब अहइ । इ नाउँ ओकरे बरे ठिक ही अहइ । ओकर इ नाउँ बिल्कुल ठीक ही रखा गवा अहइ । उ फुरइ चालबाज अहइ । उ मोका दुइ दाई धोखा दिहेस । उ पहिलउठी होइ क मोरे आधिकार क लइ ही चुका बाटइ अउर अब उ मोरे हीसा क आसीबांद क भी लइ लिहस ।” तब एसाव कहेस, “का आप मोरे बरे कउनो आसीबांद बचाइके रख्या ह ?”

३७ इसहाक जवाब दिहस, “नाही, अब बहोत देर होइ गइ । मई याकूब क तोहरे ऊपर राज्ज करइ क आधिकार दइ दिहेउँ ह । मई इ भी कहि दिहेउँ ह कि सब भाई ओकर सेवक होइही । मई ओका बहोत जियादा अन्न अउ दाखरस क आसीबांद दिहेउँ ह । पूत तोहका देइ क कछू नाही बचा अहइ ।”

३८ मुला एसाव आपन पिता स माँगत रहा । “पिता जी, का आप क लगे एक भी आसीबांद नाही बाटइ ? पिताजी, मोका भी असीसा ।” अइसेन एसाव रोवइ लाग ।

३९ तब इसहाक ओसे कहेस,

“तू अच्छी भुईया प नाही रहब्या । तोहरे लगे बहोत जियादा अन्न नाही होइ ।

४० तोहका जिअइ बरे संघर्स करइ क होइ

अउर तू आपन भाई क दास होब्या ।

मुला तू अजादी बरे लइब्या,

अउ ओकरे राज्ज स अजाद होइ जाब्या ।”

४१ एकरे पाछे इ आसीबांद क कारण जउन ओकर पिता दिए रहे एसाव याकूब स घिना करत रहा । एसाव मन ही मन सोचेस, “मोरे बाप हाली ही मरि जाइ अउ मई ओकर दुःख मनाउब । मुला ओकरे पाछे मई याकूब क मारि डाउब ।”

४२ जब रिबका याकूब क मारइ बरे एसाव क जोजना क सुनेस । तउ उ याकूब क बोलाएस अउर कहेस, “सुना, तोहार भाई एसाव तोहका मारि डावइ बरे जोजना बनावत ह । ४३ एह बरे पुत जउन मई कहति हउँ, करा । मोर भाई लाबान हारान मँ रहत ह । ओकरे पास जा अउ लुकान रहा । ४४ ओकरे लगे तनिक टेम तलक रहा जब तलक तोहरे भाई क किरोध नाही उतरत । ४५ तनिक समइ पाछे तोहार भाई भूलि जाइ कि तू ओनके संग का किहा ? तब मई तोहका लउटावइ बरे एक ठु नउकर क पठउब । एक ही दिन दुइनउँ पूतन क मई खोइ देइ नाही चाहित ।”

४६ तब रिबका इसहाक स कहेस, “तोहरा पूत एसाव हिचि मेहरारुअन स बियाह कइ लिहस ह । मई इ मेहरारुअन स तंग भए गवा अहउँ काहिकि इ सबइ हमरे परिवार क लोगन मँ स नाही अहई । अगर याकूब भी इ मेहरारुअन मँ स कउनो क संग बियाह करत ह तउ मई मरि जाइ चाहबिउँ ।”

२८ इसहाक याकूब क बोलाएस अउ ओका आसीबांद दिहस । तब इसहाक ओका हुकुम दिहस । इसहाक कहेस, “तू कनानी मेहरारु स बियाह नाही कइ सकत्या । २९ एह बरे इ ठउर क तजा अउ पढन-अराम क जा । आपन नाना बतूल क घराना मँ जा । हुआँ तोहार मामा लाबान रहत ह । ओकरी कउनो एक बिटिया स बियाह करा । ३० मई पराथना करत हउँ कि सब स सर्वसक्तीमान परमेस्वर तोहका आसीबांद देइ अउ तोहका बहोत स पूत देइ । मइ पराथना करत हउँ कि तू एक बड़का रास्टर क पिता बना । ४१ मई पराथना करत हउँ कि जउने तरह परमेस्वर

इब्राहीम क बरदान दिहे रहा उहइ तरह उ तोहका भी आसीबाद देइ। मई पराथना करत हउँ कि परमेस्सर तोहका इब्राहीम क आसीबाद देइ, मई पराथना करत हउँ कि तू जहा भी रहा उ धरती तोहार कब्जा में होइ। इ उहइ धरती अहइ जउन परमेस्सर इब्राहीम क दिहे रहा।”

५ तरह इसहाक याकूब क पढ़न-अराम क पढ़ा क पठएस। याकूब आपन मामा लाबान क लगे गवा। अरामी बतूल लाबान अउ रिबका क पिता रहा अउ रिबका याकूब अउ एसाव क महतारी रही।

६ एसाव क पता चला कि ओकर बाप इसहाक याकूब क आसीबाद दिहेस ह अउ याकूब क पढ़न-अराम में एक ठु मेहरारु क खोज बरे पठएस ह। एसाव क इ भी पता लाग कि इसहाक याकूब क आदेस दिहेस ह कि उ कनानी मेहरारु स बियाह न करइ। ७ एसाव इ समझेस कि याकूब आपन महतारी बाप क हुकुम मानेस अउ उ पढ़न-अराम क चला गवा। ८ एसावा एहसे इ समझेस कि ओकर बाप इ नाही चाहत कि ओकर पूत लोग कनानी मेहरारुअन स बियाह करइ। ९ एसाव क दुइ मेहरारुअन पहिले स ही रहिन। मुला उ इस्माएल क बियाह महलत स बियाह किहस। इस्माएल इब्राहीम क पूत रहा। महलत नवायोत क बहिन रही।

बेतेल-परमेस्सर क घर

१० याकूब बेसेबा क तजि दिहस अउ उ हारान क चला गवा। ११ याकूब क जात्रा करत समई में सूरज बूड़ गवा रहा। एह बरे याकूब रात बितावइ बरे एक जगह ठहर जाइ बरे गवा। याकूब उ जगह एक ठु चट्टान लखेस सोवइ बरे आपन मूँड़ धरेस। १२ याकूब सपन देखेस। उ लखेस कि एक सिड्डी भुइँया स सरगे तलक पहुँची अहइ। १३ याकूब सरगदूत क सिड्डी प चढ़त उतरत लखेस अउ यहोवा क सिड्डी क लगे खड़ा निहारेस। यहोवा कहेस, “मई तोहरे पितामह इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा अहउँ। मई इसहाक क परमेस्सर अहउँ। मई तोहका उ भुइँया देव जेह प तू अब सोवत अहा। मई इ भुइँया तोहका अउ तोहरे संतानन क देव। १४ तोहार संतानन ओतना ही होइही जेतना भुइँया प माटी क कण बाटेन। उ पचे पूरब, पच्छिम, उत्तर अउ दक्खिन चारिहू कइती फइलिही। धरती क सबहि परिवार तोहरे संतानन क कारण बरदान पइही।

१५ “मई तोहरे संग अहउँ अउर मई तोहार रच्छा करब। जहा भी जाब्या अउ मई इ भुइँया प तोहका लउटाइ लिआउब। मई तोहका तब तलक नाही तजि देव जब तलक मई उ नाही कइ लेव जउन मई करइ क बचन दिहेउँ ह।”

१६ तब याकूब आपन नीद स उठा अउ बोला, “मई जानत हउँ कि यहोवा इजगह प अहइ। मुला हिआँ जब तलक मई सोएउँ नाही रहे उ मई नाही जानत रहेउँ कि उ हिआँ अहइ।”

१७ याकूब डेरान। उ कहेस, “इ बहोत महिमा क जगह अहइ। इ तउ परमेस्सर क भवन अहइ। इ तउ सरग क दुआर अहइ।”

१८ याकूब दूसर दिन बहोत भिन्सारे उठा। याकूब उ सिला क उठाएस अउ ओका किनारे स टाइ कइ दिहस। तब उ यह पइ तेल चढाएस। इ तरह उ एका परमेस्सर बरे एक स्मृति पाथर बनाएस। १९ उ जगह क नाउँ लूज रहा मुला याकूब ओका बेतेल नाम दिहस।

२० तब याकूब एक बचन दिहस। उ कहेस, “जदि परमेस्सर मोरे संग रही अउ अगर परमेस्सर, जहा भी मई जात अहउँ, हुआँ मोर रच्छा करी। अगर परमेस्सर मोका खाइ क भोजन अउ पहिरइ क ओढ़ना देइ। २१ अगर मई आपन पिता क लगे सान्ति स लउटब। जदि परमेस्सर इ सबहि चिजियन करी, तउ यहोवा मोर परमेस्सर होइ। २२ इ जगह, जहा मई इ पाथर स्मृति पाथर क रूप में खड़ा किहेउँ ह, परमेस्सर क पवित्र ठउर होइ, अउ परमेस्सर जउन कछू मोका देइ ओकर दसवाँ हीसाँ मई तोहका देव।”

याकूब राहेल स मिलत ह

२९ १ तब याकूब आपन जात्रा जारी रखेस। उ पूरब क देस में गवा। २ याकूब निगाह किहस, उ मइदान में एक नारा लखेस। हुआँ इनारा क नगिचे भेड़ी क तीन झुण्ड पड़ी रहिन। इहइ एक नारा रहा जहा इ सबइ भेड़िन पानी पिअत रहिन। हुआँ एक बड़ी सिला स नारा क मुँड़ मुँदा रहा। ३ जब सबहि भेड़िन हुआँ बदुर जात रहिन तउ गडरिया चट्टान क नारा क मुँह प स हटावत रहेन। तब सबहि भेड़िन ओकर चल पी सकत रहिन। जब भेड़िन पी चुकत रहिन तब गडरिया सिला क फुन अपनी जगह प रख देत रहेन।

४ याकूब हुआँ गडरिया स कहेन, “भाईयन, आप लोग कहा क अहइ?”

उ पचे जवाब दिहन, “हम पचे हारान क अही।”

५ तब याकूब कहेस, “का आप लोग नाहोर क पूत लाबान क जानत ही ?”

गडेरियन जवाब दिहेन, “हम पचे ओका जानित ह।”

६ तब याकूब पूछेस, “उ कुसल स तउ अहइ ?”

उ पचे कहेन, “उ सबइ ठीक अहइ। सब कछ्छू बहोत नीक अहइ। लखा, उ ओकर बिटिया राहेल आपन भेड़िन क संग आवति अहइ।”

७ याकूब कहेस, “लखा, अबहि दिन अहइ अउ सूरज बूड़इ मँ अबहि, काफी देर बाटइ। रात बरे जनावरन क बटोरइ क अबहि टेम नाही बा। एँह बरे ओनका पानी द्या अउ ओनका मइदान मँ लौटि जाइ द्या।”

८ मुला उ गडेरियन कहेन, “हम पचे इ सबइ तब तलक नाही कइ सकित जब तलक सबहि झुण्ड नाही बटुरि जातिन। तब हम पचे सिला क नारा स हटाइव अउ सब भेड़िन पानी पीइही।”

९ याकूब जब गडेरियन लोगन स बात करत रहा तब राहेल आपन बाप क भेड़िन क संग आइ। (राहेल क काम भेड़िन क देख रेख करव रहा।) १० राहेल लाबान क बिटिया रही। लाबान, रिबका क भाई रहा, जउन याकूब क महतारी रही। जब याकूब राहेल क लखेस तउ जाइके सिला क हटाएस अउ भेड़िन क पानी पियाएस। ११ तब याकूब राहेल क चूमेस अउ भोकारा मारिके रोएस। १२ याकूब बताएस कि मइँ तोहरे बाप क खानदान स अहउँ। उ राहेल क बताएस कि मइँ रिबका क पूत अहउँ। एँह बरे राहेल घर क पराइ गइ अउ आपन बाप स कहेस।

१३ लाबान आपन बहिन क पूत याकूब क बारे मँ खबरिया सुनेस। एँह बरे लाबान ओसे भेटँइ परान। लाबान ओसे गले मिला, ओका चूमेस अउ ओका आपन घरे लइ आवा। याकूब जउन कछ्छू भवा रहा, ओका लाबान क बताएस।

१४ तब लाबान कहेस, “बहोत अच्छी बात अहइ तू हमरे खानदाने स अहा।” एँह बरे याकूब लाबान क संग एक महीना तलक रहा।

लाबान याकूब क धोखा देत ह

१५ एक दिन लाबान याकूब स कहेस, “इ ठीक नाही अहइ कि तू हमरे हिआँ बे पगारे क काम करतइ रहा। तू नातेदार अहा, नउकर नाही। मइँ तोहका का पगार देउँ ?”

१६ लाबान क दुइ बिटिया रहिन। बड़की लिआ रही अउ लहुरी राहेल।

१७ राहेल सुन्नर रही अउ लिआ क आँखियन कमजोर अउ धुंधरी रहिन। १८ याकूब राहेल स पिरस करत रहा। याकूब लाबान स कहेस, “जदि तू मोका आपन बिटिया राहेल क संग बियाह करइ द्या तउ मइँ तोहरे हिआँ सात बरिस तलक काम कइ सकत हउँ।”

१९ लाबान कहेस, “इ ओकरे बरे नीक होइ कि कउनो दूसर क बजाय उ तोहसे बियाह करइ। एँह बरे मोरे संग ठहरा।”

२० एँह बरे याकूब ठहरा अउ सात बरिस तलक लाबान बरे काम करत रहा। लेकिन इ समइ ओका बहोत कम लगा काहेकि उ राहेल स पिरस करत रहा।

२१ सात बरिस क पाछे उ लाबान स कहेस, “मोका राहेल क द्या जेहसे मइँ बियाह करउँ। तोहरे हिआँ मोरे काम करइ क टेम पूर होइ गवा।”

२२ एँह बरे लाबान उ जगह क सब लोगन क एक भोज दिहस। २३ उहइ राति लाबान आपन बिटिया लिआ क याकूब क लगे लावा। याकूब अउ लिआ अपुस मँ तन क संबंध जोड़न। २४ (लाबान आपन बिटिया बरे, दासी क रुप मँ आपन नउकरानी जिल्पा क दिहस।) २५ भिन्सारे याकूब जानेस कि उ लिआ क संग सोवा रहा। याकूब लाबान स कहेस, “तू मोका धोखा दिहा ह। मइँ तोहरे बरे कठिन मेहनत एँह बरे किहेउँ कि मइँ राहेल स बियाह कइ सकउँ। तू मोका धोखा काहे दिहा ह ?”

२६ लाबान कहेस, “हम पचे आपन देस मँ लहुरी बिटिया क जेट बिटिया स पहिले बियाह नाही करइ देइत।” २७ मुला बियाह क रस्म क पूरा हफता तलक मनावत रहा अउ मइँ राहेल क भी तोहका बियाह बरे देब। मुला तोहका सात बरिस तलक मोर सेवा करइ क पड़ी।”

२८ एँह बरे याकूब इहइ किहस अउ हप्ता क बिताएस। तब लाबान आपन बिटिया राहेल क भी ओका आपन मेहरारु क रुप मँ दिहस। २९ (लाबान आपन बिटिया राहेल क दासिनी क रुप मँ आपन नउकरानी बिल्हा क दिहस।) ३० एँह बरे याकूब राहेल क संग भी तने क सम्बंध किहस अउ याकूब राहेल क लिआ स जियादा पियार किहस। याकूब लाबान बरे अउर सात बरिस तलक काम किहस।

याकूब क परिवार बाढ़त ह

३१ यहोवा लखेस कि याकूब लिआ स जियादा राहेल क पिआर करत ह। एँह बरे यहोवा लिआ क इ जोगग बनाएस कि उ बच्चन क जन्म दइ सकइ। मुला राहेल क कउनो लरिका नाही भवा।

३२ लिआ एक पूत क जन्म दिहस। उ ओकर नाउँ रूबेन राखेस। लिआ ओकर नाउँ एँह बरे राखेस काहेकि उ कहेस, “यहोवा मोरे कष्टन क लखत ह। मोर पति मोका पिआर नाही करत, एँह बरे होइ सकत ह कि मोर भतार अब मोसे पिआर करइ।”

३३ लिआ फिन गरभधारण किहस अउ उ दूसर पूत क जन्म दिहस। उ इ पूत क नाउँ सिमोन राखेस। लिआ कहेस, “यहोवा सुनेस कि मोका पिआर नाही मिलत, एँह बरे उ मोका इ पूत दिहस।”

३४ लिआ फुन गरभधारण किहस अउ एक टु अउर पूत क जन्मेस। उ पूत क नाउँ लेवी धरेस। लिआ कहेस, “अब फुरइ मोर भतार मोका पिआर करी। मई ओका तीन पूत दिएउँ ह।”

३५ तब लिआ एक अउर पूत क जन्मेस। उ इ लरिका क नाउँ यहूदा धरेस। लिआ ओका इ नाउँ दिहस काहेकि उ कहेस, “अब मई यहोवा क स्तुति करब”। तब लिआ क बच्चा होब बन्द होइ गवा।

३० राहेल लखेस कि उ याकूब बरे कउनो बच्चा क जन्म नाही देति अहइ। राहेल आपन बहिनी लिआ स जलन करइ लाग। एँह बरे राहेल याकूब स कहेस, “मोका बच्चा द्या, वरना मई मरि जाब।”

२ याकूब राहेल प किरोध किहस। उ कहेस, “मई परमेस्सर नाही अहउँ। उ परमेस्सर ही बाटइ जउन तोहका बच्चन क जन्मइ स रोक दिहस ह।”

३ तब राहेल कहेस, “तू मोर दासी बिल्हा क लइ सकत ह। ओकरे संग सोआ अउ उ मोरे बरे बच्चा क जन्मी। तब मई ओकरे जरिये महतारी बनब।”

४ इ तरह राहेल आपन भतार याकूब बरे बिल्हा क दिहस। याकूब बिल्हा क संग तने क संबंध किहस। ५ बिल्हा गरभ धारण किहस अउ याकूब बरे एक पूत क जन्मेस।

६ राहेल कहेस, “परमेस्सर मोर पराथना सुनि लिहस ह। उ मोका एक पूत देइ क ठान लिहस ह।” एँह बरे राहेल इ पूत क नाउँ दान राखेस।

७ बिल्हा दुसरी दाई गरभ धारण किहस अउ उ याकूब क दूसर पूत दिहस। ८ राहेल कहेस, “मई आपन बहिनी क संग कठोर संघर्ष किहेउँ अउर मई जीत गएउँ ह।” एँह बरे उ इ पूत क नाउँ नप्ताली धरेउँ ह।

९ लिआ सोचेस कि उ अउर जियादा बच्चन क जन्म नाही दइ सकित। एँह बरे उ आपन दासी

जिल्पा क याकूब बरे दिहस। १० तब जिल्पा एक पूत क जन्म दिहस। ११ लिआ कहेस, “मोर भाग्य बाटइ। अब मेहररुअन मोका भाग्यवती कइही।” एँह बरे उ पूत क नाउँ गाद राखेस। १२ जिल्पा दूसर पूत क जन्मेस। १३ लिआ कहेस, “मई बहोतइ खुस अहउँ। मेहरारु मोका ‘खुस’ नाउँ स पुकारव्या।” एँह बरे उ लरिका क नाउँ आसेर धरेस।

१४ गोहु कटनी क समइ रूबेन खेतन मँ गवा अउ कछू दूदाफल **न क लखेस। रूबेन इ दूदाफलन क आपन महतारी लिआ क लगे लिआवा। मुला राहेल लिआ स कहेस, “कृपा कइके आपन पूत क दूदाफलन मँ स कछू मोका दइ द्या।”

१५ लिआ जवाब दिहस, “तू तउ मोरे भतार क पहिले ही लइ लिह ह। अब तू मोरे पूत क दूदाफलन क भी लइ लेइ चाहत अहा।”

मुला राहेल जवाब दिहस, “अगर तू आपन पूत क दूदाफलन मोका देव्या तू आज रात याकूब क संग सोइ सकित ह।”

१६ उ रात याकूब खेते स लउटा। लिआ ओका लखेस अउ उ आसे मिलइ गइ। उ कहेस, “आज राति तू मोरे संग सोउव्या। मई आपन पूत क दूदाफलन क तोहरे दाम क रुप मँ दिहेउँ ह।” एँह बरे याकूब उ रात लिआ क संग सोवा।

१७ तब परमेस्सर लिआ क फुन गरभधारण करइ दिहस। उ पाँचवें पूत क जन्म दिहस। १८ लिआ कहेस, “परमेस्सर मोका इ बात क ईनाम दिहस ह कि मई आपन दासी क आपन भतार क दिहेउँ ह।” एँह बरे लिआ आपन पूत क नाउँ इस्साकार धरेस।

१९ लिआ फुन गरभधारण किहस अउ उ छठवें पूत क जन्म दिहस। २० लिआ कहेस, “परमेस्सर मोका एक टु सुन्नर भेंट दिहस ह। अब सचमुच ही याकूब मोका अपनाई, काहेकि मई ओका छः लरिका दिहेउँ ह।” एँह बरे लिआ पूत क नाउँ जबूलून धरेस।

२१ एकरे पाछे लिआ एक बिटिया क जन्म दिहस। उ बिटिया क नाउँ दीना राखेस।

२२ तब परमेस्सर राहेल क पराथना सुनेस। परमेस्सर राहेल बरे बच्चा पइदा करब संभव बनाएस। २३ राहेल गरभ धारण किहेस अउ एक पूत क जन्म दिहस। राहेल कहेस, “परमेस्सर मोर लाज खतम कइ दिहस ह अउ मोका एक पूत दिहस ह।” २४ एँह बरे राहेल आपन पूत क नाउ यूसूफ

**३०:१४ दूदाफल (मैनडरेक्स) इ इब्रानी सब्द क अरथ अहइ पिरेम क पौधा। उ समइ मँ लोगन क धारना रह कि मेहररुअन क गर्भ होवइ मँ इ सहायता करत ह।

राखेस। अउर उ कहेस, “परमेस्सर मोका एक अउर पूत देइ।”

याकूब क धन दोलत बढ़त ह

२५ यूसुफ क जन्म क पाछे याकूब लाबान स कहेस, “अब मोका आपन घर लौटइ द्या। २६ मोका मोर मेहररून अउ बच्चा द्या। मई चौदह बरिस तलक तोहरे बरे काम कइके ओनका कमावा ह। तू जानत ह कि मई तोहार नीक सेवा किहेउँ ह।”

२७ लाबान ओसे कहेस, “मोका कछू कहइ द्या। मई महसूस करत हउँ कि यहोवा तोहरे कारण मोहे प कृपा किहेस ह। २८ बतावा कि तोहका मई का देउँ अउर मई उहइ तोहका देब।”

२९ याकूब जवाब दिहस, “तू जानत अहा कि मई तोहरे बरे कठिन मेहनत किहेउँ ह। तोहरे भेड़िन क झुण्ड बाढ़िन ह अउर जब तलक मई ओनकइ देख भाल किहेउँ ह, ठीक रहिन ह। ३० जब मई आवा रहेउँ, तोहरे लगे तनिक रहिन। अब तोहरे लगे बहोत जियादा अहइ। हर दाई जब मई तोहरे बरे कछू किहेउँ ह यहोवा तोहे प कृपा किहेस ह। अब मोरे बरे समइ आइ ग अहइ कि मई आपन बरे काम करउँ, इ मोरे बरे आपन घर बनावइ क टेम अहइ।”

३१ लाबान पूछेस, “तब मई तोहका का देउँ?”

याकूब जवाब दिहस, “मई नाही चाहत कि तू मोका कछू द्या। मई सिर्फ चाहत हउँ कि तू जउन मई काम किहेउँ ह ओकर दाम चुकाइ द्या। सिर्फ इहइ एक काम करा। मइ लउटाइब अउर तोहरी भेड़िन क देखरेख करब। ३२ मोका आपन सबहिं भेड़िन क झुण्ड क बीच स जाइ द्या अउ दागवाली या धारीदार हर एक भेड़ी क बच्चा अउ करिया बोकरी क बच्चा क मोका लइ लेइ द्या। मोका हर एक दागवाली या धारीवाली मादा बोकरी क लइ लेइ द्या। इहइ मोर पगार होइ। ३३ भविस्स मँ तू असाना स लखि लेब्या कि मई ईमानदार अहउँ। तू मोर भेड़ी क झुण्ड लखइ आइ सकत ह। जदि कउनो बोकरी दागदार नाही होइ या कउनो भेड़ी करिया नाही होइ तउ तू जान लेब्या कि मई ओका चोराएउँ ह।”

३४ लाबान जवाब दिहस, “मई एँका स्वीकार करत अहउँ। हम तोहका जउन कछू तू मँगब्या देब।” ३५ मुला उ दिन लाबान दागीदार बोकरीन क छुपाइ दिहस अउ लाबान सबहिं दागीदार या धारीदार बोकरीयन क छुपाइ दिहस। लाबान सब करिया भेड़िन क छुपाइ दिहस। लाबान आपन बेटहनन क इ सबइ भेड़िन क देखरेख करइ कहेस। ३६ एँह बरे पूत लोग सबहिं दागीदार जनावरन क

लिहन अउ उ पचे दुसरे ठउर प चला गएन। उ पचे तीन दिना तलक जात्रा किहन। याकूब रुक गवा अउ बचे भए जनावरन क देखरेख करइ लगेन। मुला ओहमाँ कउनो जनावर दागदार या करिया नाही रहा।

३७ एँह बरे याकूब चिनार, बादाम अउ अर्मोन बिरवन क हरियर डारिन क काटेस। उ ओकर छाल इ तरह उतारेस कि सबइ डार उज्जर धारीदार बनि गइन। ३८ याकूब पानी पिआवइ क जगह प डारिन क भेड़िन क झुण्ड क समन्वा धइ दिहस। जब गोरु पानी पिअइ आएन तउ उ जगह प गाभिन होइ बरे मिलेन। ३९ तब बोकरीयन जब डारिन क समन्वा गाभिन होइ बरे मिलिन तउ जउन बच्चन पइदा भएन उ सबइ दागीदार, धारीदार या करिया भएन।

४० याकूब दागीदार अउ करिया गोरूनन क भेड़ी क झुण्ड क गोरूनन स अलगाइ दिहस। तउ इ तरह, याकूब आपन गोरूनन क लाबान क जनावरन स अलग किहस। उ आपन भेड़िन क लाबान क भेड़िन क लगे नाही भटकइ दिहस। ४१ जब कबहु गोरूनन क खरका मँ हिट्ट पुट्ट जनावर गाभिन होइ बरे मिलत रहेन तब याकूब ओकरी अँखिन क समन्वा डारिन क रख देर रहा, ओन डारिन क निचके ही इ सबइ जनावरन धनाइ बरे मिलत रहेन। ४२ मुला जब कमजोर जनावर धनाइ बरे मिलत रहेन, तउ याकूब हुआ डार नाही धरत रहा। इ तरह मरट्ट जनावरन स पइदा भएन बच्चन लाबान क रहेन। हिट्ट पुट्ट गोरूनन स पइदा भए बच्चन याकूब क रहेन। ४३ इ तरह याकूब बहोत धनी होइ गवा। ओकरे लगे बहोत रेवइ, बहोत स नउकर लोग, ऊँट अउ गदहन रहेन।

बिदा होइ के टेम याकूब परात ह

३१ एक दिन याकूब लाबान क पूतन क बतियात सुनेस। उ पचे कहेन, “हम पचन क बाप क सब कछू याकूब लइ लिहे अहइ। याकूब धनी होइ गवा अहइ, अउर इ सारा धन उ हमरे पिता स लिहेस ह।” २ याकूब इ देखेस कि लाबान पहिले क तरह पिरम भाव नाही रखत ह। ३ यहोवा याकूब स कहेस, “तू आपन पुरखन क देस क लउटि जा जहा तू पइदा भए रह्या। मई तोहरे संग रहब।” ४ एँह बरे याकूब राहेल अउ लिआ स उ मइदान मँ मिलइ बरे कहेस जहाँ उ बोकरीयन अउ भेड़िन क खरका रखत रहा। ५ उ ओन स कहेस, “मई लखेउँ ह कि तोहार बाप मोसे गुस्सान अहइ। ओन क मोरे बरे उ पहिले जइसा पिरम-भाव अब

नाही रहा। मुला मोर बाप क परमेस्सर मोर संग रहब।^६ तू दुइनउँ जानत ह कि मई तू लोगन क पिता बरे ओतनी करी मेहनत किहेउँ, जेतना कइ सकत रहेउँ।^७ मुला तू लोगन क बाप मोका धोखा दिहस। तोहार बाप मोर पगार दस दाई बदलि दिहस। मुला इ पूरे टेम मँ परमेस्सर लाबान क सब धोखा स मोका बचाएस ह।

^८ “एक दाई लाबान कहेस, ‘तू दागवाली सबहि बोकरियन क रख सकत ह। इ तोहार पगार होइ।’ जब स उ इ कहे रहा तब स सबहि जनावरन दागवाली बच्चन क जन्मेन। इ तरह उ सबइ मोर रहेन। मुला लाबान तब कहेस, ‘मई दागवाली बोकरियन क राखब। तू सारी दागवाली बोकरियन क लइ सकत ह। इहइ तोहार पगार होइ।’ ओकरे इ तरह कहइ क पाछे सबहि गोरुअन धारीदार जनावरन क जन्म दिहेन।^९ इ तरह परमेस्सर जनावरन क तू पचन क पिता स लइ लिहस ह अउ मोका दइ दिहस ह।

^{१०} “जउन समइ जनावर गाभिन होइ क बरे मिलत रहेन मई एक सपन देखेउँ। मई देखेउँ कि सिरिफ नर जनावरन जउन गाभिन करइ बरे मिलत रहेन धारीदार अउ चितकबरा रहेन।^{११} सपन मँ परमेस्सर क सरगदूत मोसे बातन किहस। सरगदूत कहेस, ‘याकूब!’

“मई जवाब दिहेउँ ‘हा!’

^{१२} “सरगदूत कहेस, ‘लखा, सिरिफ दागदार अउ धरिदार बोकरियन भी गाभिन होइ बरे मिलत रहिन। मई अइसा करत अहउँ। मई उ सब बुरा लखेउँ ह जउन लाबान तोहरे बरे करत ह। मई इ एँह बरे करत हउँ कि बोकरियन क सबहि नई बच्चन तोहार होइ जइहीं।^{१३} मई उहइ परमेस्सर अहउँ जउन तोहार लगे बेतेल मँ आइ रहा। उ जगह तू एक वेदी बनाए रह्या अउर जइतून क तेल स ओका नहवाए रह्या अउ उ जगह तू मोसे एक प्रण किहे रहा। अब, उठा अउ उ जगहिया तजि द्या अउ वापिस आपन जन्म भूमि क लौटि जा।”

^{१४} राहेल अउ लिआ याकूब क जवाब दिहेन, “हम पचन क पिता क लगे मरइ प हम सबन क देइ क कछू नाही अहइ।^{१५} उ हम पचन क संग अजनबी जइसा बेउहार किहस ह। उ हम पचन क तोहार लगे बेच दिहस अउ उ सारा धन खरच कइ दिहस जउन हम पचन क होतेन।^{१६} परमेस्सर इ सब धन हमरे पिता स लइ लिहस ह अउ इ हमारा अउ हमारा सनतानन क अहइ। एँह बरे तू उहइ करा जउन परमेस्सर करइ बरे कहेस ह!”

^{१७} एँह बरे याकूब जात्रा क तइयारी किहस। उ आपन मेहररुअन अउ पूतन क ऊँटे प बइटाएस।^{१८} तब उ पचे कनान कइती लउटइ लागेन जहा ओकर बाप रहत रहा। जनावरन क भी सब झुण्ड, जउन याकूब क रहेन, ओनके अगवा चलत रहेन। उ उ सबइ चिजियन क संग लइ जात रहा जउन उ पढ़न-अराम मँ रहत भए पाए रहा।

^{१९} इ टेम लाबान आपन क भेड़िन क ऊन काटइ गवा रहा। जब उ बाहेर गवा तब राहेल ओकरे घरे मँ घुसी अउ आपन बाप क घरे क देवतन क चोराइ लइ गइ।

^{२०} याकूब अरामी लाबान क धोखा दिहस। उ लाबान क इ नाही बताएस कि उ हुआ स जात अहइ।^{२१} याकूब आपन परिवार अउ आपन सबहि चीजन क लिहस अउ हाली स चला गवा। उ पचे फरात नदी क पार किहन अउ गिलाद क पहाड़ी देस क ओर जात्रा किहन।

^{२२} तीन दिन पाछे लाबान क पता लाग कि याकूब पराइ गवा।^{२३} एँह बरे लाबान आपन मनइयन क बटोरेस अउ याकूब क पाछा सुरु किहस। सात दिन पाछे याकूब क गिलाद पहाड़े क लगे पाएस।^{२४} उ रात परमेस्सर लाबान क समन्वा सपन मँ परगट भवा। परमेस्सर कहेस, “होसियार रहा कि तू याकूब क कछू भी अच्छा या बुरा जिन कहा।”

चोराए भए देवतन क खोज

^{२५} दूसर दिन भिन्सारे लाबान याकूब क जाइ धरेस। याकूब आपन तम्बू पहाड़े प लगाए रहा। एँह बरे लाबान अउ ओकर मनइयन आपन तम्बू गिलाद पहाड़े प लगाएन।

^{२६} लाबान याकूब स कहेस, “तू मोका धोखा काहे दिहा? तू मोर बिटियन क अइसे काहे लइ जात अहा माना कि उ सबइ जुद्ध मँ धरी गइ होइ? ^{२७} मोसे बगैर कहे तू काहे परान्या? जदि तू कहे होत्या तउ मई तोहका भोज देतेउँ। ओहमाँ बाजा क संग नाचब अउ गाउब होत।^{२८} तू मोका आपन नातियन क चूमइ तलक नाही दिहा अउ न ही बिटियन क बिदा कइ दिहा। तू इ कइके भारी बेवकूफी किहा।^{२९} तोहका फुरइ चोट पहाँचावइ क सकती मोहमाँ बाटइ। मुला पाछे क राति मँ तोहरे बाप क परमेस्सर मोरे सपन मँ आवा। उ मोका चिताउनी दिहस कि मई कउनो तरह तोहका चोट न पहाँचावउँ।^{३०} मइ जानत अहउँ कि तू आपन घरे लउटइ चाहत बाटचा। इहइ कारण

अहइ कि तू हुआँ स चल पड्या ह। मुला तू मोरे घरे स देवतन क काहे चोराया ह ?”

३१ याकूब जवाब दिहस, “मई तोहसे बिना कहे भए चल पड्या, काहेकि मई ससान रहेउँ। मई सोचेउँ कि तू आपन बिटियन क मोसे लइ लेब्या। ३२ मुला मई तोहरे देवतन क नाही चोराएउँ। जदि तू हिआँ मोरे लगे कउनो मनई क, जउन तोहरे देवतन क चोराए अहइ, पावा, तउ उ मारि दीन्ह जाइ। तोहरे लोग ही मोर गवाह होइहीं। तू आपन कउनो भी चीज क हेर सकत ह। जउन कछू भी तोहार होइ, लइ ल्या।” (याकूब क इ पता नाही रहा कि राहेल लावान क घरे क देवतन क चोराएस ह।)

३३ एँह बरे लावान याकूब क सिबिर मँ गवा अउ ओहमाँ हेरेस। उ याकूब क तम्बू मँ हेरेस अउ लिआ क तम्बू मँ भी हेरेस। तब उ तम्बू मँ हेरेस जेहमाँ दुइनउँ दासिन ठहरी रहिन। मुला उ ओकरे घरे मँ देवतन क नाही पाएस। तब लावान राहेल क तम्बू मँ गवा। ३४ राहेल ऊँट क काठी मँ देवतन क छुपाइ राखे रही अउ उ ओनही प बइठी रही। लावान पूरा तम्बू मँ हेरेस उ देवतन क न हेरि सका।

३५ अउ राहेल आपन पिता स कहेस, “पिता जी, मोह पइ जिन कोहाआ। मई आपक समन्वा टाड़ होइ मँ समर्थ नाही अहउँ। इ टेम मोर मासिक धरम चलत बाटइ।” एँह बरे लावान पूरा सिबिर मँ हेरेस, मुला ओका हुआँ स देवतन क नाही पाइ सका।

३६ तब याकूब बहोतइ कोहान। याकूब कहेस, “मई का बुरा किहेउँ ह ? मई कउन सा नेम तोड़ेउँ ह ? मोर पाछा करइ अउ मोका रोक देइ क अधिकार तोहका कइसे अहइ ?” ३७ मोर जउन कछू अहइ ओहमाँ तू हेरि लिहा ह। तू अइसी कउनो चीज पाया जउन तोहार अहइ ? जदि तू कउनो चीज पाया ह तउ मोका देखेवा। ओका हिअँइ धरा जेसे हमार संगी लखि सकइँ। हमरे संगियन क तय करइ द्या कि हम दुइनउँ मँ कउन ठीक अहइ। ३८ मई तोहरे बरे बीस बरिस तलक काम किहेउँ ह। इ पूरा समइ मँ बच्चा जनमत समइ कउनो भी नान्ह भेड़ी अउ बोकरी क नाही मरी अउर न ही मई कउनो मेमना तोहरे झुण्ड मँ स खाएँ। ३९ जदि कबहु जंगली जनावरन कउनो भेड़ी क मारेन मई फउरन ओकर दाम खुद दइ दिहेउँ। मई कबहु मुर्दा जनावर क तोहरे लगे लइके इ नाही कहेउँ कि एहमाँ मोर दोख नाही। मुला रात-दिन मोका लूटा गवा। ४० दिन मँ सूरज मोर सकती

छोरत रहा अउ रात क जाड़ा मोरी अँखियन क नीद चोराइ लेत रहा। ४१ मई बीस बरिस तलक तोहरे बरे एक दास क तरह काम किहेउँ। पहिले क चौदह बरिस मई तोहरी दुइ बिटियन क बियाहइ बरे काम किहेउँ। तउ पाछे क छुः बरिस मई तोहरे जनावरन क पावइ बरे काम किहेउँ अउ इ बीच तू मोर पगार दस दाई बदल्या। ४२ मुला मोरे पुरखन क परमेस्सर इब्राहीम क परमेस्सर अउ इसहाक क भय मोरे संग रहा। जदि परमेस्सर मोरे संग नाही होत तउ तू मोका खाली हाथ पठइ देत्या। मुला परमेस्सर मोर दुःखे क लखेस। परमेस्सर मोरे किए काम क लखेस अउ पिछली रात परमेस्सर प्रमाण दइ दिहस कि मई नीक अहउँ।”

याकूब अउ लावान क मेल

४३ लावान याकूब स कहेस, “इ सबइ लरिकियन मोर बिटिहनियन अहइँ। ओनकइ बच्चन मोर बाटेन। इ सबइ जनावरन मोर अहइँ। जउन कछू भी तू हिआँ लखत अहा, मोर अहइ। मुला मई आपन बिटियन अउ ओनके बच्चन क रखइ बरे कछू नाही कइ सकत। ४४ एँह बरे मई तोहसे एक करार करइ चाहत अहउँ। हम पचे पाथर क ढेर लगाउब जउन इ बताइ कि हम पचे सन्धि कइ चुका अहइ।”

४५ एँह बरे याकूब एक बड़की चट्टान हेरेस अउ ओका इ पता देइ बरे हुआँ राखेस कि उ सन्धि किहेस ह। ४६ उ आपन मनइयन क अउर जियादा चट्टानन क हेरइ अउ चट्टानेँ क ढेर लगावइ क कहेस। तब उ पचे चट्टानन क लगे भोजन किहन। ४७ लावान उ जगह क नाउँ यजूर सहादूथ राखेस। मुला याकूब उ जगह क नाउँ जिलियाद धरेस।

४८ लावान याकूब स कहेस, “इ चट्टानन क ढेर हम दुइनउँ क हमार करार क सुमिरावइ मँ मदद करी।” इ कारण अहइ कि याकूब उ जगह क नाउँ गिलयाद कहेस।

४९ तब लावान कहेस, “थहोवा हम पचन क एक दूसर स अलग होइ क गवाह रहइ।” एह बरे उ जगह क नाउँ मिजपा भी होई।

५० तब लावान कहेस, “अगर तू मोर बिटियन क चोट पहाँचउब्या तउ याद राखा, परमेस्सर तोहका दण्ड देइ। अगर तू दूसर मेहरारु स बियाह करब्या तउ याद राखा, परमेस्सर तोहका लखत बाटइ। ५१ हिआँ इ सबइ चट्टानन अहइँ, जउन हमरे बीच मँ धरी अहइँ अउ इ खास चट्टानन अहइँ, जउन बतइही कि हम सन्धि कीन्ह ह। ५२ चट्टानन क ढेर अउ इ खास चट्टान हमका

सन्धि क सुमिरन करावई मैं मदद करी तू मोहसे लड़इ बरे इ चट्टानन स आगे मोर कइँती कबहु न अउब्या।^{५३} जदि हम पचे इ सन्धि क तोड़ देइ तउ इब्राहीम क परमेस्सर, नाहोर क परमेस्सर अउ ओनके पुरखन क परमेस्सर हम पचन क निआव करी।”

याकूब क पिता इसहाक परमेस्सर क “भय” नाउँ स गोहराएस। एँह बरे याकूब वाचा बरे उ नाउँ क प्रयोग किहस।^{५४} तब याकूब एक जनावर क मारेस अउ पहाड़े पइ बलि क रूप मैं एँका भेंट चढ़ाएस अउ उ आपन मनइयन क भोज मैं सामिल होइ बरे बोलाएस। भोजन करे क पाछे उ पचे पहाड़े प राति काटेन।^{५५} दूसर दिन भिन्सारे लावान आपन नातियन क चूमेस अउ बिटियन क बिदा किहस। उ ओनका असीसेस अउ घर लउटि गवा।

एसाव क संग फुन मेल

३२ ^१याकूब भी उ जगह तजेस। जब उ जात्रा करत रहा। उ परमेस्सर क सरगदूत क लखेस।^२ जब याकूब ओनका लखेस तउ कहेस, “इ परमेस्सर क पड़ाव अहइ।” एँह बरे याकूब उ जगह क नाउँ महनैम धरेस।

^३याकूब क भाई एसाव सेईर नाउँ क पहटा मैं रहत रहा। इ एदोम क पहाड़ी पहटा रहा। याकूब एसाव क लगे दूत पठएस।^४ याकूब दूत स कहेस, “मोर सुआमी एसाव क इ खबर द्या, तोहार नउकर याकूब कहत ह, भई इ सबइ बरिस मैं लावान क संग रहेउँ ह।^५ मोरे लगे गोरु, गदहन, झुण्ड अउ बहोत स नउकरन अउ मेहरारु नउकरन अहई। मई एनका तोहरे लगे पठवत अहउँ अउ चाहत अहउँ कि तू हमका स्वीकार करा।”

^६दूत याकूब क लगे लउटा अउ बोला, “हम तोहरे भाई एसाव क लगे गए। उ तोहसे भेंटइ आवत अहइ। ओकरे संग चार सौ अउजार धारी वीर अहई।”

^७उ संदेसा याकूब क डेराइ दिहस। उ आपन सबहि संगियन क दुइ दले मैं अलगाइ दिहस। उ आपन सबहि भेड़िन क खरका, गोरुअन क झुण्ड अउ ऊँटन क दुइ हीसा मैं बाँटेस।^८ याकूब सोचेस, “अगर एसाव आइके एक हीसा क नास करत ह तउ दूसर हीसा पराइ सकत ह अउ बचि सकत ह।”

^९याकूब कहेस, “हे मोरे पुरखा इब्राहीम क परमेस्सर। हे मोरे पिता इसहाक क परमेस्सर। यहोवा, तू मोका आपन देस मैं लउटइ अउ आपन परिवारे मैं आवइ बरे कहया। तू कहया कि तू मोर

भलाई करिब्या।^{१०} तू मोहे प बहोत दयालु रह्या ह। तू मोरे बरे बहोत नीक चीज किह्या ह। पहिली दाई मई जरिदन नदी क लगे जात्रा कीन्ह, मोरे लगे टहरइ क कुबरी क अलावा कछू भी नाही रहा। मुला मोरे लगे अब एँतनी चीजन बाटिन कि मई ओनका पूरा दुइ दलन मैं बाँटि सकउँ।^{११} तोहसे पराथना करत अहउँ कि कूप कइके मोका मोरे भाई एसाव स बचावा। मई ओसे ससान अहउँ। एँह बरे कि उ आइ अउ सबहि क, हिआँ तलक कि बच्चन क संग महतरियन क भी जान स मारि डाइ।^{१२} हे यहोवा, तू मोसे कहया, मई तोहार भलाई करव। मई तोहरे परिवार क बढाउव अउ तोहरे संताने क समुदर क बालू क कपन क तरह बाढ़इ देव। उ सबइ एँतना बेसी होइही कि गना नाही जाइ सकिही।”

^{१३}याकूब रात क उ जगह ठहरा। याकूब कछू चीजन एसाव क भेंट देइ बरे तइयार किहस।^{१४} याकूब दुइ सौ बोकरियन, बीस टु बोकरन, दुइ सौ भेड़िन अउ बीस भेड़ा लिहस।^{१५} याकूब तीस टु ऊँट अउ ओनकइ बच्चन, चालीस टु गइयन अउ दस टु बर्धन, बीस टु मादा गदहन अउ दस नर गदहन क लिहस।^{१६} याकूब जनावरन क हर झुण्ड नउकरन क दिहस। तब याकूब नउकरन स कहेस, “सब जनावरन क हर झुण्ड क अलग कइ ल्या। मोरे अगवा-अगवा चला अउ हर झुण्ड क बीच कछू दूरी राखा।”^{१७} याकूब ओनका हुकुम दिहस। जनावरन क पहिले झुण्ड वाला नउकर स याकूब कहेस, “मोर भाई एसाव जब तोहरे लगे आवइ अउ तोहसे पूछइ, इ केकर जनावर अहई? तू कहाँ जात अहा? तू केकर नउकर अहा?”^{१८} तब तू जवाब दिहा, “इ सबइ जनावरन आप क सेवक याकूब क अहई। याकूब एनका आपन सुआमी एसाव क भेंट क रूप मैं पठएस ह, अउ याकूब भी हम लोगन क पाछे आवत अहइ।”

^{१९}याकूब क दूसर नउकर, तीसरा नउकर, अउर सबहि दूसर नउकरन क इहइ बात क हुकुम दिहस। उ कहेस, “जब तू पचे एसाव स भेंटया तउ इहइ एक बात कहब्या।^{२०} तू पचे कहब्या, इ आप क भेंट अहइ, अउर आप क सेवक याकूब भी लोगन क पाछे आवत अहइ।”

याकूब सोचेस, “जदि मई भेंट क संग इ मनइयन क आगे पठवत हँ तउ इ होइ सकत ह कि एसाव मोका छिमा कइ देइ अउ मोका स्वीकार कइ लेइ।”^{२१} एँह बरे याकूब एसाव क भेंट पठएस। मुला याकूब उ रात आपन पड़ाव मैं ही ठहरा।

२२ पाछे उहइ रात याकूब उठा अउ उ जगह क तजि दिहस। याकूब आपन दुइनउँ मेहररुअन, आपन दुइनउँ दासिन अउ आपन ग्यारहु पूतन क साथ लिहस। घाटे प जाइ याकूब यब्बोक नदी क पार किहस। २३ याकूब आपन परिवार क नदी क उ पार पठाएस। तब याकूब आपन सबहि चिजियन क नदी क ओह पार पठइ दिहस।

परमेस्सर स मल्ल जुद्ध

२४ याकूब नदी क पार करइवाला आखिर मनई रहा। मुला पार करइ स पहिले जब तक उ अकेला ही रहा, एक टु मनई आवा अउ ओसे कुस्ती लड़इ लाग। उ मनई ओसे तब तलक कुस्ती लड़ेस जब तलक सूरज न निकरा। २५ मनई लखेस कि उ याकूब क हराइ नाही सकत। एँह बरे उ याकूब क गोड़ क ओकरे कूल्हा क जोड़ प छुएस। उ टेम याकूब क कूल्हा क जोड़ आपन जगह स हट गवा।

२६ तब उ मनई याकूब स कहेस, “मोका छोड़ द्या। सूरज ऊपर चढ़त बाटइ।”

मुला याकूब कहेस, “मई तोहका न छोड़व। मोका तोहका असीबाद देइ क होइ।”

२७ अउर उ मनई ओसे कहेस, “तोहार का नाउँ अहइ?”

अउर याकूब कहेस, “मोर नाउँ याकूब बाटइ।”

२८ तब मनई कहेस, “तोहार नाउँ याकूब नाही रही। अब तोहार नाउँ इस्राएल होइ। मई तोहका इ नाउँ एँह बरे देत हउँ कि तू परमेस्सर क संग अउ मनइयन क संग जुद्ध किहा ह अउ तू हरावा नाही जाइ सक्या।”

२९ तब याकूब ओसे पूछेस, “कृपा कइके मोका आपन नाउँ बतावई।”

मुला उ मनई कहेस, “तू मोर नाउँ काहे पूछत अहा?” उ टेम उ मनई याकूब क असीसेस।

३० एँह बरे याकूब उ जगह क नाउँ पनीएल राखेस। याकूब कहेस, “इ जगह मई परमेस्सर क साच्छात दरसन किहेउँ ह। किन्तु मोर जिन्नगी बच गइ।” ३१ जइसे ही उ पनीएल स गुजरा, सूरज निकरि आवा। याकूब आपन गोड़े क कारण लगडाइ के चलत रहा। ३२ एँह बरे आजु भी इस्राएल क लोग पुट्टा क मंस पेसी क नाही खातेन काहेकि इहइ मांस पेसी प याकूब क चोट लागि रही।

याकूब आपन बहादुरी देखावत ह

३३

याकूब निगाह उठाएस अउ एसाव क आवत लखेस। एसाव आवत रहा अउ

ओकरे संग चार सौ मनई रहेन। याकूब आपन परिवार क चार टोली मँ बाटेस। लिआ अउ ओकर बच्चन एक दल मँ रहेन, राहेल अउ यूसुफ एक दले मँ रहेन, दासी अउ ओकर लरिकन दुइ दले मँ रहेन। २ याकूब दासियन अउ ओनके बच्चन क अगवा राखेस। ओकरे पाछे ओनके पाछे लिआ अउ ओकरे बच्चन क राखेस अउ याकूब राहेल अउ यूसुफ क सब क आखिर मँ राखेस।

३ याकूब एसाव की ओर बढ़ा। एँह बरे उ पहिला मनई रहा जेकरे संग एसाव मिलेस। अपने भाई कइती बढ़त टेम प याकूब सात दाई भुईया प निहुरिके पैलगी किहेस।

४ जब एसाव याकूब क लखेस, उ ओसे भेंटइ दौड़ गवा। एसाव याकूब क आपन बाँही मँ भरि लिहस अउ छाती स चिपकाएस तब एसाव ओकर गरदन स चिपकाएस अउ ओकर चुम्बन लिहस। अउ दुइनउँ आनन्द स रोइ पडेन। ५ एसाव निगाह उठाएस अउ मेहररुअन अउ बच्चन क लखेस। उ कहेस, “तोहरे संग इ सबइ कउन लोग अहइ?”

याकूब जवाब दिहस, “इ सबइ उ बच्चन अहइ जेका परमेस्सर मोका दिहे अहइ। परमेस्सर मोहे प दयालु रहा ह।”

६ तब दुइनउँ दासियन आपन बच्चन क संग एसाव क लगे गएन। उ पचे ओका निहुरिके पैलगी किहन। ७ तब लिआ आपन बच्चन क संग एसाव क समन्वा गइन अउ उ पैलगी किहस अउर तब राहेल अउ यूसुफ एसाव क समन्वा गएन अउ उ पचे भी पैलगी किहन।

८ एसाव कहेस, “मई जउन सब मनइयन क हिआ आवत समइ देखेउँ उ सबइ कउन रहेन? अउ उ सबइ गोरुअन काहे बरे रहेन?”

याकूब जवाब दिहस, “उ सबइ तोहका मोर भेंट अहइ जेहसे तू मोका अंगीकार कइ सका।”

९ मुला एसाव कहेस, “भाई, तोहका मोहे बरे कउनो भेंट नाही देइ चाही काहेकि मोरे लगे सब कछू इफरात बाटइ।”

१० याकूब कहेस, “नाही! मई तोहसे बिनती करत अहउँ। जदि तू फुरे मोका अपनावत ह तउ कृपा कइके जउन भेंट देत अहउँ तू अपनावा। मई तोहका दूसरी दाई लखि के बहोत खुस अहउँ। इ तउ परमेस्सर क लखइ जइसा बाटइ। मई इ लखिके बहोत खुस अहउँ कि तू मोका अपनावत ह। ११ एँह बरे मई बिनती करत हउँ कि जउन भेंट मई देत अहउँ ओका भी स्वीकार करा। परमेस्सर मोरे ऊपर बहोतइ कृपालु रहा ह। मोरे लगे आपन जरूरत स बेसी अहइ।” इ तरह याकूब एसाव

स भेंट स्वीकार करइ के बिनती किहेस। एँह बरे एसाव भेंट अपनाइ लिहस।

१२ तब एसाव कहेस, “अब तू आपन जात्रा जारी किहे रहि सकत ह। मई तोहरे संग चलब।”

१३ मुला याकूब ओसे कहेस, “तू इ जानत ह कि मोर बच्चन अबहि दुबल बाटेन अउर मोका आपन झुण्ड अउ ओनके बच्चन क खास देख-रेख करइ चाही। अगर मई ओनका बहोत दूर एक दिन मँ चलइ बरे मजबूर करत हउँ तउ सबहि गोरु मरि जइही। १४ एँह बरे तू आगे चला अउ मई रसे रसे तोहरे पाछे आउब। मई गोरुअन अउ दूसर जनावरन क रच्छा बरे धीमे बढ़ब अउ मई बहोतइ रसे-रसे एँह बरे चलब कि मोर गदेलन बहोत जियादा थक न जाइँ। मई सेइर मँ तोहसे मिलब।”

१५ एँह बरे एसाव कहेस, “तब मई आपन कछू संगियन क तोहरी मदद बरे छोड़ देब।”

मुला याकूब कहेस, “इ तोहार बिसेस दाय़ा बाटइ। मुला अइसा करइ क कउनो जरूरत नाही बा।” १६ एँह बरे उ दिन एसाव सेईर क वापसी जात्रा प चल पड़ा। १७ मुला याकूब सुक्कोत क गवा। हुआँ उ आपन बरे एक ठु घर बनाएस अउर आपन गोरुअन बरे एक नान्ह नान्ह गोसालन क बनाएस। इहइ कारण इ जगह क नाउँ सुक्कोत राखेस।

१८ याकूब सुरच्छा क साथ आपना जात्रा पढ़न-अराम स सुरू कई क कनान पहटा मँ सकेम सहर तलक समाप्त किहेस। याकूब सहर क निचके मइदान मँ डेरा डाएस। १९ याकूब उ भुइँया क सकेम क बाप हमोर क परिवारे स बेसहेस। याकूब चाँदी क एक सौ सिक्का दिहस। २० याकूब परिवार क आराधना बरे हुआँ एक ठु वेदी बनाएस। याकूब जगह क नाउँ “एले, इस्राएल क परमेस्सर” राखेस।

दीना क संग कुकर्म

३४ १ दीना लिआ अउ याकूब क बिटिया रही। एक दिन दीना उ पहटा क मेहररुअन क लखइ बाहेर गइ। २ उ पहटा क राजा हमोर क पूत सकेम दीना क निहारेस। उ ओका धइ लिहस अउ आपन संग तने क सम्बंध राखइ बरेओका बेबस किहस। ३ तउ सकेम याकूब क बेटी दीना स परिम करइ लाग। एँह बरे उ ओकर दिल जीतइ क कोसिस किहेस। ४ सकेम आपन बाप स कहेस, “कृपा कइके इ लउँडिया क मोका दिआवा जेहसे मई एकरे संग बियाह कइ सकउँ।”

५ याकूब इ जान लिहेस कि सकेम ओकरी बिटिया दीना क संग बहोत बुरा कर्म किहस ह। मुला याकूब क सबहि पूत आपन गोरुअन क संग मइदान मँ गएन। एँह बरे उ सबइ जब तलक नाही आएन, याकूब कछू नाही किहस। ६ उ टेम सकेम क बाप हमोर याकूब क संग बात करइ गवा।

७ खेतन मँ याकूब क पूतन जउन कछू भवा रहा, ओकर खबर सुनेन। जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे बहोत कोहाइ गएन। उ पचे पगलाइ स गएन काहेकि सकेम याकूब क बिटिया क बलात्कार कइ के इस्राएल क बदनाम किहस। सकेम बहोतइ घिनौनी बात किहे रहा। एँह बरे सबहि भाई लोग खेतन स घर लउटेन।

८ मुला हमोर भाइयन स बात किहेस। उ कहेस, “मोर पूत सकेम दीना स बहोत परिम करत ह। मेहरवानी कइके ओका एकरे संग बियाह करइ द्या। ९ इ बियाह इ बात क प्रमाण होइ कि हम पचे खास सन्धि कीन्ह ह। तब हमार लोग तू पचन क मेहररुअन स अउ तोहर लोग हम पचन क मेहररुअन क संग बियाह कइ सकत हीं। १० तू लोग हमरे संग एक पहटा मँ रहि सकित ह। तू भुइँया क सुआमी बन्ब्या अउर हिआँ बइपार करइ बरे अजाद होब्या।”

११ सकेम याकूब अउ दीना क भाइयन स भी बात किहस। सकेम कहेस, “कृपा कइके मोका स्वीकार करा अउ मई जउन किहेउँ ओकरे बरे छिमा करा। १२ मई तोहका जउन कछू उपहार तू चाहत ह देब, अगर तू मोका सिरिफ दीना क संग बियाह करइ द्या।” मोका जउन कछू आप लोग करइ क कइही करब, मुला दीना क बियाह मोर संग होइ द्या।”

१३ याकूब क बेटहनन सकेम अउ ओकरे बाप स झूठ बोलइ क ठान लिहन। भाइयन अबहु भी पागल होत रहेन काहेकि सकेम ओनकइ बहिन दीना क संग अइसा घिनौना बेउहार किहे रहेन। १४ एँह बरे भाइयन ओसे कहेन, “हम लोग तोहका आपन बहिन क संग बियाह नाही करइ देब काहेकि तोहार खतना अबहि नाही भवा अहइ। हमरी बहिनी क तोहसे बियाह करब ठीक न होइ। १५ मुला हम पचे तोहका ओकरे संग बियाह करइ देब अगर तू इहइ एक काम करा कि तोहरे सहर क हर मनई क खतना हम पचन क तरह होइ जाइ। १६ तब तोहरे मनई हमरी अउरतन स बियाह कइ सकत हीं अउर हमार मनई तोहरी अउरतन स बियाह कइ सकत हीं। तब हम पचे एक ही लोग बन जाब। १७ जदि तू खतना कराउब नाही कबूल करब्या तउ हम लोग दीना क लइ जाब।”

१८ इ सन्धि हमोर अउ सकेम क बहोत खुस किहस। १९ दीना क भाइयन जउन कछू कहेन ओका करइ मँ सकेम बहोत खुस भवा। बदला सकेम परिवार क सबसे जियादा मजादी मनई रहा।

२० हमोर अउ सकेम अपने सहर क सभाघर क गएन। उ पचे सहर क लोगन स बातन किहन अउ कहेन, २१ “इस्राएल क इ सबइ लोग हमार मीत होवा चाहत हीं। हम लोगन क पास हम सबहि लोगन बरे संतुट्ट भुइँया अहइ। एह बरे उ लोगन क हम लोगन क भुइँया रहइ द्या अउर एहमाँ बइपार करइ क द्या। हम पचे एँनकी मेहररुअन क संग बियाह करइ क अजाद अही अउ हम लोग आपन मेहररुअन ओनका बियाहे बरे देइ मँ खुस अही। २२ मुला एक बात अहइ जेका करइ बरे सबहि क सन्धि करइ क होइ। ताकि उ पचे हम लोगन क बीच रही सका अउर हम पचे एक ही लोगन होइ सकब। हमार सबइ लोग भी उपचन्क क नाई खतना करावइ बरे राजी हो जाब। २३ जदि हम अइसा करब तउ ओनके गोरुअन अउ जनावरन स हम धनी होइ जाब। एँह बरे हम लोग ओनके संग इ सन्धि करी अउर उ पचे हिआँ हम लोगन क संग रहही।”

२४ सभाघरे प जउन लोगन इ बात सुनेन उ पचे हमोर अउ सकेम क संग राजी होइ गएन अउ उ टेम हर एक मनई क खतना कइ दीन्ह गवा।

२५ तीन दिना पाछे, खतना कइ दीन्ह गए मनइयन क अबहि जख्म रहेन। याकूब क दुइ पूत सिमोन अउ लेवी जानत रहेन कि इटेम लोग कमजोर होइहीं, एँह बरे उ नगर क गएन अउर उ पचे सबहि मनइयन क मारि डाएन। २६ दीना क भाई सिमोन अउ लेवी हमोर अउ ओकरे पूत सकेम क मारि डाएस। उ पचे दीना क सकेम क घरे स बहियाइ दिहेन अउ उ पचे चला गएन। २७ याकूब क दूसर पूतन सहर मँ गएन अउ उ पचे हुआँ जउन कछू रहा, लूटि लिहन। सकेम जउन कछू ओनकइ बहिनी क संग किहे रहा, ओसे उ सबइ अब तलक कोहान रहेन। २८ एँह बरे भाइयन ओनकइ सबहि जनावरन लइ लिहेन। उ पचे ओनकइ गदहन अउ सहर अउ खेतन मँ दूसर जउन कछू रहा, सब स लइ लिहन। २९ भाइयन ओन सबन क सब कछू लइ लिहन। भाइयन ओनकइ मेहररुअन अउ बच्चन तलक क लइ लिहन।

३० मुला याकूब सिमोन अउ लेवी स कहेस, “तू पचे मोर बरे मुसीबत खड़ी कइ दिहा ह। अउ इ प्रदेश क बसइयन क मन मँ घिना पइदा कराया

ह। सबहि कनानी अउ परिज्जी लोग हमरे खिलाफ होइ जइहीं। हिआँ हम बहोत तनिक अही। अगर इ पहुँटा क लोग हम पचन क खिलाफ लइइ खातिर बटुरि जइहीं तउ हम पचन बबांद होइ जाब। अउ हमरे संग हमार सबहि लोग नस्ट होइ जाइहीं। अउर मई अउ मोरे घरे क सबहि लोगन बबांद होइ जाइहीं।”

३१ मुला भाइयन जवाब दिहन, “क हम पचे ओन मनइयन क आपन बहिनी क संग पतुरिया जइसा बेउहार करइ देइ? नाही हमरी बहिनी क संग वइसा बेउहार करइ वाला लोग बुरा रहेन।”

याकूब बेतेल मँ

३५ १ परमेस्सर याकूब स कहेस, “बेतल सहर क जा, हुआँ बस जा अउ हुवँइ ‘एल’ परमेस्सर बरे जउन तोहरे समन्वा परगट भवा रहा जब तू आपन भाई एसाव स बचि के परात रह्या एक वेदी बनावा।”

२ एँह बरे याकूब आपन परिवार अउ आपन सबहि नउकरन स कहेस, “काठ अउ धातु क बना जउन बिदेसी देवतन तू पचन क लगे अहइ ओनका नस्ट कइ द्या। अपने क पवित्तर करा। ओढ़ना साफ पहिरा। ३ हम पचे इ जगह क तजि देब अउ बेतेल क जाब। उ जगह मँ आपन परमेस्सर बरे एक वेदी बनाउब। इ उहइ परमेस्सर अहइ जउन मोरे कस्ट क समइ मोर मदद किहस अउ जहाँ कहु मई गवा उ मोरे संग रहा।”

४ एँह बरे मनइयन क लगे जउन बिदेसी देवता रहेन, ओन सबहि क उ पचे याकूब क दइ दिहन। उ पचे आपन काने मँ पहिरी भइ सब बालियन क भी याकूब क दइ दिहन। याकूब सकेम नाउँ क सहर क नगिचे एक बलूत क बृच्छ क तरे इ सबहि चिजियन क गाइ दिहस।

५ तउ उ पचे तजि गएन अउर परमेस्सर ओनका चरीहू कइँती क सभी सहरन पइ भयंकर डर डाल दिऐन। एँह टू बरे उ पचे याकूब क पूतन पाछा नाही किहस। ६ एँह बरे याकूब अउ ओकर लोग लूज पहाँचेन। अब लूज क बेतेल कहत हीं। इ कनान प्रदेश मँ बाटइ। ७ याकूब हुआँ एक टु वेदी बनाएस। याकूब उ जगह क नाउँ “एल बेतेल” राखेस। याकूब इ नाउँ क एँह बरे चुनेस कि जब उ आपन भाई क हिआँ स परात रहत रहा, तब पहिली दाई परमेस्सर हिअँई परगट भवा।

८ रिबका क धाई दबोरा हिअँई मरी रही, उ पचे बेतेल मँ सिन्दूर क बृच्छ क खाले ओका गाइ

दिहन। उ पचे उ ठउर क नाउँ अल्लोनबक्कूत रखेन।

याकूब क नवा नाउँ

१ जब याकूब पद्दान अराम स लउटा तब परमेस्सर फुन ओकरे समन्वा परगट भवा। परमेस्सर याकूब क असीसेस। १० परमेस्सर याकूब स कहेस, “तोहार नाउँ याकूब अहइ। मुला मई उ नाउँ क बदलब। अब तू याकूब नाही कहवउब्या। तोहार नवा नाउँ इस्राएल होइ।” एँह बरे एकरे पाछे याकूब क नाउँ इस्राएल भवा।

११ परमेस्सर ओसे कहेस, “मई सर्वोच्च परमेस्सर अहउँ अउ तोहका मई इ आसीर्बाद देत हउँ तोहरे बहोत संतान होइँ अउर तु एक महान रास्टर बनी जाब्या। बहोत सारे रास्टर तोहसे अइहीं अउर राजा लोग तोहसे आइहीं। १२ मई इबराहीम अउ इसहाक क इ भुइँया दिहे रहेउँ। अब मई इ भुइँया तोहका अउर तोहार सन्तानन क देत अहउँ।” १३ तब परमेस्सर उ जगह तजि दिहस। १४-१५ याकूब इ ठउरे प एक स्मृति चट्टान खड़ी किहस, याकूब ओह चट्टान पइ दाखरस अउर तेल क भेंट उडैरेस। इ एक खास ठउर रहा काहेकि परमेस्सर हुआँ याकूब स बात किहस अउर याकूब उ ठउर क नाउँ बेतेल राखेस।

राहेल जन्म देत समइ मरी

१६ याकूब अउ ओकर दल बेतेल क तजि दिहन। एप्राता आवइ स ठीक पहिले राहेल आपन बच्चन क जन्म देइ लाग। १७ मुला राहेल क इ जन्म स बहोत तकलीफ होइ लाग। ओका बहोत दर्द होत रहा। राहेल क धाई ओका लखेस अउ कहेस, “राहेल, डेराअ जिन। तू एक अउर पूत क जन्म देति अहा।”

१८ पूत क जन्म देत समइ राहेल मरि गइ। मरइ क पहिले राहेल बच्चा क नाउँ बेनोनी राखेस। मुला याकूब ओकर नाउँ विन्यामीन राखेस।

१९ एप्राता क आवइवाली सड़क प राहेल क दफनावा गवा। (एप्राता बेतलेहेम अहइ।) २० अउर याकूब राहेल क सम्मान मँ ओकरी कबरे प एक टु चट्टान धरेस। उ खास चट्टान हुआँ आजु तलक बाटइ। २१ तब इस्राएल आपन जात्रा जारी राखेस। उ एदेर बुर्ज खम्बा क ठीक दक्खिन मँ आपन सिबिर डाएस।

२२ इस्राएल हुआँ तनिक समइ ठहरा। जब उ हुआँ रहा तब रूबेन इस्राएल क मेहरारु नउकरन

बिल्हा क संग सोएस। इस्राएल इ बारे मँ सुनेस अउ बहोत कोहाइ गवा।

इस्राएल क परिवार

याकूब क बारह पूत रहेन।

२३ ओकरी मेहरारु लिआ स ओकरे छः पूत रहेन: रूबेन, सिमोन, लेवी, यहूदा, इसाकार, जबूलून।

२४ ओकरी मेहरारु राहेल स ओकरे दुइ पूत रहेन: यूसुफ अउ विन्यामीन।

२५ राहेल क दासी बिल्हा स ओकरे दुइ पूत रहेन: दान अउ नफ्ताली।

२६ अउर लिआ क दासी जिल्या स ओकरे दुइ पूत रहेन: गाद अउ आसेर।

इ सबइ क पूत अहईँ जउन पद्दनराम मँ पइदा भए रहेन।

२७ ममरे क किर्यत-अर्बा अर्थात् हेब्रोन मँ याकूब आपन पिता इसहाक क लगे गवा। इ उहइ जगह अहइ जहाँ इबराहीम अउ इसहाक रहि चुका रहेन। २८ इसहाक एक सौ अस्सी बरिस क रहा। २९ इसहाक बहोत बरिस तलक जिअत रहा। जब उ मरा, उ बहोत बुढ़वा रहा। ओकरे पूत एसाव अउ याकूब ओका हुआँइ दफनाएन जहा ओकरे पिता क दफनावा गवा रहा।

एसाव क परिवार

३६ १ एसाव अर्थात् एदोम क इतिहास अहइ। २ एसाव कनान देस क मेहररुअन स बियाह किहस। एसाव क मेहररुअन रहिन: आदा, हिती एलोन क बिटिया। ओहोलीबामा हिर्वी सिबोन क नतिनी अउ अना क बिटिया। ३ बासमत इस्राएल क बिटिया अउ नबायोत क बहिन। ४ आदा एसाव क एक पूत एलीपज दिहस। बासमत क रूएल नाउँ क पूत भवा। ५ ओहोलीबामा एसाव क तीन पूत दिएस यूस, यालाम अउ कोरह इ सबइ एसाव क पूत रहेन। इ सबइ कनान पढटा मँ पइदा भए रहेन।

६-८ याकूब अउ एसाव क परिवार अब बहोत बाढ़ि गएन अउ कनान मँ इ बड़ा परिवार क खाइ-पिअइ क जुटाइ पाउब कठिन होइ गवा। एँह बरे एसाव कनान तजि दिहस अउ आपन भाइ याकूब स दूर दूसर पढटा मँ चला गवा। एसाव आपन सबहि चीजन क आपन संग लिआवा। कनान मँ रहत भवा उ सबहि इ चीजन क पाए रहा। एँह बरे एसाव आपन संग आपन मेहररुअन, पूतन बिटियन सबहि नउकरन, गोरु अउ दूसर सबहि

जनावरन क लिहस । एसाव अउ याकूब क परिवार
एतना बाढत रहेन कि ओनका एक जगह प रहब
कठिन रहा । उ भुईया दुइनउ परिवारे क पेट पालइ
बरे जियादा नाही रही । ओनके लगे बहोत जियादा
गोरु रहेन । एसाव पहाड़ी पहाटा सेइर कईती
बढ़ा । (एसाव क नाउँ एदोम भी अहइ ।)

१ एसाव एदोम क मनइयन क आदि बाप रहा ।
सेईर क पहाड़ी पहाटा मँ बसइयन एसाव क घराने
क इ नाउँ अहइ ।

१० एसाव क पूत रहेन: एलीपज, आदा अउ एसाव
क पूत । रूएल बासमत अउ एसाव क पूत ।

११ एलीपज क पाँच पूत रहेन: तेमान, ओमार, सपो,
गाताम अउ कनज ।

१२ एलीपज क एक तिम्ना नाउँ क उपपत्नी भी
रही । तिम्ना अउ एलीपज अमालेक क जन्म
दिहन ।

१३ रूएल क चार पूत रहेन: नहत, जेरह, सम्मा,
मिज्जा ।

इ सबइ एसाव क मेहरारु बासपत स ओकरे पोता
रहेन ।

१४ एसाव क तीसर मेहरारु अना क बिटिया
ओहोलीबामा रही । (अना सिबोन क पूत रहा)
एसाव अउ ओहोलीबामा क पूत रहेन: यूस,
यालाम, कोरह ।

१५ एसाव स चलइ वाला बंस इ सबइ ही बाटेन ।
एसाव क पहिला पूत एलीपज रहा । एलीपज स
तेमान, ओमार, सपो, कनज, १६ कोरह, गाताम,
अमालेक भएन ।

इ सबहि परिवार एसाव क मेहरारु आदा स भएन ।

१७ एसाव क पूत रूएल इ परिवारन क आदि पिता
रहा : नहत, जेरह, सम्मा, मिज्जा ।

इ सबहि परिवार एसाव क मेहरारु बासमात स
भएन ।

१८ अना क बिटिया एसाव क मेहरारु ओहोलीबामा
यूस, यालाम अउ कोरह क जन्म दिहन । इ
सबइ तीनउँ आपन-आपन घराने क बाप रहेन ।

१९ इ सबहि परिवार एसाव स चलेन ।

२० एसाव क पहिले एदोम मँ सेईर नाउँ क एक ठु
होरी मनई रहत रहा । सेईर क पूत इ सबइ अहइ :
लोतान, सोबाल, सिबोन, अना २१ दीसोन, एसेर,
दिसान । इ सबइ पूतन आपन परिवार क मुखिया
रहेन ।

२२ लोतान, होरी, हेमाम क बाप रहा । (तिम्ना
लोतान क बहिन रही ।)

२३ सोबल, अल्वान, मानहत एबल सपो, ओनाम क
पिता रहा ।

२४ सिबोन क दुइ पूत रहेन: अय्या अउर अना ।
(अना उ मनई अहइ जउन आपन पिता क
गदहन क देखेख करत समइ रेगिस्तान मँ गरम
पानी क झरना हेरेस ।)

२५ अना, दीसोन अउ ओहोलीबामा क पिता रहा ।

२६ दीसोन क चार पूत रहेन: हेमदान, एस्वान,
यित्रान, करान ।

२७ एसेर क तीन पूत रहेन: बिल्हान, जावान,
अकान ।

२८ दीसान क दुइ पूत रहेन: ऊस अउ अरान ।

२९ इ होरी परिवारन क मुखियन क नाउँ अहइ ।
लोतान, सोबाल, सिबोन, अना, ३० दिसोन,
एसेर, दीसान । इ सबइ मनइयन ओन परिवारन
क मुखिया रहेन जउन सेईर पहाटा मँ रहत
रहेन ।

३१ उ टेम एदोम मँ कइउ राजा रहेन । इस्राएल मँ
राजा होइ के बहोत पहिले एदोम मँ राजा रहेन ।

३२ बोर क पूत बेला एदोम मँ राज्ज करइ वाला
राजा रहा । उ दिन्हाबा सहर प राज्ज करत रहा ।

३३ जब बेला मरा तउ योबाब राजा भवा । योबाब
बोस्रा क जेरह क पूत रहा ।

३४ जब योबाब मरा, हूसाम राज्ज किहस । हूसाम
तेमानी लोगन क देस क रहा ।

३५ जब हूसाम मरा, हदद उ पहाटा प राज्ज किहस ।
हदद बदद क पूत रहा । (हदद उ मनई रहा जउन
मिद्यानी लोगन क मोआब देस मँ हराए रहा ।)
हदद अबीत सहर क रहा ।

३६ जब हदद मरा, सम्ला उ प्रदेश प राज्ज
किहस । सम्ला मस्रेक क रहा ।

३७ जब सम्ला मरा, साऊल उ पहाटा प राज्ज
किहस । साऊल फरात नदी क किनारे रहोबोत
क रहा ।

३८ जब साऊल मरि गवा, बाल्हानान उ देस प
हूकूमत किहस । बाल्हानान अकबोर क पूत
रहा ।

३९ जब बाल्हानान मरा, हदर उ प्रदेश प राज्ज
किहस । हदर पाऊ सहर क रहा । मत्रेद क
बिटिया हदर क मेहरारु क नाउँ महेतबेल रहा ।
(मत्रेद क बाप मेजाहब रहा ।)

४०-४३ एदोमी परिवारन,

तिम्ना, अल्वा, यतेत, ओहोलीबामा, एला,
पीपोन, कनज, तेमान, मिबसार, मग्दीएल
अउ ईराम आदि क बाप एसाव रहा । हर एक
परिवार एक ठु अइसे प्रदेश मँ रहत रहा जेकर
नाउँ उहइ रहा जउन ओनकइ परिवारे क नाउँ
रहा ।

सपन क देखइवाला यूसुफ

३७ १ याकूब ठहरि गवा अउ कनान पहटा मँ रहइ लाग। इ उहइ प्रदेस अहइ जहाँ ओकर बाप आइके बसा रहा। २ याकूब क परिवार क इहइ कथा अहइ।

यूसुफ एक सत्रह बरिस क जवान रहा। ओकर पेसा भेड़ी बोकुरियन क देखरेख करब रहा। यूसुफ इ काम अरथ अहइ कि बिल्हा अउ जिल्पा क पूतन क संग करत रहा। (बिल्हा अउ जिल्पा ओकरे बाप क मेहररुअन रहिन।) यूसुफ आपन बाप क आपन भाइयन क बुरी बातन बतावत रहा। ३ यूसुफ उ टेम पइदा भवा जब ओकर पिता इस्राएल बहोत बुढ़वा रहा। एँह बरे इस्राएल, यूसुफ क आपन दूसर पूतन स बेसी पिआर करत रहा। याकूब आपन पूत क एक खास कोट बनवाएस। इ कोट लम्बा अउ बहोत सुन्नर रहा। ४ यूसुफ क भाइयन लखेन कि ओनकइ बाप ओनसे बेसी यूसुफ क जियादा पिआर करत ह। उ पचे इहइ कारण आपन भाई स घिना करत रहेन। उ पचे यूसुफ स अच्छी तरह बात नाही करत रहेन।

५ एक दाई यूसुफ एक खास सपन लखेस। पाछे यूसुफ आपन इ सपना क बारे मँ आपन भाइयन क बताएस। एकरे पाछे ओकरे भाई पहिले स भी जियादा ओसे घिना करइ लागेन।

६ यूसुफ कहेस, “मइँ एक सपना देखेउँ ह। ७ हम पचे सबहि खेते मँ काम करत रहे। हम पचे गोहू क एक साथ बोझ बाँधत रहेन। मोर बोझा खड़ा होइ गवा अउ तू पचन क बोझ मोरे बोझे क चारिहु कइती घेरि लिहस। तब तोहार सबहि बोझ मोरे बोझे क निहुरिके प्रणाम किहस।”

८ ओकर भाइयन कहेन, “का, तू सोचत ह कि एँकर अरथ अहइ कि तू राजा बनव्या अउर हम पचन प राज्ज करव्या ?” ओकर भाइयन यूसुफ स अब अउर बेसी घिना करब सुरु किहेस काहिकि उ ओकरे बारे मँ सपना देखत रहा।

९ तब यूसुफ दूसर सपना देखेस। यूसुफ आपन भाइयन स इ सपना क बारे मँ बताएस। यूसुफ कहेस, “मइँ दूसर सपना लखेउँ ह। मइँ सूरज, चन्द्रमा अउ गियारह नछत्रन क आपन क प्रणाम करत लखेउँ।”

१० यूसुफ आपन बाप क भी इ सपना क बारे मँ बताएस। मुला ओकर पिता ओका डाँटिस। ओकर पिता कहेस, “इ कउने तरह क सपना अहइ ? का तोहका बिस्सास अहइ कि तोहार महतारी, तोहार भाई अउ हम पचे तोहका प्रणाम करिबइ ?”

११ यूसुफ क भाई ओहसे बराबर जलन करत रहा। मुला यूसुफ क पिता इ सबहि बातन क बारे मँ बहोत गहराई स बिचार किहस अउ सोचेस कि ओनकइ अरथ का होई ?

१२ एक दिन यूसुफ क भाई आपन बाप क भेड़िन क देखरेख बरे सकेम गएन। १३ याकूब यूसुफ स कहेस, “सकेम जा। तोहार भाई मोर भेड़िन क साथ हुआँ अहइ।”

यूसुफ जवाब दिहस, “मइँ जाब।”

१४ यूसुफ क बाप कहेस, “जा अउ लखा कि तोहार भाई सुरच्छित बाटइ। लौटिके आवा अउ बतावा कि का मोर भेड़िन ठीक अहइ ?” इ तरह यूसुफ क पिता ओका हेबरोन क घाटी स सकेम क पटाएस।

१५ सकेम मँ यूसुफ हेराइ गवा। एक मनई ओका खेतन मँ भटकत भवा पाएस। उ मनई कहेस, “तू का हेरत अहा ?”

१६ यूसुफ उत्तर दिहस, “मइँ आपन भाइयन क हेरत अहउँ। का तू बताइ सकत ह कि उ सबइ आपन भेड़िन क संग कहा अहइ ?”

१७ मनई जवाब दिहस, “उ पचे पहिले ही चला गवा अहइ। मइँ ओनका कहत भवा सुनेउँ कि उ पचे दोतान क जात अहइ।” एँह बरे यूसुफ आपन भाइयन क पाछे गवा अउ उ ओनका दोतान मँ पाएस।

यूसुफ गुलामी बरे बेचा गवा

१८ यूसुफ क भाइयन बहोत दूर स ओका आवत लखेन। उ पचे ओका मारि डावइ क कुचाल बनावइ क ठान लिहन। १९ भाइयन एक दूसर स कहेन, “इ सपना लखइवाला यूसुफ आवत अहइ। २० मौका मिलत ही हम पचे ओका मारि डाइ। हम ओकरे तने क झुरान भए इरनन मँ स कउनो एक मँ लोकाइ सकित ह। हम आपन पिता स कहि सकित ह कि एक ठु जंगली जनावर ओका मारि डाएस। तब हम पचे ओका देखाउब कि ओकर सपना बेकार अहइ।”

२१ मुला रूबेन यूसुफ क बचावइ चाहत रहा। रूबेन कहेस, “हम पचे ओका मारि नाही। २२ हम लोग ओका बिना चोट किहे एक ठु नारा मँ नाइ सकित ह।” रूबेन यूसुफ क बचावइ अउर ओकरे बाप क लगे पटवइ क जोजना बनाएस। २३ यूसुफ आपन भाइयन क लगे आवा। उ पचे ओह प धावा बोल दिहन अउ ओकरे लम्बे अउ सुन्नर कोट क फाइ डाएन। २४ तब उ पचे ओका खाली झुरान इनारा मँ बहाइ दिहन।

२५ यूसुफ इनारा मैं ओकर भाइयन क भोजन करइ बरे बड़ठइ तलक रहा। तब उ पचे नजर उटाएन अउ बड़पारियन क एक दल क लखेन। जउन गिलाद स मिस्र क जात्रा प रहेन। ओनकइ ऊँटन कइउ तरह क मसाला अउ धन लइ जात रहेन। २६ एँह बरे यहूदा आपन भाइयन स कहेस, “अगर हम लोग आपन भाई क मारि देब अउ ओकरी मउत क छुपाउब तउ ओसे हमला का लाभ मिली? २७ हम सबन क बेसी फायदा तब होइ जब हम ओका बड़पारियन क हाथ बेचि देइ।” दूसर भाई लोग मान गएन। २८ जब मिदर्यानी बड़पारी लोग लगे आएन, भाई लोग यूसुफ क नारा स बाहेर निकारेन। उ पचे बीस टु चाँदी क टूका मैं ओका बेचि दिहन। बड़पारियन ओका मिस्र लइ गएन।

२९ इ पूरा टेम रूबेन भाइयन क संग हुआ नाहीं रहा। उ नाहीं जानत रहा कि उ पचे यूसुफ क बेचि दिहे रहेन। जब रूबेन नारा प लौटिके आवा तउ उ लखेस कि यूसुफ हुआ नाहीं अहइ। रूबेन बहोत जियादा दुःखी भवा। उ आपन ओढ़ना क फाड़ेस। ३० रूबेन भाइयन क लगे गवा अउ उ ओनसे कहेस, “लरिका कुआँ प नाहीं अहइ। मई का करउँ?” ३१ भाइयन एक बोकरी क मोरेन अउ ओकरे खून क यूसुफ क सुन्नर कोट प डाएस। ३२ तब भाईयन उ कोट क आपन पिता क देखाएन अउ कहेन, “हमका इ कोट मिला बाटइ, का इ यूसुफ क कोट अहइ?”

३३ बाप कोट क लखेस अउ पहिचानेस कि इ यूसुफ क अहइ। पिता कहेस, “हा, इ उहइ क बाटइ। होइ सकत ह कि ओका कउनो जंगली जनावर मारि डाए होइ। मोरे पूत यूसुफ क कउनो जंगली जनावर खाइ गवा।” ३४ याकूब आपन ओढ़ना फाड़ि डाएस अउ सोक क ओढ़ना पहिर लिहेस। याकूब लम्बे समइ तलक आपन बेटवा क दुःख अउ सोक मैं पड़ा रहा। ३५ याकूब क सबइ बेटवन, बिटियन ओका धीरे बँधावइ क जतन किहन। मुला याकूब कबहु धीरे न धरि सका। याकूब कहेस, “मई मरइ क दिन तलक आपन पूत यूसुफ क दुःख मैं डूबा रहब।” अउर याकूब आपन पूत क दुःख परगट करब जारी रखा।

३६ ओन मिद्यानी बड़पारियन जउन यूसुफ क बेसहे रहेन, पाछे ओका मिस्र मैं बेचि दिहन। उ

पचे फिरौन क अंकरच्छेकन क सेनापति पोतीपर क हाथ ओका बेचेन।

यहूदा अउ तामार

३८ १ ओनही दिनन मैं यहूदा आपन भाइयन क तजि दिहस अउ हीरा नाउँ क मनई क संग रहइ चला गवा। हीरा अदुल्लाम सहर क रहा। २ यहूदा एक कनानी मेहरारु स हुआँ मिला अउ ओसे बियाह कइ लिहस। मेहरारु क बाप क नाउँ सूआ रहा। ३ कनानी मेहरारु एक पूत क जन्म दिहस। उ पचे ओकर नाउँ एर धरेन। ४ पाछे दूसर पूत क जन्म दिहस। उ पचे लरिका का नाउँ ओनान धरेन। ५ पाछे ओका दूसर पूत सेला नाउँ क भवा। यहूदा तीसर बच्चा क जन्म क टेम कजीब मैं रहत रहा।

६ यहूदा आपन पहिले पूत एर बरे बहू क रुप मैं एक टु मेहरारु क चुनस। मेहरारु क नाउँ तामार रहा। ७ मुला एर बहोत सी बुरी बातन क किहेस। यहोवा ओसे खुस नाहीं रहा। एँह बरे यहोवा ओका मारि डाएस। ८ तब यहूदा एर क भाई ओनान स कहेस, “जा अउर मरे भाई क मेहरारु क संग सोआ। ९ तू ओकरे भतार क नाई बना। अगर लरिका होइहीं तउ उ पचे तोहरे भाई एर क होइहीं।”

१० ओनान जानत रहा कि जोड़ा स पइदा भए लरिकन ओकर नाहीं होइहीं। ओनान तामार क संग तने क सम्बंध किहस। मुला उ ओका आपन गरभ धारण करइ नाहीं दिहस। ११ एहसे यहोवा कोहाइ गवा। एँह बरे यहोवा ओनान क भी मारि डाएस। १२ तब यहूदा आपन पतोहू तामार स कहेस, “आपन बाप क घरे लौटि जा। हुआँइ रहा अउर तब तलक बियाह जिन करा जब तलक मोर लहुरा पूत सेला बाढ़ न जाइ।” यहूदा क डर रहा कि सेला भी आपन भाइयन क तरह मारि डावा जाइ। तामार आपन बाप क घर लौटि गइ।

१३ पाछे सुआ क बिटिया यहूदा क मेहरारु मरि गइ। यहूदा आपन दुःख क टेम क पाछे अदुल्लाम क आपन मीत हीरा क संग तिम्ना गवा। यहूदा आपन भेड़ी क ऊन कतरइ तिम्ना गवा। १४ तामार क इ मालुम भवा कि ओकर ससुर यहूदा आपन भेड़िन क ऊन कतरइ तिम्ना क जात अहइ। १५ तामार हमेसा अइसे ओढ़ना पहिरत रही जेहसे मालुम होइ कि इ राँइ अहइ। एँह बरे उ कछू दूसर

११३८:८ जा ... सोआ इस्राएल मैं इ रिवाज रहा कि जदि कउनो मनई बे सन्ताने क मरि जात रहा तउ उ राँइ क भाइयन मैं स कउनो एक ओका बड़ठाइ लेत रहा। अगर कउनो लरिका पइदा होत रहा तउ उ मरे मनई क लरिका समझा जात रहा।

ओढ़ना पहिरेस अउ मुँह क पर्दा मँ ढाँकि लिहस। तब उ तिम्ना सहर क लगे एनैम क जाइवाली सड़क क किनारे बइठि गइ। तामार जानत रही कि यहूदा क लहुरा बेटवा अब बाढ़ि ग अहइ। मुला यहूदा ओसे ओकरे बियाहे क कउनो योजना नाही बनावत अहइ।

१५ यहूदा उहइ सड़क स जात्रा किहस। उ ओका लखेस, मुला बिचारेस कि उ पतुरिया अहइ। (ओकरे मुँह पतुरिया क तरह ढका भवा रहा।) १६ एँह बरे यहूदा ओकरे लगे गवा अउ बोला, “मोका आपन संग तने क सम्बंध करइ द्या।” (यहूदा नाही जानत रहा कि उ ओकर पतोहू तामार अहइ।)

तामार बोली, “तू मोका केतना देब्या?”

१७ यहूदा जवाब दिहस, “मइँ आपन भेड़ि क झुण्ड स तोहका एक नई बोकरी पठउव।”

उ जवाब दिहस, “मइँ एका अंगीकार करत अहइँ मुला पहिले तू मोका कछू रखइ क द्या जब तलक तू बोकरी नाही पठउत्या।”

१८ यहूदा पूछेस, “मइँ बोकरी पठइव एकरे सबूत बरे मोसे का लेइ चहुबिउ?”

तामार जवाब दिहस, “मोका तोहार मोहर अउर धगा द्या अउ मोका आपन टहरइ क कुबरी द्या।” यहूदा इ सबइ चीजन ओका दिहस। तब यहूदा अउ तामार तने क सम्बंध, किहन अउ तामार गोड़े स भारी होइ गइ। १९ तामार घरे गइ अउ मुँह क ढाँपइ वाला पर्दा क हटाएस। तब उ फुन आपन क राँड बतावइ वाला खास ओढ़ना क पहिरेस।

२० पाछे यहूदा आपन मीत हीरा क पतुरिया क बोकरी देइ एनैम पठएस जेका उ जबान दिहे रहा। यहूदा हीरा स खास मोहर अउ टहरइ क कुबरी भी ओसे लेइ बरे कहेस। मुला हीरा ओका न पाइ सका। २१ हीरा एनैम सहर क कछू लोगन स पूछेस, “सड़क क किनारे जउन पतुरिया रही, उ कहाँ बाटइ?”

मनइयन जवाब दिहन, “हिआँ कबहु कउनो पतुरिया नाही रही।”

२२ तउ यहूदा क मीत यहूदा क लगे लौटि गवा अउ ओसे कहेस, “मइँ उ मेहरारु क पता नाही लगाइ सकेउँ। जउन मनइयन उ जगह बसत अहइँ उ पचे मोका बताएन कि हुआँ कबहु कउनो पतुरिया नाही रही।”

२३ एँह बरे यहूदा कहेस, “ओका उ सबइ चीजन राखइ द्या। मइँ नाही चाहत कि लोग हम पचन प हसउआ करइ। मइँ ओका बोकरी देइ चाहेउँ, मुला

हम ओकर पता नाही लगाइ सके। इहइ बहोत अहइ।”

तामार लड़कोर होइवाली अहइ

२४ लगभग तीन महीना पाछे कउनो यहूदा स कहेस, “तोहार पतोहू तामार एक पतुरिया क नाई पाप किहे अहइ अउ अब उ गरभ धारण किहे अहइ।”

तब यहूदा कहेस, “ओका बाहेर निकारा अउ ओका जराइ के मार डवा।”

२५ ओकर आदमी तामार क मारइ गएन। मुला तामार आपन ससुर क लगे सँदेसा पठएस। तामार कहेस, “जउन मनई मोका गरभधारण कराएस ह उहइ क इ सबइ चीजन अहइँ। इ सबइ चीजन क लखा। उ सबइ केकर अहइँ? केकर इ खास मोहर अउ इ धागा अउर इ टहरइ क कुबरी अहइ?”

२६ यहूदा ओन सबहि चीजन क पहिचानेस अउ कहेस, “इ ठीक कहत बाटइ। मइँ गलती किहेउँ। मइँ आप क बचन क अनुसार आपन बेटवा सेला क एँका नाही दिहेउँ” अउ यहूदा ओकरे संग फुन नाही सोवा।

२७ तामार क लरिका जन्मइ क टेम आवा अउ उ पचे लखेन कि उ जुड़ौधा बच्चन क जन्मी। २८ जउन टेम उ जन्मत रही एक लरिका बाहेर हाथ निकारेस। धाई हाथे प लाल धागा बाँधेस अउ कहेस, “इ बच्चा पहिले पइदा भवा।” २९ मुला उ बच्चा आपन हाथ वापिस भितरे हीच लिहस। तब दूसर बच्चा पहिले पइदा भवा। तब दाई कहेस, “लखा तू कैसे निकरइ आएस।” एँह बरे उ पचे ओकर नाउँ परेस राखेन। ३० एँकरे पाछे दूसर बच्चा पइदा भवा। इ उहइ बच्चा रहा जेकरे हाथे प लाला धागा रहा। उ पचे ओकर नाउँ जेरह राखेन।

यूसुफ क मिस्र क पोतीपर क बेचा गवा

३१ बइपारी लोग जउन यूसुफ क बेसहे रहेन उ ओका मिस्र लइ गएन। उ पचे फिरौन क अंगरच्छक क नायक पोतीपर क हाथ ओका बेच दिहन। २ मुला यहोवा यूसुफ क मदद किहस। यूसुफ एक सफल मनई बन गवा। यूसुफ आपन मिस्र क मालिक पोतीपर क घरे मँ रहा।

३ पोतीपर लखेस कि यहोवा यूसुफ क संग अहइ। पोतीपर इ भी लखेस कि यहोवा जउन कछू यूसफ करत ह, ओहमा ओका सफल बनवइ मँ सहायक बाटइ। ४ एँह बरे पोतीपर यूसुफ क पाइके बहोत खुस रहा। पोतीपर ओका आपन बरे काम करइ अउ घर क सासन मँ मदद करइ बरे राखेस।

पोतीपर क आपन हर एक चीज क यूसुफ अफसर रहा।^५ जब यूसुफ घरे क अफसर बनइ दीन्ह गवा तब यहोवा उ घर अउ पोतीपर क हर एक चीज क असीसेस। यहोवा इ यूसुफ क कारण किहेस अउ यहोवा पोतीपर क खेतन में उगइवाली हर चीज क असीसेस।^६ एँह बरे पोतीपर घर क हर चीज क जिम्मेदारी यूसुफ क दिहस। पोतीपर कउनो चीज क चिन्ता नाही करत रहा। उ जउन खइया क खात रहा सिरिफ ओकर ओका फिकिर रही।

यूसुफ पोतीपर क मेहरारु क अस्वीकार करत ह

यूसुफ बहोत सुन्नर अउ रुपवान रहा।^७ कुछ टेम पाछे यूसुफ क मालिक क मेहरारु यूसुफ स पिरेम करइ लाग। एक दिन उ ओसे कहेस, “मोरे संग सोआ।”

^८ मुला यूसुफ मना कइ दिहस। उ कहेस, “मोर मालिक घर क हर चीज बरे मोहे प बिस्सास करत ह। उ हिआँ क हर चीज क जिम्मेदारी मोका दिहेस ह।^९ मोर मालिक आपन घर मँ मोका लगभग आपन क बराबर सम्मान दिहेस ह। मुला मोका ओकरी मेहरारु क संग नाही सोवइ चाही। इ गलत अहइ। इ परमेस्सर क खिलाफ पाप अहइ।”

^{१०} उ मेहरारु हर दिन यूसुफ स बात करत रही मुला यूसुफ ओकरे संग सोवइ स मना कइ दिहस।^{११} एक दिन यूसुफ आपन काम करइ घरे मँ गवा। उ टेम उ घरे मँ अकेल्ला मनई रहा।^{१२} ओकरे मालिक क मेहरारु ओकर कोट धइ लिहस अउ ओसे कहेस, “आवा अउ मोरे संग सोवा।” मुला यूसुफ घरे स पराइ गवा अउ उ आपन कोट ओकरे हाथे मँ छोड़ दिहस।

^{१३} मेहरारु लखेस कि यूसुफ आपन कोट ओकरे हाथे मँ छोड़ दिहे अहइ अउ उ जउन कछू भवा ओकरे बारे मँ झूठ बोलइ क ठान लिहस। उ बाहेर दौड़ी।^{१४} अउर उ घरे क उ मनइयन क गोहराएस। उ कहेस, “लखा, इ हिब्रू दास हम पचन क मजाक करइ हिआँ आवा रहा। उ भितरे आवा अउ मोरे संग सोवइ क कोसिस किहस। मुला मइँ जोर स नरियाइ पड़ी।^{१५} मोर नरियाब ओका ससाइ दिहस अउ उ पराइ गवा। मुला उ आपन कोट मोरे लगे छोड़ गवा।”^{१६} एँह बरे उ यूसुफ क मालिक आपन भतारे क घर लौटइ क समइ तलक ओकरे कोट क आपन लगे राखेस।^{१७} अउर उ आपन भतार क कहानी सुनाएस। उ कहेस, “जउन हिब्रू दास क तू हिआँ लिआया उ मोह प हमला करइ क कोसिस किहस।^{१८} मुला जब उ मोरे लगे आवा तउ मइँ

चिचियाई। उ पराइ गवा, मुला आपन कोट छोड़ गवा।” यूसुफ कारगार मँ

^{१९} यूसुफ क मालिक स जउन ओकरी मेहरारु स कहेस, ओक सुनेस अउ उ बहोत रिसियाइ गवा।^{२०} हुआँ एक जेल रही जेहमाँ राजा क दुस्मन रखा जात रहेन। एँह बरे पोतीपर यूसुफ क उहइ जेल मँ धाँध दिहस अउ यूसुफ हुआँ पड़ा रहा।

यूसुफ कारगार मँ

^{२१} मुला यहोवा यूसुफ क संग रहा। यहोवा ओह पइ कृपा करत रहा।^{२२} कछू टेम पाछे जेल क रच्छक क मुखिया यूसुफ स सोनेह करइ लाग। रच्छकन क मुखिया सबहि कैदियन क अफसर यूसुफ क बनाएस। यूसुफ ओनकइ मुखिया रहा, मुला काम उहइ करत रहा जउन उ पचे करत रहेन।^{२३} रच्छकन क मुखिया जेल क सबहि चीजन क बरे यूसुफ प पतियात रहा। इ एँह बरे भवा कि यहोवा यूसुफ क संग रहा। यहोवा यूसुफ क, उ जउन कछू करत रहा, सुफल होइ मँ मदद करत रहा।

यूसुफ दुइ सपना क अरथ बतावत ह

^१ पाछे फिरौन क दुइ नउकरन ओकर संग कछू गलत किहेन। इ नउकरन मँ स एक ठु रोटी पोवइया अउ दूसर दाखरस देइ क सेवा करत रहा।^२ फिरौन आपन रोटी पोवइया अउ सरब देइवाला नउकर पर रिसियाइ गवा।^३ एँह बरे फिरौन उहइ जेल मँ ओनका पठएस जेहमाँ यूसुफ रहा। फिरौन क अंगरच्छक लोगन क नायक पोतीपर उ जेल क अफसर रहा।^४ नायक दुइनउँ कैदियन क यूसुफ क देखरेख मँ राखेस। दुइनउँ कछू टेम तलक जेल मँ रहेन।^५ एक रात दुइनउँ कैदियन सपना देखेन। दुइनउँ कैदी मिस्र क राजा क रोटी पोवइया अउ दाखरस देइवाला नउकर रहेन। हर एक कैदी क आपन-आपन सपना रहेन अउ हर एक सपना क अलग-अलग अरथ रहा।^६ यूसुफ दूसर भिन्सारे ओनकइ लगे गवा। यूसुफ लखेस कि दुइनउँ मनई परेसान रहेन।^७ यूसुफ पूछेस, “आजु तू पचे एतना परेसान काहे देखाइ पड़त ह?”

^८ दुइनउँ मनई जवाब दिहन, “पिछली रात हम पचे सपना देखा, मुला हम लोग नाहीं बूझित कि सपना क का अरथ अहइ? कउनो मनई अइसा नाही अहइ कि जउन सपना क अरथ बतावइ या हम पचन क साफ साफ बतावइ।”

यूसुफ ओनसे कहेस, “सिरिफ परमेस्सर ही अइसा अहइ जउन सपना क बूझत अउ अरथ बतावत ह। एँह बरे मइँ निवेदन करत हूँ कि आपन सपना मोका बतावा।”

दाखरस देइवाला नउकर क सपना ?

१. एँह बरे दाखरस देइवाला नउकर यूसुफ क आपन सपना बताएस। नउकर कहेस, “मइँ सपना मँ अंगूरे क लता देखेउँ। १० उ अंगूरे क लता क तीन टु डारियन रहिन। मइँ डारियन मँ फूल आवत अउ ओनकइ अंगूर बनत लखेउँ। ११ मइँ फिरौन क पिआला लिए रहेउँ। एँह बरे मइँ अंगूरन क लिहेउँ अउ पिआला मँ रस निचोड़ेउँ। तब मइँ पिआला फिरौन क दिहेउँ।”

१२ तब यूसुफ कहेस, “मइँ तोहका सपन क अरथ बताउब। तीन टु डारियन क अरथ तीन दिन अहइ। १३ तीन दिन बीतइ क पहिले फिरौन तोहका छिमा करी अउ तोहका तोहरे कामे प लौटे प देइ। तू फिरौन क बरे उहइ काम करब्या अउर जउन पहिले करत रह्या। १४ मुला जब तू अजाद होइ जाब्या तउ मोका सुमिरया। मोर मदद किह्या। फिरौन स मोरे बारे मँ कह्या जेहसे मइँ इ जेल स बाहेर होइ सकउँ। १५ मोका हिवरू लोगन क देस स लावा गवा रहा। मइँ हियाँ कउनो अपराध भी नाही किहेउँ ह। एँह बरे मोका जेल मँ न होइ चाही।”

रोटी पोवइया क सपना

१६ रोटी बनावइ वाला लखेस कि दूसर नउकर क सपना अच्छा रहा। एँह बरे रोटी पोवइया यूसुफ स कहेस, “मइँ भी सपना देखेउँ। मइँ देखेउँ कि मोरे मूँडे प तीन टु रोटी क टोकरी बाटइ। १७ सब त ऊपर क टोकरी मँ हर किसिम क पका भवा भोजन रहेन। इ भोजन राजा बरे रहा। मुला खइया क चिरइयन चुगत रहिन।”

१८ यूसुफ जवाब दिहस, “मइँ तोहका बताउब कि सपना क का अरथ अहइ ? तीन टोकरी क अरथ तीन दिन बाटइ। १९ तीन दिन बीतइ स पहिले राजा तोहका इ जेल स बाहेर निकारी। तब राजा तोहार मूँड काटि डाइ। उ तोहरे तने क एक टु खम्भा स लटकाइ अउ चिरइयन तोहरे तने क खइही।”

यूसुफ क भुलाइ दीन्ह गवा

२० तीन दिना पाछे फिरौन क जन्म दिन रहा। फिरौन आपन सबहि नउकरन क दावत दिहस। दावत क टेम फिरौन दाखरस देइवाला अउ रोटी

पोवइया नउकरन क जेल स निकसइ दिहस। २१ फिरौन दाखरस देइवाला नउकर क अजाद कइ दिहस। फिरौन ओका नउकरी प लौटाइ दिहस अउ दाखरस देइवाला नउकर फिरौन क हाथे मँ एक टु पिआला दिहस। २२ मुला फिरौन रोटी पोवइया क मार डाएस। सब बातन जइसे यूसुफ होइ बरे बताए रहा वइसेन ही भइन। २३ मुला दाखरस देइवाला नउकर क यूसुफ क मदद करब याद नाही रहा। उ यूसुफ क बारे मँ फिरौन स कछू नाही कहेस। दाखरस देइवाला नउकर यूसुफ क बारे मँ बिसरि गवा।

फिरौन क सपना

४१ १. दुइ बरिस बाद फिरौन सपना लखेस। फिरौन सपने मँ लखेस कि उ नील नदी क किनारे खड़ा अहइ। २ तब फिरौन सपने मँ नदी स सात गइयन क बाहेर आवत लखेस। गइयन मोटी अउ सुन्नर रहिन। गइयन हुआँ खड़ी रहिन अउ घासे प चरत रहिन। ३ तब सात दूसर गइयन नदी स बाहेर आइन, अउर नदी क किनारे मोटी गइयन क निचके टाड़ होइ गइन। मुला इ गइयन दूबर अउ देखन मँ बीमार लगत रहिन। ४ इ सातउ दूबर अउर बीमार गइयन, सुन्नर मोटी सात गइयन क खाइ गइन। तब फिरौन जाग उठा।

५ फिरौन फुन सोवा अउ दूसर दाई सपना लखेस। उ सपने मँ अनाज क सात बाल एक ही पउधा प लखेस। अनाजे क बालन मोटी अउ अच्छी रहिन। ६ तब उ उहइ अनाज क पाछे सात अनाजे क बालन क जमी लखेस। अनाजे क इ बालन पातर अउ गरम हवा स नस्ट होइ गइ रहिन। ७ तब्वइ सात पातर बालन सात टु मोटवार अउ बढ़िया बालन क खइ लिहिन। फिरौन पुन जागि उठा अउ उ समझेस कि इ सिरिफ सपना ही बाटइ। ८ दूसर भिन्सारे फिरौन इ सपनन क बारे मँ परेसान रहा। एँह बरे उ मिसर क सबहि जादूगर लोग अउ सबहि गुनी लोगन क बोलाएस। फिरौन ओनका सपना बताएस। मुला ओन लोगन मँ स कउनो भी सपना क साफ या ओकर अरथ न बताइ सका।

नउकर फिरौन क यूसुफ क बारे मँ बतावत ह

९ तब दाखरस देइवाला नउकर क यूसुफ याद आवा। नउकर फिरौन स कहेस, “मोरे संग जउन कछू भवा रहा उ मोका याद आवत अहइ। १० आप मोह प अउ रोटी पोवइया प कोहान रहेन अउ आप हम दुइनउँ क जेलि मँ धाँध दिहे रहेन।

११ जेल में एक ही रात हम दुइनुँ सपना देखेन । हर एक सपना अलग अरथ रखत रहा । १२ एक ठु हिब्रू नउजवान हम पचन क संग जेल में रहा । उ अंगरच्छकन क नायक क नउकर रहा । हम पचन आपन आपन सपना ओका बतावा, अउ उ सपना क अरथ हम लोगन क बुझाएस । उ हर सपना क अरथ हम पचन क समझाएस । १३ जउन अरथ उ बताएस उ सबइ ठीक निकरेन । उ बताएस कि मई अजाद होब अउ आपन काम में वापस लउट आउब । अउर इहइ भवा उ कहेस कि रोटी पोवइया क मार कइ टाँग दीन्हा जाइही । अउ उहइ भवा ।”

यूसुफ सपन क अरथ बतावइ बरे बोलावा गवा

१४ एह बरे फिरौन यूसुफ क जेल स बोलाएस । रच्छक हाली स यूसुफ क जेल स बाहेर लिआएन । यूसुफ हजामत बनावइके अउर कपड़े बदल के फिरौन क समन्वा खड़ा भवा । १५ तब फिरौन यूसुफ स कहेस, “मई एक सपना लखेउँ ह । मुला कउना अइसा नाही अहइ जउन सपना क अरथ मोका समझाइ सकइ । मई सुनेउँ ह कि जब कउना सपना क बारे में तोहसे कहत ह कि तब तू सपन क अरथ अउ ओनका फरियाइ सकत ह ।”

१६ यूसुफ जवाब दिहस, “मोर आपन बुद्धि नाही अहइ कि मई सपनन क बुझ सकउँ । सिरिफ परमेस्सर ही अहइ जउन अइसी सकती राखत ह अउर फिरौन बरे परमेस्सर ही इ करी ।”

१७ तब फिरौन कहेस, “अपने आप क, मई नील नदी क किनारे ठाड़ लखेउँ । १८ मई सात गइयन क नदी स बाहर आवत लखेउँ अउ घास चरत देखेउँ । इ गइयन मोटी अउ सुन्नर रहिन । १९ तब मई दूसर सात गइयन क नदी स बाहर आवत देखेउँ । इ सबइ गइयन पातर अउ भद्दी रहिन । मई मिस्र देस में जेतनी गइयन देखेउँ ह ओनमाँ स उ सबइ सब स जियादा बुरी रहिन । २० अउ एँन भद्दी अउर पातर गइयन पहिली सुन्नर सात गइयन क खाइ डाएन । २१ मुला सातउ गइयन क खाए क पाछे भी उ पचे पातर अउ भद्दी रहिन । तू ओनका लखा तउ नाही जान सकत्या कि उ पचे दूसर सात गइयन क खाया ह । उ पचे ओतनी ही भद्दी अउ पातर देखाइ पड़त रहिन जेतना सुरु में रहिन । तब मई जाग गवा ।

२२ “तब मई आपन दूसर सपना में अनाज क सात बालन एक ही पउथा प उगी भइ देखेउँ । इ सबइ अनाज क बालन अच्छी अउ दानन स भरी भइ रहिन । २३ तब ओनके पाछे सात दूसर बालन

उगिन । मुला इ सबइ सात बालन पातर, भद्दी अउ गरम हवा स नस्ट भइ रहिन । २४ तब सात पातर बालन सात अच्छी बालन क खाइ डाएन ।

“मई इ सपना क आपन जादूगर लोगन क बताएउँ मुला कउना सपने क अरथ मोका नाही समझाएस । एकर अरथ का अहइ ?”

यूसुफ सपना क अरथ बतावत ह

२५ तब यूसुफ फिरौन स कहेस, “इ दुइनुँ सपना एक ही अरथ रखत ही । परमेस्सर बतावत ह कि उ हाली का करइ क जात अहइ । २६ सात अच्छी गइयन अउ सात अच्छी अनाजे क बालन सात बरिस अहइ-दुइनुँ सपना एक ही अहइ । २७ सात दूबर अउ भद्दी गइयन अउ सात बुरी अनाजे क बालन देस में भुखमरी क सात बरिस अहइ । इ सबइ सात बरिस, बढ़िया, सात बरिस क पाछे अइही । २८ परमेस्सर आप क इ देखाइ दिहस ह कि हाली ही का होइवाला अहइ । इ वइसा ही होइ जइसा मई कहेउँ ह । २९ आप क सात बरिस मिस्र में अच्छी पइदावार अउ भोजन इफरात होइही । ३० मुला इ सात बरिस क पाछे पूरे देस में भुखमरी क सात बरिस अइही । जउन समूचइ मिस्र में पइदा भ अहइ ओका लोग बिसरि जइही । इ अकाल देस क बर्बाद कइ देइ । ३१ काहेकि अकाल एँतना भयानक होइ कि लोग प्रयाप्त खइया खाइ का होत ह इ बिसरि जाइही ।

३२ “हे फिरौन, आपन एक ही बारे में दुइ सपना लखे रहिन । इ इ बात क देखावइ बरे भवा कि परमेस्सर फुरइ ही अइसा होइ देइ अउर इ बताएस ह कि परमेस्सर एँका हाली ही होइ देइ । ३३ एह बरे हे फिरौन आप एक अइसा मनई चुनइ जउन बहोत चुस्त अउ बुद्धिमान होइ । आप ओका मिस्र देस क निगराकार बनावइ । ३४ तब आपन दूसर मनई क जनता स भोजन बटोरइ बरे चुनइ । लोगन क सात अच्छे बरिस में जेतना अनाज पइदा करइ, ओकर पाँचवाँ हीसा ओनका देइ चाही । ३५ ओनका हुकुम देइ कि जउन अच्छे बरिस आवइ ओहमाँ भोजन बटोरइ । उ सहरन में भोजन क जमा करइ । तब उ पचे भोजन करच्छा उ टेम तलक करिही जब ओनकइ जरूरत होइ । ३६ उ भोजन मिस्र देस में आवइवाली भुखमरी क सात बरिस में मदद करी । तब मिस्त्र में सात बरिस में लोग भोजन क कमी स मरिही नाही ।”

३७ फिरौन क इ नीक बिचार मालुम भवा । एहसे सबहि अफसर राजी रहिन । ३८ फिरौन आपन अफसरन स पूछेस, “का तू लोगन में स कउना

इ काम क करइ बरे यूसुफ स अच्छा मनई हेरि सकत ह ? परमेस्सर क आतिमा इ मनई क फुरइ बुध्दिमान बनाइ दिहस ह ।”

३९. फिरौन यूसुफ स कहेस, “परमेस्सर इ सबहि चीजन क तोहका देखीएस ह । एँह बरे तू ही सबन त जियादा बुध्दिमान अहा ।” ४०. एँह बरे मई तोहका आपन महल क निगराँ आधिकारी बनउव । जनता तोहरे हुकुम क मानी । सिरिफ मई राजा ही तोहसे बड़वार रहव ।”

४१. एक खास जलसा अउ नुमाइस रही जेहमाँ फिरौन यूसुफ क नवाब बनाएस । तब फिरौन यूसुफ स कहेस, “मई अब तोहका पूरे देस क राजा बनावत अहउँ ।” ४२. तब फिरौन आपन सरकारी मोहरवाली अंगुठी यूसुफ क दिहस अउ यूसुफ क एक सुन्नर रसमी ओढ़ना पहिरइ क दिहस । फिरौन यूसुफ क गले मँ एक टु सोना क हार डाएस । ४३. फिरौन दूसर रथे प यूसुफ क सवार होइ क कहेस । ओकरे रथे क अगवा खास रच्छक चलत रहेन । उ पचे लोगन स कहत रहेन, “हे मनइयो, यूसुफ क निहुरिके पैलगी करा ।” इ तरह यूसुफ पूरे मिस्र क राज्जपाल बना ।

४४. फिरौन ओसे कहेस, “मई सम्राट फिरौन अहउँ । एँह बरे मई जउन करइ चाहव, करव । मुला मिस्र मँ कउनो दूसर मनई हाथ गोड़ नाही हिलाइ सकत ह जब तलक तू ओसे न कहा ।” ४५. फिरौन ओका दूसर नाउँ सपन तपानेह दिहस । फिरौन आसनत नाउँ क मेहरारू जउन ओन क पुजारी पोतीपेर क बिटिया रही, यूसुफ क मेहरारू क रूप मँ दिहस । इ तरह यूसुफ समूचइ मिस्र देस क राज्जपाल होइ गवा ।

४६. यूसुफ उ टेम तीस बरिस क रहा जब उ मिस्र क सम्राट क सेवा करइ लाग । यूसुफ पूरा मिस्र देस मँ जात्रा किह । ४७. अच्छे सात बरिसन मँ देसे मँ पइदावार बहोतइ ढेर क भइ ४८. अउर यूसुफ मिस्र मँ सात बरिस खइया क चीजन क बचाएस । यूसुफ खइया क सहरन मँ बटोरेस । यूसुफ सहर क चारिहु कइँती क खेतन मँ पइदा भवा अनाज क हर सहर मँ बटोरेस । ४९. यूसुफ बहोत अनाज बटोरेस । इ समुदर क बालू क नाई रहा । उ एँतना अनाज बटोरेस कि ओकर वजन क भी न कूत कीन्ह जाइ सकइ ।

५०. यूसुफ क मेहरारू आसनत ओन क याजक पोतीपेरा क बिटिया रही । भुखमरी क पहिले बरिस क आवइ पहिले यूसुफ अउ आसनत क दुइ पूत भएन । ५१. पहिले पूत क नाउँ मनस्से धरा गवा । यूसुफ ओकर इ नाउँ राखेस काहेकि उ बताएस,

“मोका जेतना सारे कस्ट भएन अउ घरे क हर बात परमेस्सर मोसे बिसराइ दिहस ।” ५२. यूसुफ दूसर पूत क नाउँ एप्रैम रखेस । यूसुफ ओकर नाउँ इ राखेस काहेकि उ बताएस, “मोका बहोतइ दुःख मिला, मुला परमेस्सर मोका हर एक चीज मँ सफलता दिहस ।”

भुखमरी क समइ सुरु होत ह

५३. सात बरिस तलक लोगन क लगे खाइ बरे उ सब कछू भोजन रहा जेनकइ ओनका जरूरत रही अउर जउन चिजियन ओनका जरूरी रहिन उ सबइ सबहि जमत रहिन । ५४. मुला सात बरिस बाद भुखमरी क दिन सुरु भएन । इ ठीक वइसा ही भवा जइसा यूसुफ कहे रहा । उ पहाँटा क कउनो भी देस मँ अन्न पइदा न भवा । मनइयन क लगे खाइ क कछू न रहा । मुला मिस्र मँ खाइ बरे इफरात रहा, काहेकि यूसुफ अनाज बटोरे रहा । ५५. भुखमरी क टेम सुरु भवा अउ मनइयन भोजन बरे फिरौन क समन्वा रोवइ लागेन । फिरौन मिस्र क मनइयन स कहेस, “यूसुफ स पूछा । उहइ करा जउन उ कहइ क कहत ह ।”

५६. एँह बरे जब देस मँ सब ठउरे प भुखमरी रही, यूसुफ अनाजे क गोदाम स मनइयन क अन्न बाँटेस । यूसुफ बटोरा भवा अन्न क मिस्र क लोगन क बेचेस । मिस्र मँ बहोत भयंकर अकाल रहा । ५७. मिस्र क चारिहु कइँती क देसन क लोग अनाज बेसहइ मिस्र आएन । उ पचे यूसुफ क लगे आएन काहेकि हुआँ संसार क उ हीसा मँ सब ठउरे प भुखमरी रही ।

सपना फुरइ भवा

४२ ? इ समइ याकूब क प्रदेश मँ भुखमरी रही । मुला याकूब क इ पता लाग कि मिस्र मँ अनाज अहइ । एँह बरे याकूब आपन बेटवन स कहेस, “हम लोग हिआँ हाथ प हाथ धरे काहे बइठा अहइ ? मई सुनेउँ ह कि मिस्र मँ खरीदइ क अनाज बाटइ । एँह बरे हम पचे हुआँ चली अउ हुआँ स आपन खाइ क बरे अनाज बेसही, तब हम लोग जिअत रहव, मरव नाही ।”

३. एँह बरे यूसुफ क भाइयन मँ स दस अन्न खरीदइ बरे मिस्र गएन । ४. याकूब बिन्यामीन क नाही पठाएस । (बिन्यामीन यूसुफ क एक ही सगा भाई रहा ।) याकूब एँह बरे डरा भवा रहा कि बिन्यामीन पइ कउनो तरह क खतरा आवइ सकत ह ।

५ कनान में भुखमरी क समइ बहोत खौफनाक रहा। एँह बरे कनान क बहोत स लोग अन्न बेसहइ मिस्र गएन। ओनही लोगन क संग मैं इस्राएल क पूतन भी रहेन।

६इ टेम यूसुफ मिस्र क राज्जपाल रहा। सिरिफ यूसुफ ही रहा जउन मिस्र आवइ वालन लोगन क अन्न बेचइ क हुकुम देत रहा। यूसुफ क भाई ओकरे लगे आएन अउ उ पचे ओकर निहुरिके पैलगी किहेन। ७ यूसुफ आपन भाइयन क लखेस अउ उ ओनका पहिचान लिहेस कि उ पचे कौन अहइ। मुला यूसुफ ओनसे इ तरह बात करत रहा जइसे उ ओनका पहिचानत नाही उ ओनके संग कड़ाई स बात किहस। उ कहेस, “तू लोग कहा स आया ह?”

भाइयन जवाब दिहिन, “हम कनान देस स आए अहइ। हम पचे अनाज बेसहइ आवा अही।”

८ यूसुफ ने पहिचान लिहेस कि उ पचे ओकर भाई अहइ। मुला उ पचे नाही जानत रहेन कि उ कउन अहइ? ९ यूसुफ ओन सपनन क याद किहेस जेनका उ आपन भाइयन क बारे मैं लखे रहा। यूसुफ आपन भाइयन क जासूस कहत ह।

यूसुफ आपन भाइयन स कहेस, “तू पचे अनाज बेसहइ नाही आया ह। तू लोग जासूस अहा। तू लोग इ पता लगावइ आया ह कि हम कहा कमजोर अही?”

१० मुला भाइयन ओसे कहेन, “नाही। महोदय! हम तउ आपक सेवक क रूप मैं आइ अही। हम पचे सिरिफ अनाज बेसहइ आइ अही। ११ हम सबहि लोग भाई अही, हम पचन क एक ही पिता अहइ। हम लोग ईमानदार अही। हम लोग सिरिफ अनाज बेसहइ आइ अही।”

१२ तब यूसुफ ओनसे कहेस, “नाही! तू लोग इ पता लगावइ आया ह कि हम पचे कहाँ कमजोर अही?”

१३ भाइयन कहेन, “नाही! हम सबहि भाई भाई अही। हमरे परिवारे मैं बारह भाई अहइ। हम सब क एक ही पिता अहइ। हम लोगन क सब स लहुरा भाई अबहु भी हमरे पिता क संग घरे प बाटइ अउ दूसर भाई बहोत समइ पहिले मरि गवा। हम लोग आप क समन्वा सेवक क नाई अही। हम लोग कनान देस क अही।”

१४ मुला यूसुफ कहेस, “नाही! मोका पता अहइ कि मई ठीक अहउ। तू भेदिया अहा। १५ मुला मई तू लोगन क इ साबित करइ क मौका देब कि तू लोग फुरइ कहत बाटया। तू लोग इ जगह तब तलक नाही तजि सकत्या जब तलक तू पचन

क लहुरा भाई हिआँ नाही आवत। १६ एँह बरे तू लोगन मैं स एक ठु लउटइ अउ आपन लहुरे भाई क हिआँ लइ आवइ। उ समइ तलक दूसर हिआँ कैद मैं रइही। हम देखब कि का तू लोग फुरइ बोलत अहा। मुला मोका बिस्सास अहइ कि तू पचे जासूस अहा।” १७ तब यूसुफ ओन सब क तीन दिना बरे जेल मैं नाई दिहस।

सिमोन बन्धक क रूप मैं रखा गवा

१८ तीन दिन बाद यूसुफ ओनसे कहेस, “मई परमेस्वर क भय मानत हउँ। एँह बरे मई तू लोगन क इ सिद्ध करइ क एक मौका देब कि तू लोग फुरइ बोलत अहा। तू लोग इ काम करा अउर मई तू लोगन क जिअइ देब। १९ अगर तू लोग ईमानदार मनई अहा तउ आपन भाइयन मैं स एक क जेल मैं रहइ या। दूसर भाइयन जाइ सकत ही अउ आपन लोगन बरे अनाज लइ जाइ सकत ही। २० तब यदि तू आपन सब स लहुरा भाई क लइके हिआँ मोरे लगे आवा। इ तरह मई पतियाब कि तू लोग फुरइ बोलत अहा।”

भाइयन इ बात क मान लिहिन। २१ उ पचे आपुस मैं बतियानेन “हम पचन क सजा दीन्ह गइ ह। काहेकि हम पचे आपन सब स लहुरा भाई क संग बुरा किहे अही। हम पचे ओकरे मुसीबत क निहारा जेहमाँ उ रहा। उ आपन रच्छा बरे हम पचन स बिनती किहस। मुला हम सबइ ओकर एकहु न सुना। एँह बरे हम पचे दुःखन मैं अही।”

२२ तब रूबेन ओनसे कहेस, “मई तोहसे कहेउँ रहा कि उ लरिका क कछू भी बुरा जिन करा। मुला तू पचे मोर उ एक न सुन्या। एँह बरे अब हम ओकरी मउत बरे सजा पावत अही।”

२३-२४ यूसुफ आपन भाइयन स बात करइ एक ठु दु भासिया काम लेत रहा। एँह बरे भाइयन नही जान पाया कि यूसुफ ओनकइ भाखा जानत बाटइ। मुला उ पचे जउन कछू कहत रहेन ओका यूसुफ सुनत अउ समझत रहा। ओनकइ बातन स यूसुफ बहोत दुःखी भवा। एँह बरे यूसुफ ओनसे अलग हटि गवा अउ रोइ पड़ा। तनिक देर मैं यूसुफ ओनके लगे लउटा। यूसुफ उ भाइयन मैं स सिमौन क धरेस अउ ओका बाँधेस जब कि दूसर भाई लखत रहेन। २५ यूसुफ कछू सेवकन क ओनकइ बोरा मैं अनाज भरइ क कहेस। भाइयन इ अनाजे क दाम यूसुफ क दिहिन। मुला यूसुफ उ धने क नाही लेइ क फइसला किहस। उ उ धने क ओनकई अनाज क बोरन मैं धरइ बरे सेवकन क हुकम दिहस। तब यूसुफ ओनका उ सबइ चीजन क

दिहस, जेनकइ जरुरन ओनकइ घरे तलक लउटइ वाली जात्रा मँ होइ सकत रही।

२६ एँह बरे भाइयन अनाजे क आपन गदहन प लादेन अउ हुआँ स निकरि पड़ेन। २७ उ सबइ सबहि भाइयन राति क ठहरेन अउ भाइयन मँ स एक कछू अनाजे बरे आपन बोरा खोलेस अउ उ आपन धन बोरा मँ पाएस। २८ उ दूसर भाइयन स कहेस, “लखा, जउन दाम मई अनाजे बरे चुकाएउँ ह, उ हिआँ अहइ। कउनो मोरे बोरा मँ इ धन लौटाइ दिहे अहइ!” उ सबइ सबहि भाई बहोत जियादा डेराइ गएन। उ पचे आपुस मँ बतियानेन, “परमेस्सर हम पचन क संग का करत अहइ?”

भाइयन याकूब क सूचना दिहेन

२९ उ सबइ भाई कनान देस मँ आपन पिता याकूब क लगे गएन। उ पचे जउन कछू भवा आपन पिता क बताएन। ३० उ पचे कहेन, “उ देस क राज्जपाल हम लोगन स बहोत रुखा होइके बोला। उ सोचेस कि हम पचे जासूस अही। ३१ मुला हम लोग कहेन कि ‘हम पचे ईमानदार अही। अउर हम पचे जासूस नाही अही।’ ३२ हम पचे ओका बतावा कि हम लोग बारह भाई अही। अउर हम लोगन क सब स लहुरा भाई अब भी कनान देस मँ हमार बाप क संग बाटइ। अउर हमार दूसर भाई मरि गवा ह।”

३३ “तब देस क राज्जपाल हम लोगन स इ कहेस, ‘इहइ सिद्ध करइ बरे कि तू ईमानदार अहा इ रस्ता अहइ: आपन भाइयन मँ स एक क हमरे लगे हिआँ छोड़ि द्या। आपन अनाज लइके आपन आपन परिवारन क लगे लउटि जा। ३४ आपन सब स लहुरा भाइ क हमरे लगे लिआवा। तब मई समझव कि तू लोग ईमानदार अहा या तू लोग जासूस अहा। जदि तू पचे फुरइ बोलत अहा तउ मई तोहरे भाई क तोहका दइ देब। अउर तू लोग हमार देस स अनाज खरीदइ बरे आजाद होइ जाव्या।”

३५ तब सब भाई आपन बोरन स अनाज लेइ गएन अउ हर एक भाई आपन धने क थइली आपन अनाजे क बोरा मँ पाएस। भाइयन अउर ओनकइ पिता धन क लखेन, अउर उ सबइ बहोत डरि गएन।

३६ याकूब ओनसे कहेस, “का तू लोग चाहत ह कि मई आपन सबहि पूतन स हथवा धोइ बइठउँ। यूसुफ मरि गवा, सिमोन भी चलि गवा अउ तू लोग बिन्यामीन क भी मोसे दूरि लइ जावा चाहत ह!”

३७ तब रूबेन आपन पिता स कहेस, “पिता जी आप मोरे दुइनउँ पूतन क मारि डाय़ा जदि मई बिन्यामीन क आप क लगे न लउटावउँ। मोहे प बिस्सास करा। मई आप क लगे बिन्यामीन क लउटाइ लिआउब।”

३८ मुला याकूब कहेस, “मई बिन्यामीन क तू लोगन क संग नाही जाइ देब। ओकर भाई अउर महतारी मरि गवा अहइ अउर मोर मेहरारू राहेल क उहइ अकेल्ला पूत बचा बाटइ। मिस्र तक क जात्रा मँ जदि ओकरे संग कछू भवा तउ उ होनी मोका मारि डाइ। तू लोग मोका एक दुःख स भवा अउ बूढ़ा मनई क कवर मँ पठउव्या।”

याकूब बिन्यामीन क मिस्र जाइ क आग्या दिहस

४३ १ उ देस मँ अकाल बहोत भयंकर रहा। २ मनइयन उ सारा अन्न खाइ गएन जउन उ पचे उ सबइ मिस्र स लिआइ रहेन। जब अनाज खतम होइ गवा, याकूब आपन बेटवन स कहेस, “फुन मिस्र जा। हम लोगन क खाइ बरे कछू अउर अनाज बेसहा।”

३ मुला यहूदा याकूब स कहेस, “उ देस क राजा हम लोगन क चिताउनी दिहस ह। उ कहेस ह, ‘जदि तू लोग आपन भाई क मोरे लगे वापिस नाही लउव्या तउ मई तू लोगन स बात करइ स मना भी कइ देब’ ४ जदि तू हम लोगन क संग बिन्यामीन क पठउव्या तउ हम पचे जाब अउ अनाज खरीदब। ५ अन्यथा, हम लोग नाही जाब। उ मनई चिताउनी दिहस कि हम लोग बिन्यामीन के बिना वापस न आइ।”

६ इस्राएल कहेस, “तू लोग उ मनई स काहे कहया, कि तोहार दूसर भाई भी अहइ। तू पचे मोरे संग अइसी बुरी बात काहे किह्या?”

७ भाइयन जवाब दिहेन, “उ राज्जपाल हुसियारी स हम पचन स प्रस्न पूछेस। उ हम लोगन अउ हम लोगन क परिवार क बारे मँ जानइ चाहत रहा। उ हम लोगन स पूछेस, ‘का तू पचन क पिता अबहि जिउत अहइ? का तू लोगन क दूसर भाई घरे प बाटइ?’ हम लोग सिरिफ ओकरे प्रस्न क जवाब दीन्ह। हम लोग नाही जानत रहे कि उ हमरे दूसर भाई क आपन लगे लइ आवइ क कही।”

८ तब यहूदा आपन पिता इस्राएल स कहेस, “बिन्यामीन क मोरे संग पठवा। मई ओकर देखभाल करब। हम पचे मिस्र जरुर जाब अउ भोजन लिआउब। अगर हम पचे नाही जाई तउ हम सबहि लोग आपन गदेलन क संग मरि जावइ।

१ मई बिस्वास दियावत अहउँ कि उ सुरच्छित रही। मई एकर जिम्मेदार रहब। जदि मई ओका तोहरे लगे लउटाइके न लिआवउँ तउ तू सदा बरे मोका दोखी ठहराइ सकत ह। १० जदि तू हमका पहिले जाइ दिहे होत्या तउ भोजन बरे हम लोग दुइ जात्रा अबहि तलक कर चुके होतेन।”

११ तब ओनके पिता इस्राएल कहेस, “अगर इ फुरइ सही अहइ तउ बिन्यामीन क आपन संग लइ जा। मुला राज्जपाल बरे कछू भेंट लइ जा। ओन चीजन मँ स कछू लइ जा जउन हम पचे आपन देस मँ बटोरि सका अही। ओकरे बरे कछू सहद, पिस्ता, बादाम, गोदं अउ लोहवान लइ जा। १२ इ टेम, पहिले स दुई गुना धन भी लइ ल्या उ धन क भी लइ ल्या जउन पिछली दाई दिहे क पाछे लउटाइ दीन्ह गवा रहा। होइ सकत ह कि राज्जपाल स गलती भइ ह। १३ बिन्यामीन क संग ल्या अउ उ मनई क लगे लइ जा। १४ मई पराथना करत हउँ कि सर्वसक्तिमान परमेस्सर तू पचन क उ टेम मदद करी जब तू उ राज्जपाल क समन्वा टाइ होब्या। मई इ पराथना भी करत हउँ कि उ बिन्यामीन अउ सिमोन क भी सुरच्छित आवइ देइ। अगर नाही तउ मई आपन पूतन स वंचित होइ जाब।”

१५ एँह बरे भाइयन राजा क देइ बरे भेंट लिहन अउ उ पचे जेतना धन पहिले लिहे रहैन ओकर दुइ गुना आपन साथ लिहन। बिन्यामीन भाइयन क संग मिस्र गवा।

भाइयन क यूसुफ क घर निमंत्रण मिलत ह

१६ मिस्र मँ यूसुफ ओनके संग बिन्यामीन क लखेस। यूसुफ आपन सेवक स कहेस: “ओन मनइयन क मोरे घरे लिआवा। एक ठु जनावर मारा अउ पकावा। उ सबइ मनई क आजु दुपहरिया मोरे संग भोजन करइ द्या।” १७ नउकर क जइसा कहा गवा रहा वइसा किहस। उ ओन मनइयन क यूसुफ क घर लइ गवा।

१८ भाई लोग ससान रहैन जब उ सबइ यूसुफ क घर गएन। उ पचे कहेन, “हम पचे हिआँ उ धन बरे लिआवा ग अही जउन पिछली दाई हम लोगन क बोरन मँ रखि दीन्ह ग रहा। उ पचे एँका हम लोगन क विरुद्ध प्रयोग करिही। तब उ पचे हम पचन क गदहन क लइ लेइही अउ हम लोगन क गुलाम बनइहीं।”

१९ एँह बरे यूसुफ क घरे क देख रेख करइवाला नउकर क लगे सबहि भाई गएन। २० उ पचे कहेन, “महोदय हम सपथ लइके कहत हउँ कि पिछली दाई हम लोग हिआँ भोजन खरीदइ बरे आए रहैन।

२१-२२ घर लउटत समइ हम पचे आपन बोरन क खाली कीन्ह अउ हर एक बोरा मँ आपन धन पावा। हम पचे नाही जानत रहैन कि ओनमाँ धन कइसे पहाँचा। मुला हम उ धन आप क लउटावइ बरे साथ लाए अहई अउ इ समइ हम लोग जउन अनाज बेसहइ चाहित ह ओकरे बरे धन लाए अही”

२३ नउकर जवाब दिहस, “डेराअ जिन, मोहे प पतिआ। तोहरे पिता क परमेस्सर तू लोगन क धन क तोहरे बोरवन मँ भेंट क रूप मँ धरे होइ। मोका सुमिरन अहइ कि तू लोगन पिछली दाई अनाज क दाम मोका दइ दिहे रह्या।”

तब नउकर सिमोन क जेल स बाहेर लिआवा। २४ नउकर ओन लोगन क यूसुफ क घरे लइ गवा। उ ओनका पानी दिहस अउ उ पचे आपन गोइ पखारेन। उ ओनके गदहन क खाइ बरे चारा दिहस।

२५ भाइयन सुनेन कि यूसुफ क संग खइया क खइही। एँह बरे ओकर भाई आपन भेंट तइयार करइ मँ उ पचे दुपहर तलक लगा रहैन।

२६ यूसुफ आपन घर गवा अउ भाइयन ओका भेंट दिहन जउन उ पचे आपन संग लइ आए रहैन। तब उ पचे धरती प निहुरिके पैलगी किहन।

२७ यूसुफ ओनकइ कुसल पूछेस। यूसुफ कहेस, “तू पचन क बुढवा पिता जेकरे बारे मँ तू लोगन क बताया, ठीक तउ अहइ? का उ अब तलक जिउत अहइ?”

२८ भाइयन जवाब दिहेन, “हम पचन क बाप नीक अहई।” उ सबइ अब तलक जिउत अहई अउ उ पचे फुन यूसुफ क समन्वा निहुरेन। यूसफ आपन भाई बिन्यामीन स मिलत ह

२९ तब यूसुफ आपन बिन्यामीन क लखेस। (बिन्यामीन अउ यूसुफ क एक ही महतारी रहिन।) यूसुफ केहस, “का इ तू लोगन क सब स लहुरा भाई अहइ जेकरे बारे मँ तू बताए रह्या।” तब यूसुफ बिन्यामीन स कहेस, “परमेस्सर तोह प कृपालु होइ।”

३० तब यूसुफ कमरा स बाहेर दौड़ि गवा। आपन भाइ बिन्यामीन क सहानुभूति मँ बेकाबू होइ गवा रहैन। एँह बरे उ रोवइ वास्ते गुप्त ठउर खोजेस। उ आपन कमरा मँ गवा अउर हुवाँ रोवा। ३१ तब यूसुफ आपन मुँह धोएस अउ बाहेर आवा। उ आपन आप पइ काबू रखेस अउर कहेस, “अब खइया क खाइके टेम बाटइ।”

३२ यूसुफ अकेले एक ठु मेज प खइया खाएस। ओकर भाइयन दूसर मेज प एक साथ भोजन किहन। मिस्र क लोगन दूसर मेज प एक संग

खाएन। ओनकइ बिस्सास रहा कि ओनके बरे इ ठीक नाही कि उ पचे हिबरू लोगन क संग खाई।^{३३} अब उ पचन्क यूसुफ क समन्वा मेज पइ पहलोटा स लइ क सबन त छोटा क तरतीब मँ वइटा गवा रहेन। एँह बरे सबइ भाइयन अचरज करत भए रहेन।^{३४} नउकर लोग यूसुफ क मेज प ओनका भोजन लइ जात रहेन। मुला अउरन स अपेच्छा नउकर लोग बिन्यामीन क पाँच गुना बेसी दिहन। यूसुफ क संग उ सबहि भाई तब तलक खात रहेन अउ दाखरस पिअत रहेन जब तलक उ पचे नसा मँ मस्त नाही होइ गएन।

यूसुफ जाल बिछावात ह

१ तब यूसुफ आपन नउकरन क जउन कि घर क निगराँकार रहेन। हुकुम दिहेस। यूसुफ कहेस, “ओन मनइयन क बोरियन मँ एँतना अनाज भरि द्या जेतना उ पचे लइ जाइ सकई। तउ हर एक मनइयन क पैसा ओकरे बोरा मँ उपर रख द्या।^२ मुला सब स लहुरा भाई क बोरा मँ उपर ओकरे आनाज क पैसा क संग मोर चाँदी क पियाला भी रख द्या।” नउकर यूसुफ क हुकुम पूरा किहस।

^३ दूसर दिन भिन्सारे सब भाई लोग आपन गदहन क संग अपने देस क वापिस पठइ दीन्ह गएन।^४ जब उ पचे सहर बाहर कछू ही दूर गए रहेन तउ यूसुफ आपन नउकर क हुकुम दिहेस, “जा अउर ओन लोगन क पाछा करा। ओनका रोका अउ ओनसे कहा, हम लोग आपन लोगन बरे नीक रह्या। मुला आप सबन हम लोगन बरे बुरा काहे रहे? ^५ हमार मालिक यूसुफ इहइ पियाला स पिअत ही। उ पचे राज क बात जानइ बरे इहइ पियाला क प्रयोग करत ह। इ पियाला क चोराइके आप लोगन काहे अपराध किहेन?”

^६ एँह बरे नउकर हुकुम क मानेस। उ सवार होइ के भाइयन तलक गवा अउ ओनका रोकेस। नउकर ओनसे उ ही बातन किहेस जउन यूसुफ ओनसे कहइ बरे कहे रहा।

^७ मुला भाइयन नउकर स कहेन, “राज्जपाल अइसी बातन काहे कहत हीं? हम पचे अइसा अपराध कबँहू नाही करब! ^८ लखा हम पचे उ पैसा कनान देस लउटाइके लाए रहेन जउन पहिले हम लोगन क आपन बोरन मँ मिला रहा। एह बरे हम लोगन तोहार मालिक क घरे स चाँदी या सोना नाही चोरावइ चाही। ^९ जदि आपन कउनो बोरा मँ चाँदी क उ पियाला पाइ जाई तउ उ मनई क

मारि दीन्ह जाइ। तू ओका मार सकत ह अउर हम लोग तोहार नउकर होब।”

^{१०} नउकर कहेस, “जइसा तू कहत ह हम वइसा ही करब, मुला मई उ मनई क मारब नाही। जदि मोका चाँदी क पियाला मिली तउ उ मनई मोर नउकर होइ। दूसर भाई लोग जाइ बरे अजाद होइहीं।”

जाल बिछावा गवा, बिन्यामीन धरा गवा

^{११} तब सब भाई आपन आपन बोरा क हाली हाली भुइयाँ प खोलेन। ^{१२} नउकर बोरन मँ लखब सुरु किहस। उ सब स जेट भाई स सुरु किहस अउ सब स लहुरा भाई प खतम किहस। उ बिन्यामीन क बोरा मँ पियाला पाएस। ^{१३} सबइ भाई लोग बहोत दुःखी भएन। एँह बरे उ पचे आपन ओढ़ना फारि डाएन। तउ आपन आपन गदहन पइ बोरन क लादेन अउर सहर क लउट पड़ेन।

^{१४} यहूदा अउ ओकर भाई यूसुफ क घर लौटि गएन। यूसुफ तब तलक हुआँ रहा। भाइयन भुइयाँ तलक निहुरिके प्रणाम किहेन। ^{१५} यूसुफ ओनसे कहेस, “तू पचे इ काहे किहा? का तू लोगन क पता नाही अहइ कि छिपी बातन क फरियावइ क मोर खास ढंग बाटइ। मोहसे बढिके अच्छी तरह कउनो दूसर इ नाही कइ सकत।”

^{१६} यहूदा कहेस, “महोदय, हम पचन क कहइ बरे कछू नाही अहइ। एँका फरियावइ क कउनो दूसर तरीका नाही बा। इ देखावइ क कउनो तरीका नाही बा कि हम पचे अपराधी नाही अही। हम पचे अउर कछू किहे होइ जेकरे बरे परमेस्सर हमका अपराधी ठहराएस ह। एह बरे, हम सबहि बिन्यामीन क साथ, आपका दास होब।”

^{१७} मुला यूसुफ कहेस, “मई तू पचन्क सबहि क आपन दास न बनाउब। सिरिफ उहइ मनई जेकर बोरा मँ पियाला पावा गवा रहा, मोर दास होइ। तू दूसर लोग आपन पिता क लगे जाइ बरे अजाद अहई।”

यहूदा बिन्यामीन क बारे मँ सिफारिस करत ह

^{१८} तब यहूदा यूसुफ क लगे गवा अउ उ कहेस, “महोदय, मेहरबानी कइके मोका खुद आपसे साफ कहि लेइ द्या। कृपा कइके मोसे नाखुस न ह्वा। मई जानत अहउँ कि आप खुद फिरौन जइसे अहई। ^{१९} जब हम लोग पहिले हिआँ आए रहे, आप पूछे रहेन कि ‘का तोहार पिता या भाई अहई?’ ^{२०} अउर हम आप क जवाब दीन्ह, ‘हमरे एक ठु पिता अहई, उ बुढ़ान अहई अउ हम लोगन क एक लहुरा भाई

अहइ। हमार पिता ओसे बहोत ज्यादा पियार करत हीं काहेकि ओकर जन्म ओकरे बुढ़ापे मँ भवा रहा, अउर लहुरा बेटवा क भाई मरि गवा एह बरे इ सिरिफ अकेला बचा अहइ जउन उ मेहरारु स जनमे रहा। हम पचन क पिता ओका बहोत पियार करत हीं।^{२१} तब आप हमसे कहे रहेन, 'उ भाई क मोरे लगे लिआवा। मई ओका लखइ चाहत हउँ।'^{२२} अउ हम लोग कहे रहे, 'इ नान्ह लरिका नाही आइ सकत। उ आपन बाप क नाही तजि सकत। अगर ओकरे पिता क ओसे हाथ धोवइ पड़इ तउ ओकर पिता एँतना दुःखी होइ कि उ मरि जाइ।'^{२३} मुला आप हमसे कहेन, 'तू लोग आपन छोटका भइया क जरुर लिआवा, नाही तउ मई फुन तू लोगन क हाथे अनाज न बेचब।'^{२४} एँह बरे हम लोग आपन पिता क लगे लउटे अउ आप जउन कछु कहेन, ओनका बतावा।

^{२५} "पाछे हम पचन क पिता कहेन, 'फुन जा अउ हम लोगन बरे कछु अउर अन्न खरीदा।'^{२६} हम लोग ओसे कहा, 'हम लोग आपन सब स लहुरा भाई क बिना नाही जाइ सकित। राज्जपाल कहेस ह कि उ तब तलक हम लोगन क अनाज नाही बेची जब तलक उ हमरे सबन त लहुरे भइया क नाही लखि लेत।'^{२७} तब मोर पिता हम लोगन स कहेस, 'तू लोग जानत ह कि मोर मेहरारु राहेल मोका दुइ पूत दिहस।'^{२८} मई एक पूत क दूरी जाइ दिहेउँ अउ ओका जंगली जनावर मारि डाएन अउ तब स मई ओका नाही लखेउँ ह।^{२९} अगर तू पचे मोर पूत क मोसे दूर लइ जाइ चाहत बाटया अउ ओका कछु होइ जात ह तउ मोका एँतना दुःख होइ कि मई मरि जाब।'^{३०} एँह बरे अब हम लोग आपन छोटका भाई क बिना घरे जाब तब हम पचन क पिता क इ निहारइ क पड़ी। उ छोटका बेटवा हमरे पिता क जिन्नगी मँ सबसे बेसी मानता रखत ह।^{३१} जब उ पचे लखिही छोटका बेटवा हम लोगन क संग नाही अहइ उ पचे मरि जइही अउर इ हम लोगन क दोख होइ। हम पचे आपन पिता क घोर दुःख अउ मउत क कारण होइ जाब।

^{३२} "मई छोटके बेटवा क जिम्मेदारी लीन्ह ह। मई आपन पिता स कहेउँ, 'जदि मई ओका आप क लगे लउटाअइके न लावउँ तउ आप सारी जिन्नगी भइ मोका दोखी ठहराइ सकत हीं।'^{३३} एँह बरे मई आप स माँगत अहउँ, अउर आप पराथना करत हउँ कि कृपा कइके छोटके लरिका क आपन भाइयन क संग लौटि जाइ देई अउ मई हिआँ रुकब अउ आप क दास होब।^{३४} मई आपन पिता क लगे लौट नाही सकत जदि हमरे

संग छोटका भाई नाही रही। मई इ बात स बहोत ससान अहउँ कि मोरे बाप क संग का घटी।"

यूसुफ आपन क परगट करत ह कि उ कउन अहइ

^१ यूसुफ आपन क अउर जियादा न संभारि सका। उ हुआँ हाजिर सबहि लोगन क समन्वा रोइ पड़ा। यूसुफ कहेस, "हर एक स कहा कि हिआँ स हट जाई।" एँह बरे सबहि लोग चला गएन। सिरिफ ओकर भाई ही यूसुफ क संग रहि गएन। तब यूसुफ ओनका बताएस कि उ कउन अहइ।^२ यूसुफ रोवत रहा, अउर फिरौन क महल क सब मिस्र क मनइयन सुनेन।^३ यूसुफ आपन भाइयन स कहेस, "मई आप लोगन क भाई यूसुफ अहउँ। का मोर पिता अब भी जीवित अहइ?" मुला भाइयन ओका जवाब नाही दिहेन। उ पचे डेरान अउ उलझन मँ रहेन।

^४ एँह बरे यूसुफ आपन भाइयन स फुन कहेस, "मोरे लगे आवा।" एँह बरे यूसुफ भाई क निअरे गएन अउ यूसुफ ओनसे कहेस, "मई आप लोगन क भाई यूसुफ अहउँ। मई उहइ अहउँ जेका मिस्री लोगन क हाथे आप लोग गुलाम क रुप मँ बेचे रहेन।^५ अब परेसान न होइ। आप लोग आपन किहे भए पइ गुस्सा न करइ। उ तउ मोरे बरे परमेस्सर क योजना रही कि मई हिआँ आवउँ। मई हिआँ तू लोगन क जिन्नगी बचावइ बरे आवा हउँ।^६ इ खौफनाक भुखमरी क समइ दुइ बरिस ही अबहि बीता अहइ अउर अबहि पाँच बरिस बे पौध लगावइ या उपज क अइही।^७ एँह बरे परमेस्सर तू लोगन स पहिले मोका हिआँ पठएस जेहसे मई इ देस मँ तू लोगन क बचाइ सकउँ।^८ इ आप लोगन क दोख नाही रहा कि मई हिआँ पठवा गवा। इ परमेस्सर क योजना रही। परमेस्सर मोका फिरौन बरे पिता क समान बनाएस। ताकि मई ओकर सारा घर अउ समूचइ मिस्र क राज्जपाल बनि सकउँ।"

इस्राएल क मिस्र बरे आमन्त्रण मिला

^१ यूसुफ कहेस, "एँह बरे हाली मोरे पिता क लगे जा। मोरे पिता स कहा कि ओकर पूत यूसुफ इ सँदेसा पठएस ह। परमेस्सर मोका समूचइ मिस्र क राज्जपाल बनाएस ह। मोरे लगे आवइ। इन्तजार न करइ। अबहि आवइ।^२ आप मोरे निचके गोसेन प्रदेश मँ रइही। आप क, आप क बेटवन क, आप क सबहि जनावरन अउ झुण्ड क सुआगत अहइ।^३ भुखमरी क अगले पाँच बरिस मँ मई आप क देखरेख करब। इ तरह आप क अउ

आप क परिवारे क जउन चीजन अहई ओनसे आप क हाथ धोवइ क न होइ ।

१२ अब आप लोग निश्चित रूप स लख सकत अहई कि इ फुरइ मई ही यूसुफ अहई अउर आप लोगन क भाई बिन्यामीन जानत ह कि इ मई ही आप लोगन क भाई अहई जउन आप लोगन स बात करत हउं । १३ एँह बरे मोरे पिता स मोका मिस्र क जउन सम्मान प्राप्त अहइ क बारे मँ कहइ । आप लोगन जउन हिआँ लखेन ह उ हर एक चीज क बारे मँ मोरे पिता क बतावइ । अब हाली करा अउ मोरे पिता क लइके मोरे लगे लौटा । १४ तब यूसुफ आपन भाई बिन्यामीन क गले लगाएस अउ रोइ पड़ा अउ बिन्यामीन भी रोइ पड़ा । १५ तब यूसुफ सबहि भाइयन क चूमेस अउ ओन कइ बरे रोइ पड़ा । एँकरे पाछे भाई ओकरे संग बतियाइ लागेन ।

१६ फिरौन क पता लाग कि यूसुफ क भाई ओकरे पास आवा अहई । इ खबर फिरौन क पूरे महल मँ सँचर गइ । फिरौन अउ ओकर नउकर इ बारे मँ बहोत खुस भएन । १७ एँह बरे फिरौन यूसुफ स कहेस, “आपन भाइयन स कहा कि ओनका जेतना खइया क चाही, लइ लेई अउ कनान देस क लौटि जाई । १८ आपन भाइयन स कहा कि उ पचे आपन पिता अउ आपन परिवार क लइके हिआँ मोरे लगे आवई । मई तोहका रोजी बरे मिस्र मँ बढिया धरती देव अउ तोहार परिवार सब स अच्छा खइया क खाइ जउन हमरे लगे हिआँ अहइ ।” १९ तब फिरौन कहेस, “हमरी सबन त बढिया गाडियन मँ स कछू आपन भाइयन क द्या । ओनका कनान जाइ अउ गाडियन मँ स आपन पिता, मेहररुअन अउ गदेलन क हिआँ आवइ द्या । २० ओनकी सबइ चिजियन क हिआँ लावइ बारे मँ चिन्ता जिन करा । हम ओनका मिस्र मँ जउन सबन त बढिया अहइ, देव ।”

२१ एँह बरे इस्राएल क पूतन इहइ किहेन । यूसुफ फिरौन क बचन क मुताबिक नीक गाडिजिन क दिहस अउ यूसुफ जात्रा बरे ओनका भरपूर भोजन दिहस । २२ यूसुफ हर एक भाई क एक एक जोड़ा सुन्नर ओढ़ना दिहस । मुला अउ यूसुफ बिन्यामीन क पाँच जोड़ा सुन्नर ओढ़ना दिहस यूसुफ बिन्यामीन क तीन सौ चाँदी क सिवका भी दिहस । २३ यूसुफ आपन पिता क भेंट पठएस । उ मिस्र स बहोत स बढिया चीजन स भरा बोरन स लदा दस टु गदहन क पठएस अउ उ आपन पिता बरे अनाज, रोटी अउ दूसर भोजन स लदी भइ दस टु गदहियन क ओनकी वापसी जात्रा

बरे पठएस । २४ तब यूसुफ आपन भाइयन क जाइ बरे कहेस । जब उ पचे जाइ क रहेन यूसुफ ओनसे कहेस, “सोझइ घरेजा अउ रस्ता मँ जिन लड्या ।”

२५ इ तरह भाइयन मिस्र क तजेन अउ कनान देस मँ आपन पिता क लगे गएन, २६ भाइयन ओनसे कहेन, “पिता जी यूसुफ अबहि जिअत अहइ अउ उ पूरा मिस्र देस क राजा अहइ ।”

ओनकइ पिता असमंजस मँ पड़ि गवा । उ ओन पइ नाही पतियान । २७ मुला यूसुफ जउन वातन क कहे रहा, भाइयन हर एक बात आपन पिता स कहेन । तब याकूब ओन गाडियन क लखेस जेनका यूसुफ मिस्र क वापसी जात्रा बरे पठए रहा । तब याकूब भाव बिभोर होइ गवा अउ बहो बहोतइ खुस भवा । २८ इस्राएल कहेस, “अब मोका बिस्त्तास अहइ कि मोर पूत यूसुफ अबहि जिअत अहइ । मई मरइ स पहिले ओका देखइ जात अहउं ।”

परमेस्सर इस्राएल क पतियावत ह

४६ १ एँह बरे इस्राएल मिस्र क आपन जात्रा सुरु किहस । पहिले इस्राएल बेसेबा पहोंचा । हुआँ इस्राएल आपन पिता इसहाक क परमेस्सर क आराधना अउर बलि भेंट किहस । उ बलि दिहस । २ राति मँ परमेस्सर इस्राएल स सपना मँ बोला । परमेस्सर कहेस, “याकूब, याकूब”

अउ इस्राएल जवाब दिहस, “मई हिआँ अहउं ।”

३ तब परमेस्सर कहेस, “मई यहोवा तोहरे बाप क परमेस्सर अहउं । मिस्र जाइ स डेराअ जिन । मिस्र मँ मई तोहका महान रास्टर बनाउब । ४ मई तोहरे संग मिस्र चलब अउ मई तोहका फुन मिस्र मँ स बाहेर निकारि लाउब । तू मिस्र मँ मरिब्या । मुला यूसुफ तोहरे संग रही । जब तू मरब्या तउ उ खुद आपन हाथन स तोहार आँखी बन्द करी ।”

इस्राएल मिस्र क जात ह

५ तब याकूब बेसेबा तजेस अउ मिस्र तलक जात्रा किहस । ओकर बेटवन, अर्थात इस्राएल क बेटवन अउ बाप, आपन मेहररुअन अउ आपन सबहि बच्चन क मिस्र लइ गएन । उ पचे फिरौन क जरिये पठई गइन गाडियन मँ जात्रा किहेन । ६ ओनके लगे, ओनकइ गोरु अउ कनान देस मँ ओनका आपन जउन कछू रहा, उ भी संग रहा । इ तरह इस्राएल आपन सबहि लरिकन अउ आपन परिवारे क संग मिस्र गवा । ७ ओकरे संग ओकर

बेटवन अउ बिटियन अउ पोतन अउर पोतिन रहिन। ओकर सारा परिवार ओकरे संग मिस्र गवा।

याकूब क परिवार

५ इ इस्राएल क ओन पूतन अउ परिवारन क नाउँ अहई जउन ओकरे संग मिस्र गएन।

रूबेन याकूब क पहिला पूत रहा। ९ रूबेन क पूत रहेन: हनोक, पललू, हेसरोन अउ कर्मी।

१० सिमोन क पूत: यमूएल, यामीन, ओहद, याकीन अउ सोहर। हुआँ साऊल भी रहा। (साऊल कनानी मेहरारु स पइदा भवा रहा।)

११ लेवी क बेटवन: गोसोन, कहात अउ मरारी

१२ यहूदा क पूतन: एर, ओनान, सेला, पेरेस अउ जेरह। (एर अउ ओनान कनान मँ रहत समइ मर ग रहेन।) पेरेस क पूतन: हेसरोन अउ हामूल।

१३ इस्साकार क पूतन: तोला, पुब्बा, योब अउ सिमरोन।

१४ जबूलून क पूतन: सेरेद, एलोन, अउ यहलेल।

१५ रूबेन, सिमोन लेवी, यहूदा, इस्साकार अउ जबूलून जउन याकूब क मेहरारु लिआ क पूतन रहेन। लिआ क उ पूतन पद्दन-अराम मँ रहेन अउर ओकर संग दीना नाउँ क एक ठु बिटिया भी रही। इ परिवारे मँ तैतीस मनई रहेन।

१६ गाद क पूतन: सिय्योन, हाग्गी, सूनी, एसबोन, एरी, अरोदी, अउर अरेली।

१७ आसेर क पूतन: यिम्ना, यिस्वा, यिस्वी, बरीआ अउ ओनकइ बहिन सेरह अउ बरीआ क पूतन: हेबेर अउ मल्कीएल रहेन।

१८ इ सबइ याकूब क मेहरारु क दासी जिल्पा स ओकरे पूत रहेन। (जिल्पा लाबान क दुआरा ओकरे बिटिया लिआ क दीन्ह गवा रहेन।) इ परिवारे मँ सोलह मनई रहेन।

१९ याकूब क संग ओकर मेहरारु राहेल स पइदा भवा पूत बिन्यामीन भी रहा। (यूसुफ भी राहेल स पइदा रहा, मुला उ पहिले स ही मिस्र मँ रहा।)

२० मिस्र मँ यूसुफ क दुइ पूतन रहेन, मनस्से अउ एप्पैरैम। (यूसुफ क मेहरारु ओन क याजक पोतीपेरा क बिटिया आसनत रही।)

२१ बिन्यामीन क पूत: बेला, बेकेर, अस्बेल, गेरा, नामान, एही, रोस, मुप्पीम, हुप्पीम अउ आर्द।

२२ उ पचे याकूब क मेहरारु राहेल स पइदा भए ओकर दुइ पूत रहेन। इ परिवार मँ चौदह मनई रहेन।

२३ दान क पूत: हूसीम।

२४ नप्ताली क पूतन: यहसेल, गूनी, सेसेर, अउर सिल्लेम।

२५ उ पचे याकूब अउ बिल्हा क पूत रहेन। (बिल्हा राहेल क नउकरानी रही। जेका लाबन ओका दिहे रहेन) इ परिवारे मँ सात मनई रहेन।

२६ इ तरह याकूब क सन्तानन मिस्र मँ पहाँचिन। ओनमाँ छाछठ ओकर सोझ संतान रहिन। (इ गनती मँ याकूब क बेटवन क मेहरारुअन सामिल नाही रहिन।) २७ यूसुफ क भी दुइ पूत रहेन। उ पचे मिस्र मँ पइदा भ रहेन। इ तरह मिस्र मँ याकूब क परिवार मँ सत्तर मनई रहेन।

इस्राएल मिस्र पहाँचत ह

२८ इस्राएल पहिले यहूदा क यूसुफ क लगे पठएस। यहूदा गोसेन प्रदेस मँ यूसुफ क लगे गवा। जब इस्राएल अउ ओकर लोग उ प्रदेस मँ गएन। २९ यूसुफ क पता लाग कि ओकर पिता नगिचे आवत अहइ। एँह बरे यूसुफ आपन रथ तइयार कराएस अउ आपन पिता इस्राएल स गोसेन मँ भेटइ चला। जब यूसुफ आपन पिता क लखेस तब उ ओकरे गटइया स लपटि गवा अउ देर तलक रोवत रहा।

३० तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, “अब मईँ सान्ति स मरि सकत हउँ। मईँ तोहार मुँह देखि लिहेउँ ह अउर मईँ जानत हउँ कि तू अबहि जिअत अहा।”

३१ यूसुफ आपन भाइयन अउ आपन पिता क परिवार स कहेस, “मईँ जाब अउ फिरौन स कहब कि मोरे पिता हिआँ आइ ग अहई। मईँ फिरौन स कहब, ‘भोर भाइयन अउ मोर पिता क परिवार कनान देस तजि दिहे अहइ अउर हिआँ मोरे लगे आइ ग अहई।’ ३२ इ गडरिया क परिवार अहइ। उ पचे हमेसा गोरु अउ खरका राखे अहई। उ पचे आपन सबहि जनावर अउ ओनकइ जउन कछू आपन अहइ ओका आपन संग लइ आएँ अहई।”

३३ जब फिरौन आप लोगन क बोलइही अउ आप लोगन स पूछिही, ‘आप लोग का काम करत ही?’

३४ आप लोग ओनसे कहया, ‘हम पचे गडरिया अही। हम सबइ पूरी जिन्नगी जनावरन क देखरेख मँ बितावा ह। हम लोगन स पहिले हमार पुरखन भी अइसे रहेन।’ तब फिरौन तू लोगन क गोसेन प्रदेस मँ रहइ क आग्या दइ देइ। मिस्र क लोग गडरिया क पसन्द नाही करतेन, एँह बरे बढ़िया उहइ होइ कि आप लोग गोसेन मँ ही ठहरई।”

इस्राएल गोसेन में बसत ह

१ यूसुफ फिरौन क लगे गवा अउ उ कहस, “मोर पिता, मोर भाई अउ ओनके सबहि परिवार हिओ आइ ग अहई। उ सबइ आपन सबइ जनावर तथा कनान में ओनकइ आपन जउन कछू रहा, ओकरे संग अहई। इ टेम उ सबइ गोसेन पूरदेस में अहई।” २ यूसुफ आपन भाइयन में स पाँच क फिरौन क समन्वा हाजिर होइ बरे चुनेस।

३ फिरौन भाइयन स पूछेस, “तू लोग का काम करत अहा?”

भाइयन फिरौन स कहेन, “महोदय, हम पचे गड़रिया अही। हम लोगन स पहिले हमार पुरखन भी गड़रिया रहेन।” ४ उ पचे फिरौन स कहेन, “कनान में भुखमरी क इ टेम बहोत बुरा वाटइ। हम लोगन क गोरुअन क घास वाला कउनो खेत बचा नाही रहि गवा वाटइ। एँह बरे हम लोग इस देस में बसइ आवा अही। आप से हम पचे बिनती करत अही कि आप कृपा कइके हम लोगन क गोसेन पूरदेस में रहइ देई।”

५ तब फिरौन यूसुफ स कहेस, “तोहरे पिता अउ तोहार भाई तोहरे लगे आवा अहई। ६ तू मिस्र में कउनो भी जगह ओनके रहइ बरे चुन सकत ह। आपन पिता अउ आपन भाइयन क सबसे अच्छी भुइँया द्या। ओनका गोसेन पहटा में रहइ द्या अउ अगर उ सबइ कुसल गड़रिया अहउँ, तउ उ पचे मोरे जनावरन क भी देख भाल कइ सकत ही।”

७ तब यूसुफ आपन पिता याकूब क भितरे फिरौन क समन्वा बोलाएस। याकूब फिरौन क आसीबाँद दिहस।

८ तब फिरौन याकूब स पूछेस, “आप क उमिर का अहइ?”

९ याकूब फिरौन स कहेस, “बहोत स कस्टन क संग मोर छोटी जिन्नगी रही। मई सिरिफ एक सौ तीस बरिस जिन्नगी बिताएउँ ह। मोर पिता अउ ओनके पुरखन मोसे बेसी उमिर तक जिअत रहेन।”

१० याकूब फिरौन क आसीबाँद दिहस। तब फिरौन स बिदा लेइके चल दिहस।

११ यूसुफ फिरौन क हुकुम मानेस। उ आपन पिता अउ भाइयन क मिस्र में भुइँया दिहस। इ रामसेस सहर क निअरे मिस्र में सबसे बढ़िया भुइँया रही। १२ यूसुफ आपन पिता भाइयन अउ ओनके आपन लोगन क, जउन भोजन ओनका जरुरी रहा, दिहस।

यूसुफ फिरौन बरे भुइँया खरीदत ह

१३ भुखमरी क समइ अउर भी जियादा बुरा होइ गवा। देस में कही भी भोजन न रहा। इ बुरा समइ क कारण मिस्र अउ कनान बहोत गरीब होइ गएन। १४ देस में लोग जियादा स जियादा अनाज बेसहइ लागेन। यूसुफ धन बचाएस अउ ओका फिरौन क महल में लिआएस। १५ कछू समइ पाछे मिस्र अउ कनान में लोगन क लगे पइसा नाही रहा। उ पचे आपन सारा धन अनाज बेसहइ में खर्च कइ दिहन। एँह बरे लोग यूसुफ क लगे गएन अउ बोलेन, “कृपा कइके हम पचन क खइया क द्या। हम पचन क धन खतम होइ ग अहइ। अगर हम लोग नाही खाव तउ आप क लखत लखत मरि जाव।”

१६ मुला यूसुफ जवाब दिहस, “आपन गोरुमोका द्या अउर मई तू लोगन क भोजन देव।” १७ एँह बरे लोग आपन गोरु, घोड़ा अउ दूसर सबहि जनावरन क भोजन बेसहइ बरे प्रयोग में लावइ लागेन अउ उ बरिस यूसुफ ओनके गोरुअन क लिहस अउ भोजन दिहस।

१८ मुला दूसर बरिस लोगन क लगे जनावर नाही रहि गएन अउ भोजन बेसहइ बरे कछू न रहा। एँह बरे मनई यूसुफ क लगे गएन अउ बोलेन, “आप जानत ही कि हम लोगन क लगे धन नाही बचा वाटइ अउ हमार सबहि गोरु आप क होइ गए अहई। एँह बरे हम लोगन क लगे कछू नाही बचा अहइ। उ बचा अहइ सिरिफ, जउन आप लखत ही, हमार तन अउ हमार भुइँया। १९ आप क लखत भए ही हम फुरइ मरि जाव। मुला जदि आप मोका भोजन देत ही तउ हम फिरौन क आपन भुइँया देव अउ ओकर गुलाम होइ जाव। हमका बिआ द्या जेनका हम बोइ सकी। तब हम लोग जिअत रहव अउ मरव नाही अउ भुइँया हम लोगन बरे फुन अनाज उगाई।”

२० एँह बरे यूसुफ मिस्र क सारी भुइँया फिरौन बरे बेसहेस। मिस्र क सबहि लोगन आपन खेतन क यूसुफ क हाथ बँचि दिहन। उ पचे इ एँह बरे किहन काहे कि उ पचे बहोत भुखान रहेन। २१ अउर सबइ लोग फिरौन क दास होइ गएन। मिस्र में सब जगह लोग फिरौन क दास रहेन। २२ एक सिरिफ उहइ भुइँया यूसुफ नाही बेसहेस जउन

याजकन क कब्जा में रही। याजकन क भुइँया बँचइ क जरुरत नाही रही। काहेकि फिरौन ओनके काम बरे ओनका पगार देत रहा। एँह बरे उ पचे इ धन क खाइ बरे भोजन बेसहइ में खर्च किहन।

२३ यूसुफ लोगन स केहस, “अब मइँ तू पचन क अउ तोहरी भुइँया क फिरौन बरे बेसहेउँ ह। एँह बरे मइँ तू पचन क बिआ देब अउ तू लोग आपन खेतन मँ पौध लगाइ सकत ह। २४ फसल काटइ क समइ तू लोग फसल क पाँचवाँ हीसा फिरौन क जरुर दिह। तू पचे आपन खातिर पाँच मँ स चार हीसा रखि सकत ह। तू लोग उ बिआ क जेका भोजन अउ बोवइ बरे रखब्या ओका दुसरे बरिस प्रयोग कइ सकब्या। अब तू आपन परिवारन अउ गदेलन क खिआइ सकत ह।”

२५ मनइयन कहन, “आप हम लोगन क जिन्नगी बचाइ लिहन ह। हम लोग आप क अउ फिरौन क दास होइ मँ खुस अही।”

२६ एँह बरे यूसुफ उ समइ देस मँ एक नेम बनाएस अउ उ नेम अब तलक चला आवत अहइ। नेम क मुताबिक भुइँया स हर एक उपज क पाँचवाँ हीसा फिरौन क बाटइ। फिरौन सारी भुइँया क सुआमी अहइ। सिरिफ उहइ भुइँया ओकर नाही जउन याजकन क बाटइ।

“मोका मिस्र मँ जिन दफनाया”

२७ इस्राएल मिस्र मँ रहेउँ। उ गोसेन पहटा मँ रहा। ओकर परिवार बाढ़ा अउ बहोत बड़वार होइ गवा। उ पचे मिस्र मँ उ भुइँया क पाएन अउ अच्छी जिन्नगी बिताएन।

२८ याकूब मिस्र मँ सत्रह बरिस रहा। इ तरह याकूब एक सौ सैंतालीस बरिस क होइ गवा। २९ उ समइ आइ गवा जब इस्राएल समझ गवा कि उ हाली ही मरी, एँह बरे उ आपन पूत यूसुफ क आपन लगे बोलाएस। उ कहेस, “अगर तू मोसे पिरेम करत ह तउ तू आपन हाथ मोरी जाँधे क तरे धइके मोका बचन द्या कि तू जउन मइँ कहब करब्या अउ तू मोरे बरे सच्चा रहब्या। जब मइँ मरब तउ मोका मिस्र मँ जिन दफनाया। ३० उहइ जगह मोका दफनाया जउने जगह मोरे पुरखन दफनावा गए अहइ। मोका मिस्र स बाहेर लइ जा अउ मोरे पुरखन जहा दफनाए गवा अहइ उहइ जगह मोका दफनावा।”

यूसुफ जवाब दिहस, “मइँ बचन देत हउँ कि उहइ करब जउन आप कहत हीं।”

३१ तब याकूब कहेस, “मोसे एक प्रण करा” अउर यूसुफ ओसे प्रण किहेस कि उ एँका पूरा

करी। तब इस्राएल आपन मूँड़ी खटिया प पाछे धरेस। ##

मनस्से अउ एप्रैम क असीस

४८ १ कछू टेम पाछे यूसुफ क पता लाग कि ओकर पिता बेराम अहइ। एँह बरे यूसुफ आपन दुइनउँ बेटहनन मनस्से अउ एप्रैम क संग लिहस अउ आपन पिता क लगे गवा। २ जब यूसुफ पहाँचा तउ कउनो इस्राएल स कहेस, “तोहार पूत यूसुफ तोहका लखइ आवा ह।” इस्राएल बहोत दुर्बल रहा, मुला उ बहोत जतन किहेस अउ खटिया प बड़ि गवा।

३ तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, “कनान देस मँ लूज क जगह प सर्वसक्तीमान परमेस्सर मोका खुद दर्सन दिहस। परमेस्सर हुआँ मोका आसीबाँद दिहस। ४ परमेस्सर मोसे कहेस, ‘मइँ तोहार एक बड़वार परिवार बनाउब। मइँ तोहका बहोत स बच्चन क देब अउर तू एक महान रास्टर बनब्या। तोहरे लोगन इ भुइँया प सदा बना रही। ५ अउर अब तोहार दुइ पूत बाटेन। मोरे आवइ स पहिले मिस्र देस मँ हिआँ इ सबइ पड़दा भए रहेन। तोहार दुइनउँ पूत एप्रैम अउ मनस्से मोरे आपन बेटवन क तरह होइहीं। उ पचे वइसेन होइहीं जइसे मोका रूबेन अउ सिमोन अहइ। ६ इ तरह इ दुइनउँ मोर पूत होइहीं। उ पचे मोर सबहि चीजन मँ हिस्सेदार होइहीं। मुला अगर तोहार दूसर पूत होइहीं तउ उ सबइ तोहार बच्चन होइहीं। मुला उ पचे भी एप्रैम अउ मनस्से क बेटवन क नाई होइहीं। अरथ अहइ भविस्स मँ एप्रैम अउ मनस्से क जउन कछू होइ, ओहमाँ हिस्सेदार होइहीं। ७ पहन-अराम स जात्रा करत समइ मँ राहेल मरि गइ। इ बात मोका बहोतइ दुःखी किहस। उ कनान क भुइँया मँ मरी। हम पचे अबहि एप्राता कइँती जात्रा करत रहे। मइँ ओका एप्राता कइँती जाइवाली सड़क प दफनावा।” (एप्राता बेतलेहेम अहइ।)

८ तब इस्राएल यूसुफ क पूतन क लखेस। इस्राएल पूछेस, “इ सबइ लरिकन कउन अहइ?”

९ यूसुफ आपन पिता स कहेस, “इ सबइ मोर बेटवन अहइ। इ सबइ उ पचे लरिकन अही जेनका परमेस्सर मोका दिहस ह।”

इस्राएल कहेस, “आपन बेटवन क मोरे लगे लइ आवा। मइँ ओनका असीसब।”

##४७:३१ तब ... धरेस या तब इस्राएल लाठी क सहारा लइके पराथना मँ आपन मूँड़ी निहराएस। डंडा बरे हिब्रू सब्द “बिछुना” सब्द क तरह बाटइ अउ पराथना बरे बइपरा सब्द का अरथ “पैलंगी करब” “आलरब” होत ह।

१० इस्राएल बुढ़वा रहा, अउर ओकर आँखिन ठीक नाही रहिन। एह बरे यूसुफ आपन बेटहनन क अपने बाप क निचके लइ गवा। इस्राएल बच्चन क चूमेस अउ गले स चिपकाएस। ११ तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, “मई कबहु नाही सोचैऊँ कि मई तोहार मुँह फुन लखब मुला देखा। परमेस्सर तोहका अउर तोहरे गदेलन क मोका निहारइ दिहस।”

१२ तब यूसुफ बच्चन क गोदी स लिहस अउ उ पचे ओकरे पिता क समन्वा पैलगी करइ क निहुरेन। १३ यूसुफ एप्रैम क आपन दाहिन कइँती किहस अउ मनस्से क आपन बाई कइँती। (इ तरह एप्रैम इस्राएल क बाई कइँती रहा अउ मनस्से दाई कइँती रहा।) १४ मुला इस्राएल आपन हाथ क पहला बदलिके आपन दाहिन हाथ क लहुरा लरिका एप्रैम क मूँडे प धरेस अउ तब बाएँ हाथ क इस्राएल जेठ लरिका मनस्से क मूँडे प राखेस। उ आपन बाएँ हाथ क मनस्से प धरेस, तउ भी मनस्से क जन्म पहिले भवा रहा। १५ अउर इस्राएल यूसुफ क आसीबाद दिहस अउ कहेस, “मारे पुरखा इब्राहीम अउ इसहाक हमरे परमेस्सर क आराधना किहस अउ उहइ परमेस्सर मोर पूरी जिन्नगी क रास्ता क देखेवइया रहा बाटइ।

१६ उहइ सरगदूत रहा जउन मोका सबहि कस्टन स बचाएस

अउर मोर पराथना अहइ कि इ सबइ लरिकन क उ असीसइ।

अब इ सबइ बच्चन मोर नाम पइही।

उ पचे हमरे पुरखा इब्राहीम अउ इसहाक क नाउँ पइहीं।

मई पराथना करत हउँ कि उ पचे धरती प महान परिवार

अउ रास्टर बनिही।”

१७ यूसुफ लखेस कि ओकर पिता एप्रैम क मूँडे प दाहिना हाथ रखेस ह। इ यूसुफ क खुस न कइ सका। यूसुफ आपन पिता क हाथे क धरेस। उ ओका एप्रैम क मूँडे स हटाइके मनस्से क मूँडे प रखइ चाहत रहा। १८ यूसुफ आपन पिता स कहेस, “आप आपन दाहिन हाथ गलत लरिका प धरे अहा। मनस्से क जन्म पहिले अहइ।”

१९ मुला ओकर पिता नकारेस, अउ कहेस, “पूत, मई जानत हउँ। मनस्से क जन्म पहिले अहइ अउर उ महान होइ। उ बहोत स लोगन क पिता भी होइ। मुला लहुरा भाई जेठ भाई स बड़ा होइ अउ लहुरे भाई क परिवार ओसे बहोत बड़ा होइ।”

२० इ तरह इस्राएल उ दिन ओनका आसीबाद दिहस। उ कहेस,

“इस्राएल क लोग तोहरे नाउँ क प्रयोग आसीबाद देइ बरे करिही,

उ लोगन कहब्या : ‘परमेस्सर तोहका एप्रैम अउ मनस्से क तरह बनावइ।’”

इ तरह इस्राएल एप्रैम क मनस्से स बड़वार बनाएस।

२१ तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, “लखा मोरी मउत क टेम निचकाइ ग अहइ। मुला परमेस्सर तोहरे साथ अब भी रही। उ तोहका तोहरे पुरखन क देस तलक लउटाइ लइ जाइ। २२ मई तोहका अइसा कछू दिहेउँ ह जउन तोहरे भाइयन क नाही दिहेउँ ह। मई तोहका उ पहाड़े क देत अहउँ जेका मई एमोरी लोगन स जीतेउँ ह। उ पहाड़ बरे मई आपन तरवार अउ आपन धनुख स जुद्ध किहेउँ रहे अउर मोर जीत भइ रही।”

याकूब आपन पूतन क असीसत ह

१ तब याकूब आपन सबहि बेटवन क आपन लगे बोलाएस। उ कहेस, “मोर सबइ बेटउनो, हिआँ मोरे लगे आवा। मई तोहका बताउब कि भविस्स मँ का होइ।

२ “याकूब क पूते, एक साथे आवा अउ सुना, आपन पिता इस्राएल क सुना।

रूबेन

३ “रूबेन, तू मोर पहिलउटी क बेटवा अहा।

तू मोर पहिलउटी क बेटवा अउ मोरी सकती क पहिला सबूत अहा।

तू मोर सबहि बेटवन स

जियादा इज्जतदार अउ बरिआर अहा।

४ मुला तोहार उमंग बाढ़े का लहर क

नाई बेकाबू रहा।

इसलिए तू मोर सबहि पूतन स

जियादा सम्मानित पूत अउर नाही रहिसकब्या।

तू आपन बाप क बिछाउना पइ चढया

अउ ओकर पत्नियन मँ स एक क संग सोया।

तू आपन पिता क बिछाउना क

लज्जत किहेस ह।

सिमोन अउ लेवी

५ “सिमोन अउ लेवी भाई अहइ।

ओनका आपन तरवारे स लड़ब पियारा अहइ।

६ उ पचे छुपे रूप बुरी योजना बनाएन,

मई ओनकइ योजना क कउनो हीसा नाही चाहत
हुँ

मई ओनकइ छुपी बइठकन क अनुमोदन नाही
करब।

उ पचे मनइयन क कतल किहन जब उ सबइ
किरोध मँ रहेन अउ

उ पचे सिरिफ मजाक बरे जनावरन क चोट
पहोँचाएन।

७ ओनकइ किरोध एक सराप अहइ।

इ सबइ बहोत जियादा कठोर अहइ जब उ सबइ
पगलात ही।

याकूब क देस मँ ओनके परिवारन क आपन भुइँया
न होइ।

उ पचे पूरा इस्राएल मँ फइलि जइही।

यहूदा

५ “यहूदा, तोहार भाईयन तोहार प्रसंसा करिही।

तू आपन दुस्मनन क हरउब्या।

तोहरे भाई तोहरे समन्वा निहुरिही।

१ यहूदा उ सेर क नाई अहइ जउन कउनो जनावर
क मारे होइ।

हे मोर पूत, तू उ सेर क तरह अहा जउन आपना
सिकार क बाद

आराम करई बरे सोइ जात ह।

अउर कउनो एँतना बहादुर नाही कि ओका छेड़ि
देइ।

१० यहूदा क परिवार क मनई राजा होइही।

ओकरे परिवार क राज-चीन्हा सीलो।^{¶¶}

क अवाई स पहिले खतम न होइ।

तब अनेक लोग ओकर हुकुम मनिहीं।

११ उ आपन गदहा क अंगूरे क लता स बाँधत ह।

उ आपन गदहा क बच्चन क सबसे बढ़िया अंगूरे
क लता मँ बाँधत ह।

उ आपन ओढ़ना क धोवइ बरे सबसे बढ़िया
दाखरस क बइपरत ह।

१२ ओकर आँखिन दाखरस लिए स ललछउँइ रहत
हीं।

ओकर दँतवन दूध लिए स उज्जर अहइँ।

जबूलन

१३ “जबूलन समुदर क निअरे रही।

एँकर समुदर क किनारा जहाजन बरे सुरच्छित
रही।

एँकर पहटा सीदोन तलक फइला होइ।

इस्साकर

१४ “इस्साकर उ गदहा क तरह अहइ जउन बहोत
जियादा कठोर काम किहे अहइ।

उ भारी बोझ ढोवइ क कारण पस्त पड़ा अहइ।

१५ उ लखी कि ओकरे आराम क जगह अच्छी
अहइ।

अउर इ कि ओकर भुइँया आनन्दायक ह।

तब उ भारी बोझ ढोवइ क तइयार होइ।

उ गुलाम क रूप मँ काम करब अंगीकार करी।

दान

१६ “दान आपन लोगन क निआव बइसे ही करब्या
जइसे इस्राएल क दूसर परिवार क संग करत ही।

१७ दान सड़क क किनारे

सरप क तरह अहइ।

उ रास्ता क लगे ओलरा भवा

खौफनाक सरप क तरह अहइ,

जउन घोड़न क गोड़न क डसत ह,

अउ सवार भुइँया प भहराइ पड़त ह।

१८ “यहोवा, मई मुक्ति क जोहत अहउँ।

गाद

१९ “डाकुअन क एक टु गिरोह गाद प हमला करी।
मुला गाद ओनका मार भगाई।”

आसेर

२० “आसेर क भुइँया बहोत बढ़िया उपज देइ।

ओका उहइ खइया क मिली जउन राजा लोगन बरे
जोगग होइ।

नप्ताली

२१ “नप्ताली एक अजाद मादा हिरन क तरह अहइ
जेका अजाद कीन्ह गवा ह।

उ सुन्नर सब्द कहत ह।

यूसुफ

२२ “यूसुफ बहोत सुफल अहइ।

यूसुफ फलन स लदी भइ गवा क तरह अहइ।

उ झरना क लगे जमी अंगूरे क गवा क तरह बाटइ,
बाड़ा क सहारे जमी अंगूरे क गवा क तरह अहइ।

२३ ढेर मिला ओकरे खिलाफ भाएन

¶¶ ४९:१० सीलो एक कठिन इब्रानी सब्द, सम्भवतः एक नाउँ, जेका अरथ होसकत ह, “उहइ एक जेका आधिकार मँइ अहइ।”

अउ ओसे लड़ेन ।

धनुधारी मनइयन ओकर दुस्मन होइ गवा ।

२४ मुला उ आपन सकतीवाला धनुख

अउ फुर्ताला बाँहे स जुद्ध जीतेस ।

उ याकूब क सकतीवाला परमेस्सर गड़रियन,

इस्राएल क चट्टान स सकती पावत ह ।

२५ अउर आपन पिता क परमेस्सर स सकती पावत ह ।

परमेस्सर तोहका आसीबाद देइ ।

सर्वसक्तीमान परमेस्सर तोहका आसीबाद देइ ।

उ तोहका ऊपर स आसीबाद देइ

अउर खाले गहिर समुद्र स आसीबाद देइ ।

होइ सकत ह उ तोहका छाती

अउ गरभ स आसीबाद देइ ।

२६ मोरे महतारी-बाप क बहोत स बढ़िया चीजन होत रहिन ।

अउर मई तोहार पिता बहोत जियादा आसीबाद पावत रहा ।

अब मई आपन आसीबाद क यूसुफ पइ जमा करब जउन

पहाड़ क समान ऊँचा होइ, हाँ ओकरे सिर पई जेका ओकरे भाईयन स

अल्गाइ दीन्ह गवा रहन ।

बिन्यामीन

२७ “बिन्यामीन एक अइया भुखा बड़का कूकुर क समान अहइ ।

जउन भिन्सारे मारत ह ओका खात ह ।

संझा क उ बचा खुचा स काम चलावत ह ।”

२८ इ सबइ इस्राएल क बारह परिवार अहइ । अउर उहइ चीजन अहइ जेनका ओनके पिता ओनसे कहे रहा । उ हर एक पूत क उ आसीबाद दिहस जउन ओकरे बरे ठीक रहा । २९ तब

इस्राएल ओनका एक हुकुम दिहस । उ कहेस, “जब मई मरउ तउ मई आपन लोगन क बीच रहइ चाहत हउ । मई आपन पुरखन क संग हिती एपूरोन क खेतन क गुफा मँ दफनावा जाइ चाहत हउ । ३० उ गुफा ममूरे क नगिचे मकपेला क खेत मँ अहइ । इ कनान देस मँ अहइ । इब्राहीम उ खेत क एपूरोन स ऐह बरे बेसहेस जेहसे ओकरे लगे एक टु कबिरस्तान होइ सकइ । ३१ इब्राहीम अउ ओकर मेहरारू सारा उहइ गुफा मँ दफनावा गए अहइ । इसहाक अउ ओकर मेहरारू रिबका उहइ गुफा मँ दफनाए गएन । मई आपन मेहरारू लिआ क उहइ गुफा मँ दफनावा । ३२ उ गुफा उ खेत मँ अहइ जेका हिती लोगन स बेसहा ग रहा ।” ३३ आपन

पूतन स बातन खतम करइ क पाछे याकूब ओलर गवा, गोड़वन क आपन बिछुउना प धरेस अउ मरि गवा ।

याकूब क आखिरी किरिया करम

५० १ जब इस्राएल मरा, यूसुफ बहोत दुःखी भवा । उ पिता स लपटि गवा, ओह प रोवा अउ ओका चूमेस । २ यूसुफ आपन नउकरन क हुकुम दिहस क उ पचे ओकरे बाप क ल्हासे क तइयार करई । (इ सबइ नउकर वैद्य रहन ।) वैद्या लोग याकूब क ल्हास गाड़इ बरे तइयार किहन । उ पचे मिस्र क लोगन क खास तरीका स ल्हासे क तइयार किहन । ३ जब मिस्र क लोग खास तरह स ल्हास तइयार किहन तब ओका गाड़इ क पहिले चालीस दिन तलक जोहेन । ओकरे पाछे, मिस्री लोगन दुःख क खास समइ राखेन । इ समइ सत्तर दिन क रहा ।

४ सत्तर दिन पाछे दुःख क समइ खतम भवा । एह बरे यूसुफ फिरौन क अफसरन स कहेस, “कृपा कइके फिरौन स इ कहा, ५ जब मोर पिता मरत रहन तब मई ओनसे एक पूरण किहेई रहेउँ । मई पूरण किहेउँ रहे कि मई ओनका कनान देस क गुफा मँ गाड़ब । इ उ गुफा बाटइ जेका उ अपने खातिर बनाएस ह । एह बरे कृपा कइके मोका जाइ देई अउर हुआँ पिता क गाड़इ देई । तब मई आपक लगे वापिस लउटि आउब ।”

६ फिरौन कहेस, “आपन प्रतिग्या पूरी करा । जा अउर आपन बाप क गाड़ा ।”

७ एह बरे यूसुफ आपन पिता क गाड़इ गवा । फिरौन क सबहि अफसरन यूसुफ क संग गएन । फिरौन क बुजुर्गन अउ मिस्र क बड़कवा लोग यूसुफ क संग गएन । ८ यूसुफ अउ ओकरे भाइयन क परिवार क सबहि मनई ओकरे संग गएन अउ ओकर पिता क परिवार क सबहि लोग भी यूसुफ क संग गएन । सिरिफ बच्चन अउ जनावरन गोसिन पहटा मँ रहि गएन । ९ यूसुफ क संग जाइ बरे लोग रथन अउ घोड़न प सवार भएन । इ बहोतइ बड़ा मनइयन क झुण्ड रहा ।

१० उ पचे गोरन आताद क गएन । जउन यरदन नदी क पूरब मँ रहा । इ ठउर पइ पचे इस्राएल क अखिरी संस्कार किहन । इ सबइ आखिरी संस्कार सात दिन तलक होत रहा । ११ कनान क बसइयन गोरन आताद मँ आखिरी संस्कार क लखेन । उ पचे कहेन, “उ पचे मिस्र क लोग फुरइ बहोतइ दुःख भरा संस्कार करत अहइ ।” एह बरे उ जगह क

नाउँ यरदन नदी क पार तलक अब आबेलमिस्रैम अहइ।

१२इ तरह इस्राएल क बेटवन उहइ किहन जउन ओनके पिता हुकुम दिहे रहेन। १३उ पचे ओकरे ल्हासे क कनान लइ गएन अउ मकपेला क गुफा मँ ओका गाड़ेन। इ गुफा ममूरे क निचके उ खते मँ रही जेका इब्राहीम हिती एप्रोन स खरीदा हा। इब्राहीम उ गुफा क कबरिस्तान बरे खरीदा रहा। १४यूसुफ क आपन पिता क दफनाइ क पाछे उ, ओकरे भाईयन अउर ओकरे संग झुण्ड क हर एक मनई मिस्र क लौट गवा।

भाई यूसुफ स डेराएन

१५याकूब क मरइ क पाछे यूसुफ क भाई चिन्ता मँ पड़ेन। उ पचे आपन स कहेन, “होइ सकत ह जउन कछू हम कीन्ह ह ओकरे बरे यूसुफ अब भी हमसे घिना करत ह अउर जउन बुरा काम हम लोगन ओकर संग किहस ह ओकर बदला लेब।” १६एँह बरे भाइयन इ सँदेसा यूसुफ क पठएन: “तोहार पिता मरइ क पहिले हम लोगन क हुकुम दिहे रहा। १७उ कहेस, ‘यूसुफ स कहया कि मइँ निवेदन करत हउँ कि कृपा कइके उ अपराधे क छिमा कइ देई जउन उ पचे ओकरे संग किहेन।’ एँह बरे अब हम तोहसे पराथना करित अही की उ अपराध क छिमा कइ द्या जउ, हम कीन्ह ह। हम लोग सिरिफ तोहरे पिता क परमेस्सर क सेवक अही।”

यूसुफ क भाइयन जउन कछू कहेन ओसे ओका बड़ा दुःख भवा अउर उ रोइ पड़ा। १८यूसुफ क भाई ओकरे सामने गएन अउ ओकरे समन्वा निहुरि के पैलगी किहन। उ पचे कहेन, “हम लोग तोहार सेवक होब।”

१९तब यूसुफ ओनसे कहेस, “डेराअ जिन मइँ परमेस्सर नाही अहउँ। २०इ फुरइ अहइ कि तू मोका नोस्कान पहुचावइ बरे जोजना बनाए रहा, मुला परमेस्सर फुरइ अच्छी योजना बनवत रहा। परमेस्सर क योजना बहोत स लोगन क जिन्नगी बचावइ बरे मोर प्रयोग करइ क रही अउर आजु भी ओकर इहइ योजना अहइ। २१एँह बरे डेराअ जिन। मइँ तू लोगन अउ तोहरे बच्चन क देखरेख करब।” इ तरह, यूसुफ ओनका समझाइ बुझाइ क बात किहस अउ नम्र होइके बोला।

२२यूसुफ आपन पिता क परिवार क संग मिस्र मँ रहत रहा। यूसुफ एक सौ दस बरिस होइके मरा। २३यूसुफ क जिन्नगी मँ एप्रैम क पूतन अउ पोतन भएन अउ ओकर पूत मनस्से क एक पूत माकीर नाउँ क भवा। यूसुफ माकीर क बच्चा क लखइ बरे जिअत रहा।

यूसुफ क मउत

२४जब यूसुफ मरइ क भवा, उ आपन भाइयन स कहेस, “मारे मरइ क टेम आइ गवा। मुला मइँ जानत हउँ कि परमेस्सर तू लोगन क रच्छा करी। उ इ देस स तू लोगन क बाहर लइ जाइ। परमेस्सर तू लोगन क उ देस मँ लइ जाइ जेका उ इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क देइ क बचन दिहे रहा।”

२५तब यूसुफ आपन लोगन क एक प्रण करइ क कहेस। यूसुफ कहेस, “मोसे प्रतिग्या करा कि तब मोर हड्डी आपन संग लइ जाब्या जब परमेस्सर तू लोगन क नवे देस मँ लइ जाइ।”

२६यूसुफ मिस्र मँ मरा, जब उ एक सौ दस बरिस क रहा। वैद्य लोग ओकरी अर्थी क गाड़इ बरे तइयार भएन अउ मिस्र मँ ओकरी अर्थी क एक ठु ताबूत मँ धरेन।